धोखा धड़ी

धोखा धड़ी

अर्थात्

जॉ० गॉल्सवर्दी के "SkinGame"

का हिन्दी अनुवाद।

अनुवादक

ललिताप्रसाद सुकुल

प्रयाग

हिन्दुस्तानी एकेडेमी, यू० पी०,

१९३१

Published by
THE HINDUSTANI ACADEMY, U. P.,
Allahabad.

FIRST EDITION

मूल्य ढाई रुपये

Printed by Dildar Ali
at the HINDUSTAN PRESS,
3, Prayag Street, Allahabad.

निवेदन

हिन्दोस्तानी एकेडेमी ने पच्छिमी नाटक लिखने वालों के अच्छे अच्छे ड्रामों के अनुवाद छापने का प्रबंध किया है। उद्देश्य यह है कि हमारे देश के लोगों को नये युग के नाटकों के पढ़ने का आनंद मिले। इसमें संदेह नहीं कि हिन्दी और उर्दू में नाटकों की कमी नहीं, लेकिन हमारे नाठकों में विचारों की तरतीब, घटनाओं के क्रम और भावों के वर्णन में कमी है। इसका हमें खेद है। हिन्दोस्तान को यूनान की तरह इस बात का गौरव है कि इसने नाटक को उत्पन्न किया और उसे उन्नति दी। उस समय के बाद सैकड़ों साल योरुप और हिन्दोस्तान में नाटक की कला मुर्दा हालत में रही। लेकिन योरुप के नये जन्म (Renascence) में नाटक में भी जान आ गई और इंगलिस्तान, फ्रांस और और देसों में ऊंचे दर्जे के नाटक लिखने वाले पैदा हुए। उन्होंने ऐसे मारके के ड्रामे रचे कि सारे संसार में उनकी धूम मच गई। किन्तु शेक्सपीयर के मरने पर ड्रामे की वस्ती सूनी सी हो गई और तीन सौ बरस के सन्नाटे के बाद उन्नीसवीं सदी में इसमें फिर

चहल पहल शुरू हुई। नये ड्रामे का अगुआ नारवे का मशहूर नाटक लिखने वाला हेनरिक इब्सन (Henrik Ibsen) हुआ। बरनार्ड शॉं, गाल्सवर्दी और दूसरे लेखकों ने इंगलिस्तान में और ब्रीयू, हाऊप्टमैन इत्यादि ने फ्रांस और जर्मनी में इस के क़दमों पर चल कर जस कमाया।

उन्नीसवीं सदी में योरुप की जातियों में बड़ी भारी तब्दीली हुई जिसका गहरा असर उनके समाज, रहन सहन के ढंग, कला और व्यापार के तरीक़े और मुल्क के संगठन और प्रबंध पर पड़ा। मनुष्य की ज़िन्दगी का कोई पहलू इस प्रभाव से न बचा। आज़ादी, समता, और देश प्रेम के भावों ने लोगों के दिलों को पलट दिया। सच तो यह है कि ऐसे ज़माने बहुत कम हुए हैं जिनमें मनुष्य और समाज के जीवन में ज़ोरों की उलट फेर हुई हो।

हर एक आन्दोलन में नये पुराने गुज़रे हुए और आने वाले ज़माने का संघर्ष होता है। बात यह है कि जब परिवर्त्तन की चाल तेज़ होती है और संघर्ष की दशा विकट, तो हमारे भावों में बेचैनी पैदा होती है और वह प्रगट होने की राह ढूंढते हैं। न दबने वाले भाव भड़क उठते हैं, लिखने वाले का दिल ठेस खाता है और वह

मजबूर होता है कि आत्मा को क्लेश देने वाले संकट का ड्रामे के रूप में प्रगट करे। इसी लिए नाटक समाज के जीवन का दर्पन है जिसमें संघर्ष की सूरतें दिखाई देती हैं। उन्नीस्वीं सदी में मनुष्य का मान इस बात को नही सह सकता था कि उसके पैर पुरानी बेड़ियों से जकड़े रहें। अपने गौरव का नया अनुभव आज़ादी और समता की नई राहों पर चलता है और उसके मन में नई रस्मों नये रिवाजों और जीवन के नये ढंगों की इच्छा पैदा होती है। इन्हीं की छाया उसके ड्रामे में नज़र आती है।

हिन्दुस्तान के हृदय में भी आज कुछ ऐसे ही विचार और भाव हिलोर ले रहे हैं। हमारे जीवन में भी एक अद्भुत हलचल है जो योरुप की उन्नीस्वीं सदी के परि-वर्त्तन से कहीं अधिक है। यहां भी नये और पुराने युग के संघर्ष ने भयानक रूप धारण किया है। इस खींचतान का असर रीति रिवाज पर, धर्म पर, समाज पर, यहां तक कि जीवन के सभी अंगों पर दिखाई पड़ता है। यह कैसे मुमकिन है कि इससे दिलों में उमंग, लहू में जोश पैदा न हो, और भावुक लेखकों के तड़पते दिल आत्मा की बेकली को प्रगट करने के लिए नाटक को अपना साधन न बनाएँ।

हम चाहते हैं कि हमारे नाटक लिखने वाले इन ड्रामों की तरफ़ ध्यान दें और हमारे देश के रहने वाले इनमें दिलचस्पी लें। यह तो सब मानेंगे कि आदमी योरुप के हों या एशिया के—आदमी हैं। रीति रिवाज के झीने परदे इनमें कितना ही अंतर क्यों न बना दें लेकिन वे ही भाव, वे ही विचार, सब कहीं मौजूद हैं। यदि योरुप के ड्रामे हिन्दुस्तानी भाषा में उपस्थित किये जायं तो क्या यह सम्भव नहीं कि इनको देख कर हमारे देस में बरनार्ड शॉ, गाल्सवर्दी, मेज़फ़ील्ड सरीखे नाटक लिखने वाले पैदा हों।

हम यह नहीं कहते कि यह अनुवाद मुहाविरे और भाषा की दृष्टि से निर्दोष हैं। इनमें ग़लतियें हो सकतीं हैं। बात यह है कि अभी हमारी ड्रामे नाटक की भाषा से अनजान से हैं और इनमें सुधार की बड़ी ज़रूरत है। हम आशा करते हैं कि यह अनुवाद इस कमी के पूरा करने के उपयोगी काम में सहायक होंगे।

ताराचंद

मंत्री,

हिन्दुस्तानी एकेडेमी, संयुक्त प्रांत।

नाटक के पात्र

हिलक्रिस्ट	एक देहाती रईस
एमी	उसकी स्त्री
जिल	उसकी लड़की
डाकर	उसका एजेंट
हार्नब्लोवर	एक नये रईस
चार्ल्स	उसका बड़ा लड़का
क्लिओ	चार्ल्स की स्त्री
राल्फ़	उसका छोटा लड़का
फ़ेलोज़	हिलक्रिस्ट का खानसामा
आना	क्लिओ की नौकरानी
जैकमन्स	स्त्री पुरुष

नीलाम करनेवाला

वकील

दो आगन्तुक

अंक पहला—हिलक्रिस्ट के पढ़ने का कमरा।

अंक दूसरा—

दृश्य पहला—एक महीने बाद—नीलाम घर।

दृश्य दूसरा—उसी दिन संध्या को क्रिओ के सोने का कमरा।

अंक तीसरा—

दृश्य पहला—दूसरे दिन—हिलक्रिस्ट के पढ़ने का कमरा। प्रातः काल।

दृश्य दूसरा—वही। संध्या।

अंक पहला

हिलक्रिस्ट का पढ़ने का कमरा—सुन्दर पुस्तकों से सुसज्जित बढ़िया कमरा—हिलक्रिस्ट कुटुम्ब के देशाटन सूचक कुछ चिह्न जैसे ताज, टेबुल माउन्टेन तथा मिश्र के पिरेमिड्स के चित्र—मंच की दाहिनी ओर रियासत के कागज़ पत्रों से लदी हुई एक मेज़—फूलों के गमले, गहरी गद्देदार कुर्सियाँ, एक बड़ी फ्रेंचविन्डो जो पीछे की ओर है तथा जिस के सम्मुख अगस्त मास का प्रातःकालीन चढ़ाव उतार खेतों का मनोरम दृश्य है—मंच की बांईं ओर पत्थर की एक सुन्दर अंगीठी उसके बाएँ सिरे पर एक द्वार और उसके सामने बांईं ओर एक दूसरा दरवाज़ा जिसमें हरे रंग के बीच बीच कहीं कहीं गहरे रंग की छाँह सी है।

[हिलक्रिस्ट मेज़ के समीप एक घूमने वाली कुर्सी पर बैठा है। कागज़ पत्रों में व्यस्त है। उसके पैर में गठिया है इसी लिये उसका बांया पैर बँधा हुआ है। वह एक दुबला पतला सूखा सा आदमी है, अवस्था लगभग ४५ वर्ष की है। देखने में शिष्ट, दयावान, परन्तु सनकी सा जान पड़ता है

उसके पास ही उसकी १९ साल की कन्या जिल खड़ी है जिसके मरदाने चेहरे के चारों ओर उसके गुथे हुये केश हैं।]

जिल—दादा! देखो तो आजकल बड़ी गंदी बातें हो रही हैं।

हिलक्रिस्ट—टुकाची लोग तो आज कल भी हैं।

जिल—टुकाची किसे कहते हैं?

हिलक्रिस्ट—वही जिसे बिना किसी की परवाह के बस अपनी ही पड़ी रहती है।

जिल—अच्छा! बूढ़ा हार्नब्लोवर?

हिलक्रिस्ट—नहीं, रहने दो मुझे नहीं चाहिये।

जिल—नहीं क्या चाहिये? वह तो है ही। अच्छा, चार्लो—अरे वही चार्ली भला जिसके बिना—

हिलक्रिस्ट—अरे बाप रे! तू तो उनके रास के नाम भी जानती है।

जिल—ये लोग तो यहां सात साल से रहते हैं, दादा!

हिलक्रिस्ट—पुराने ज़माने में रास के नाम तो बस क़ब्रों से ही जाने जाते थे।

जिल—सच ! चार्ली हार्नब्लोवर तो इतना बुरा नहीं है।

हिलक्रिस्ट—अच्छा, कुछ बुरा सही।

जिल—

[उसके बाल सुलझाती है]

अच्छा, और उसकी स्त्री क्लो ?

हिलक्रिस्ट—अरे बाप रे ! अगर तेरी मां उसे 'क्लो' कहते सुन पाती तो बेहोश हो जाती।

जिल—ऐसा ज़हरीला कटखना नाम है।

हिलक्रिस्ट—हूं ! मेरे पास भी एक झबरा कुत्ता था।

जिल—दादा ! तुम बड़े ओछे हो—ज़रा संभल जाओ, ये ठीक नहीं। मुझे विश्वास है क्लो ने भी अच्छे दिन देखे हैं और चाहे जो कुछ हो वह देखने में बड़ी अच्छी है। इधर उधर क्या ताकते हो ? अम्मा तो यहां बैठी नहीं हैं।

हिलक्रिस्ट—सच, बेटी ! तू तो बस—

जिल—हद है । अब राल्फ़—

हिलक्रिस्ट—राल्फ़ कोई दूसरा कुत्ता है ?

जिल—राल्फ़ हार्नब्लोवर बड़ी ऊंची प्रकृति का है। बड़ा अच्छा लड़का है।

हिलक्रिस्ट—

[घूर कर]

हाँ ! बड़ा अच्छा लड़का है ?

जिल—हाँ दादा ! तुम तो जानते हो न अच्छा लड़का किसे कहते हैं ?

हिलक्रिस्ट—आजकल किसे कहते हैं नहीं जानता ।

जिल—अच्छा, तो मैं बताती हूं । एक तो वह मनचला नहीं—

हिलक्रिस्ट—क्या ? तब तो कुशल है ।

जिल—बस ! बड़ा ही अच्छा साथी है ।

हिलक्रिस्ट—किसका ?

जिल—चाहे जिसका—और मेरा भी।

हिलक्रिस्ट—और कहां ?

जिल—चाहे जहां! मेरी सीमा आप केवल घर की फुलवारी तक ही तो समझते नहीं ? मैं तो स्वभाव से ही घूमने घामने वाली ठहरी।

हिलक्रिस्ट—

[ताने के साथ]

नहीं, ऐसा न कहो।

जिल—और दूसरे शासन तो उसे बिल्कुल ही पसन्द नहीं।

हिलक्रिस्ट—तब तो सचमुच वह बड़ा बेढब जान पड़ता है।

जिल—और तीसरे वह अपने पिता का विरोध करता है।

हिलक्रिस्ट—क्या यही अच्छी लड़कियों के लिये भी आवश्यक है ?

जिल—

[उसके बाल सुलझाती है]

ज़रा बातें न बनाओ। और चौथी बात यह है कि वह विचारवान है।

हिलक्रिस्ट—यह तो मैं जानता था।

जिल—देखो जैसे मैं सोचती हूं वैसे ही वह भी—

हिलक्रिस्ट—वाह ! तब तो बड़े अच्छे विचार हैं।

जिल—

[धीरे से खींचते हुये]

सुनो ! वह सोचता है कि बूढ़े लोग बहुत उपद्रव मचाते हैं। यद्यपि उन्हें ऐसा चाहिये नहीं क्योंकि ये लोग चिड़चिड़े होते हैं। दादा, क्या तुम भी चिड़चिड़े हो ?

हिलक्रिस्ट—हूं तो—

जिल—वह तो कहता है कि जब तक बूढ़ों से पिंड न छूटेगा तब तक संसार रहने के योग्य

ही न होगा। बूढ़ों को तो एक ऊंचे पेड़ पर चढ़ा कर वहां से ढकेल देना चाहिये।

हिलक्रिस्ट—

[रुखाई से]

यह कहता है ?

जिल—नहीं तो, वह कहता है, कि लोग अपने अपने स्वार्थों के लिये सर फुड़व्वल करके हम युवकों के लिए भी सारा संसार गंदा करके रख देंगे।

हिलक्रिस्ट—उसका बाप उससे सहमत है ?

जिल—राल्फ तो कभी उससे बात भी नहीं करता। क्योंकि वह बड़ा मुँहफट है। तुमने भी कभी उसे देखा है, दादा ?

हिलक्रिस्ट—हां ! हां !

जिल—वह बहुत ही मुँहफट है। क्यों न ? और तुम तो बहुत ही कम बोलते हो।

[बाल बिखेरते हुये]

हिलक्रिस्ट—यह एक दिन में थोड़े होता है। और तू तो जानती है मुझे गठिया है।

जिल—अच्छा दादा! भला हम लोग यहां कब से हैं?

हिलक्रिस्ट—कम से कम एलिज़ावेथ के समय से।

जिल—

[उसके पैर की ओर देखकर]

इससे हानि भी तो है। भला हार्नब्लोवर के मां बाप का भी पता है? मैं तो समझती हूं कि वह बिना मां बाप के ही पैदा हो गया था। लेकिन, दादा! हार्नब्लोवर की ओर यह व्यवहार क्यों हो रहा है!

[ओंठ सिकोड़ कर मनुष्यों की ओर अवहेलना नाट्य करती है]

हिलक्रिस्ट—क्योंकि वे बड़े चलते हुये हैं।

जिल—यह शायद इसी लिये है कि अम्मा कहती हैं कि, "अभी जो हम लोग हैं सो वे थोड़े हैं" तो उन्हें भी ऐसा क्यों नहीं हो जाने देते ?

हिलक्रिस्ट—ये नहीं हो सकता।

जिल—क्यों ?

हिलक्रिस्ट—रहन सहन का ढंग जानना सहल नहीं। इस में पीढ़ियां लग जाती हैं। ऐसे लोग तो उंगली पकड़ कर पहुँचा पकड़ते हैं।

जिल—पर यदि उन्हें पहुँचा दिया जाय तो वे उंगली की इच्छा ही नहीं करेंगे। पर इस सब "धोखाधड़ी" की आवश्यकता ही क्या है ?

हिलक्रिस्ट—"धोखाधड़ी"! तुझे ये मुहावरे कहां से मिल जाते हैं ?

जिल—दादा ! ज़रा काम की बातें होने दो।

हिलक्रिस्ट—ये जीवन ही युद्ध है। इसमें आगे बढ़ने वाले तमाम तरह के आदमियों में और

तमाम रईसों में बराबर मुठभेड़ हुआ करती है। ऐसी दशा में बस यही हो सकता है कि धर्म-युद्ध किया जाय। पर हार्नब्लोवर सरीखे लोग यह सब नहीं जानने। वे तो बस इतना जानते हैं कि जो कुछ हो सके सब उन्हीं को मिल जाय।

जिल—व्यर्थ यह न कहो। तुम उन्हें जितना बुरा समझते हो उतने बुरे वे हैं नहीं।

हिलक्रिस्ट—जब हार्नब्लोवर के हाथ मैंने लांगमीडो और दूसरे मकान बचे थे तब वह सचमुच बहुत भला था। पर अब तो उसके भी कल्ले फूट रहे हैं। अब तो डीपवाटर भर में उसका बड़ा बुरा प्रभाव पड़ रहा है। उसके भट्ठे तो बड़े ही रद्दी हैं। यहां तक कि सारी हवा ही बिगड़ी जा रही है। न जाने वह कौन घड़ी थी कि जब वह यहां आ पहुँचा और यहां की मिट्टी पर उसकी आंख पड़ी। उसने तो यहां गला काटने वाली बातें शुरू कर दी हैं।

जिल—तुम्हारा अभिप्राय हम लोगों का गला काटने-वाली चालों से है, क्यों ? सभ्य मनुष्य की भला तुम्हारी क्या परिभाषा है, दादा !

हिलक्रिस्ट—

[घबड़ाकर]

कह नहीं सकता। केवल अनुभव करता हूं।

जिल—ज़रा कहो तो।

हिलक्रिस्ट—देखो—मेरी समझ में तुम कह सकती हो कि 'भला-आदमी' वही है जो जैसा का तैसा बना रहे और थोड़े में ही उतराने न लगे।

जिल—पर यदि उसकी सीमा बहुत ही संकीर्ण हो—तब ?

हिलक्रिस्ट—

[कुछ सौम्य होकर]

हाँ मैं यह मानता हूं कि वह सच्चा और उदार है, निर्बलों का ख़्याल करता है और निरा स्वार्थी नहीं है।

जिल—स्वार्थी! पर क्या हम सभी स्वार्थी नहीं हैं? मैं तो हूं।

हिलक्रिस्ट—

[मुस्कराकर]

तुम!

जिल—

[भर्त्सना सहित]

हाँ, मैं—मैं तो बहुत छोटी हूं ना?

हिलक्रिस्ट—बेटी! जब तक सर्दी गर्मी सभी न भुगतना पड़े तब तक कुछ मालूम नहीं होता।

जिल—हां! अम्मा को छोड़ कर।

हिलक्रिस्ट—तुम्हारी मां से तुम्हारा क्या मतलब है?

जिल—अम्मा मुझे रोज़ ही समझाया करती हैं कि सारा इङ्गलैंड उन्हीं का सा है—वह जो कुछ करती हैं सब ठीक ही करती हैं।

हिलक्रिस्ट—अ—हां! शायद तुम्हारी मां ही एक सर्व-सम्पन्न स्त्री हैं न?

जिल—मैं यही तो कहती थी। तुमको तो कोई सर्वसम्पन्न कहेगा ही नहीं। और फिर तुम्हारे गठिया भी तो है।

हिलक्रिस्ट—हाँ, मैं फ़ेलोज़ को बुलाना चाहता हूँ। घंटी तो बजा दो।

जिल—

[घंटी की ओर जाकर]

अच्छा सभ्य मनुष्य की परिभाषा मैं बताऊं? सभ्य वही है जो हार्नब्लोवर को उसका उचित भाग दे दे।

[घंटी बजाती है]

और मैं तो समझती हूं अम्मा को उनके यहां अवश्य आना जाना चाहिये। राल्फ़ कहता था कि बूढ़े हार्नब्लोवर को इस बात का बड़ा रंज है कि तीन साल हो गये मां ने क्लो की ओर एक बार मुंह तक न फेरा।

हिलक्रिस्ट—ऐसी बातों में मैं तुम्हारी मां के बीच में नहीं पड़ता। उसकी ख़ुशी हो तो चाहे शैतान के घर भी भेंट करने चली जाय और न खुशी हो तो न जाय।

जिल—यह तो मैं जानती हूं। उनसे तुम्हारा बर्ताव तो सदा ही अच्छा रहता है।

हिलक्रिस्ट—यह तो तू झूठ मूठ बड़ाई करती है।

जिल—नहीं दादा! तुम्हारे मनोविकार कम से कम तुम्हारे चेहरे पर नहीं लिखे रहते लेकिन मां की नाक भौं तो सदा ही चढ़ी रहती है। और यदि उनकी चले तो इन लोगों को सीधे नरक ही में ढकेल दें।

हिलक्रिस्ट—जिल, तेरे शब्द तो——

जिल—हँसो नहीं, दादा! मैं तो कहूंगी कि अम्मा को हार्नब्लोवर के यहां अवश्य जाना चाहिये।

[कोई उत्तर नहीं]

हिलक्रिस्ट—बेटी, मैं तो किसी की बात में टोकता नहीं। ओफ़! मेरा पैर तो——

[फेलोज़ बाईं ओर से आता है]

फ़ेलोज़ ! देखो किसी को भेजकर इसमें की एक और बोतल मँगवा लो।

जिल—दादा ! मैं जाती हूं।

[दूर से एक चुम्बन देती और खिड़की से बाहर जाती है]

हिलक्रिस्ट—और रसोइया से कह दो कि मैं केवल पतले चांवल ही खाऊंगा। पैर बहुत दुखता है।

फ़ेलोज़—

[सहानुभूति से]

अवश्य दुखता होगा, सरकार !

हिलक्रिस्ट—अबकी यह तीसरा दौरा है, फेलोज़ !

फ़ेलोज़—बड़ा कष्ट होता होगा, सरकार !

हिलक्रिस्ट—अ—हां ! ऐसा तो शायद ही कभी—

फ़ेलोज़—और क्या हुज़ूर—मुझे भी तो शूल उठती थी।

हिलक्रिस्ट—

[उत्तेजित होकर]

हां ! कहां ?

फेलोज़—डाटवाली कलाई में, हुज़ूर !

हिलक्रिस्ट—कहां ?

फेलोज़—उसी कलाई में जिससे डाट निकालता हूं ।

हिलक्रिस्ट—

[जरा ऐंठकर]

हूं ! अगर तुम दादा के पास होते तो शूल से भी ज़्यादा दर्द होता ।

फेलोज़—माफ़ करना सरकार, मैं तो समझता हूं कि 'वीचीवाटर' * की डाट शराब की डाट से भी कड़ी होती है ।

---

* यह बाई की दवा है । शायद इसी की बोतल के लिये हिलक्रिस्ट ने कहा था ।

हिलक्रिस्ट—

[मुंह बिगाड़ कर]

क्यों फ़ेलोज़ अब तो यह देहात भी पहले की सी नहीं है ?

फ़ेलोज़—सरकार अब तो बिल्कुल नया रंग चढ़ गया है।

हिलक्रिस्ट—

[सर हिला कर]

ठीक कहते हो —डाकर आया ?

फ़ेलोज़—अभी नहीं, सरकार ! जैकमन्स मिलने आये हैं।

हिलक्रिस्ट—क्यों ?

फ़ेलोज़—सरकार ! मुझे नहीं मालूम।

हिलक्रिस्ट—अच्छा, बुलाओ।

फ़ेलोज़—

[जाता है]

बहुत अच्छा, सरकार !

[हिलक्रिस्ट अपनी चक्करदार कुर्सी घुमाता है । जैकमन्स दम्पति प्रवेश करते हैं । एक पचास साल का बूढ़ा मज़दूरों के से कपड़े पहने है । उसकी आंखें ऐसी भावपूर्ण हैं कि ज़बान में कहने की उतनी शक्ति नहीं । उसकी स्त्री छोटे क़द की है, चेहरा उतरा हुआ है, निगाहें और जीभ बड़ो चोखी हैं ।]

हिलक्रिस्ट—गुडमार्निङ्ग, मिसेज़ जैकमन्स ! बहुत दिनों में मिले । मिस्टर जैकसन ! कहो क्या चाहते हो ?

[धीरे से पैर सिकोड़ता है और सांस खींच कर सी सी करता है ।]

मिसेज़ जैकमन—

[नैराश्यपूर्ण शब्दों में]

घर ख़ाली करने का नोटिस मिल चुका है, सरकार !

हिलक्रिस्ट—

[ज़ोर देकर]

क्या कहा ?

जैकमन—इसी हफ्ते में ख़ाली कर देना है।

मिसेज़ जैकमन—हाँ, सरकार!

हिलक्रिस्ट—लेकिन मैंने लांगमीडो और घर को तो इसी शर्त पर बेचा था कि असामियों से छेड़ छाड़ न की जायगी।

मिसेज़ जैकमन—हाँ, सरकार। पर हम सभी लोगों को ख़ाली करना पड़ रहा है—क्या मुझे, क्या मिसेज़ आर्ली को, और क्या मिसेज़ ड्रीउस को। और यहां डीपवाटर में दूसरा घर भी तो नहीं मिल सकता।

हिलक्रिस्ट—मैं जानता हूं। मुझे भी तो अपने चरवाहे के लिये एक घर चाहिये। यह तो ठीक नहीं! पर तुम्हें नोटिस कहां से मिला?

जैकमन—सरकार! घंटेभर पहले मि० हार्नब्लोवर स्वयं आये थे और कह गये कि हमें दुख है कि हमें घरों की आवश्यकता है इस लिये तुम घर ख़ाली कर दो।

मिसेज़ जैकमन—

[तीखे स्वर में]

सरकार ! भला यह भी कोई भलमनसाहत है ? आप आये और ऐसे मज़े में कह कर चले गये। वहां हमलोग तीस साल से रहते हैं; समझ नहीं पड़ता अब क्या करें; इसी से आप के पास आये हैं। क्षमा कीजियेगा।

हिलक्रिस्ट—हूं ! बेशक ! मुझे भी ऐसा ही समझ पड़ता है।

[वह लकड़ी के सहारे उठकर अंगीठी तक लंगड़ाते लंगड़ाते पहुंचता है]

[स्वगत]

ये चालें ! परमात्मा जानता है कि यह सरासर विश्वासघात है। अच्छा, देखो मैं उसे लिखता हूं। धिक्कार है ऐसे आदमी को ! ऐसा जानता तो मैं कभी बेचता ही नहीं।

मिसेज़ जैकमन—और क्या, सरकार ? सुना है ये उनके नये भट्ठों के लिए सब किया जा रहा है।

उनको ये घर अपने कारीगरों के लिये चाहिये।

हिलक्रिस्ट—

[तेज़ी से]

हां, ये तो सब ठीक है। पर मुझ से यह क्यों कहा गया कि किसी तरह हेर फेर न किया जायगा ?

जैकमन—

[क्षोभ से]

सुना है और चिमनियां खड़ी करने के लिये उन्होंने 'सेन्ट्री' भी ले ली है। और इसीलिये इन घरों की भी आवश्यकता पड़ी।

हिलक्रिस्ट—सेन्ट्री ! यह नहीं हो सकता।

मिसेज़ जैकमन—

[हरगिज़ नहीं]

देखो तो, सरकार! कैसा सुन्दर स्थल है ? यहां से कैसा अच्छा देख पड़ता है !

[खिड़की से बाहर झांक कर]

मैं तो कहूंगी कि डीपवाटर भर में सब से अधिक सुहावनी जगह यही है। और सदा ही आपके पुरखों की रही है। क्षमा करना, सरकार! इसे बेच कर उन लोगों ने बड़ी भूल की।

हिलक्रिस्ट—

[घँटी बजाता है]

सेन्ट्री !

मिसेज़ जैकमन—

[पुलकित होकर]

बड़ी .खुशी की बात है जो आप उसे रोक रहे हैं। हम बड़े परेशान हैं। समझ नहीं पड़ता कहा जांयगे। मैंने तो हार्नब्लोवर से कहा था कि अगर हिलक्रिस्ट साहब होते तो हम लोग कभी न निकाले जाते। इस पर बोला कि " हाँ, हो सकता है। पर अब तो ख़ाली करना ही होगा। " बड़ा अजीब आदमी है! मिज़ाज तो आसमान पर चढ़ा रहता है, देखने में भी अजीब उजबक सा जान पड़ता है।

[घृणा के साथ]

लोग कहते हैं उत्तर से आया है।

[बांई ओर से फ़ेलोज़ का प्रवेश]

हिलक्रिस्ट—मिसेज़ हिलक्रिस्ट से पूछो कि ज़रा यहां आ सकती हैं क्या ?

फ़ेलोज़—बहुत अच्छा, हुज़ूर।

हिलक्रिस्ट—क्या डाकर है वहां ?

फ़ेलोज़—अभी तो नहीं हैं, हुज़ूर।

हिलक्रिस्ट—उसे अभी बुलाओ।

जैकमन—

[फ़ेलोज़ जाता है]

मिस्टर हार्नब्लोवर ने कहा था कि वे अभी आप से मिलेंगे, तो हमने सोचा कि चलें पहले ही पहुँचें।

हिलक्रिस्ट—अच्छा किया।

मिसेज़ जैकमन—मैंने तो जैकमन से कहा था कि आप अवश्य हमारी सहायता करेंगे। आप रईस

लोग हैं। और इन उजबकों को तो न पड़ोसी का ख़्याल है, न किसी का। उन्हें तो बस द्रव्य चाहिए और अपनी प्रतिष्ठा।

[तीखे स्वर से]

जो एकाएक पैसे वाले हो जाते हैं उनसे भलमन्सी की आशा कहां? लेकिन रईस लोग ऐसा थोड़े ही कर सकते हैं?

हिलक्रिस्ट—

[अन्यमनस्क होकर]

ठीक है, मिसेज़ जैकमन! ठीक है।

[आप ही आप]

सेन्ट्री! —कभी नहीं!

[सुन्दर वस्त्र पहने हुये तथा अच्छे नाक नक़्शे वाली मिसेज़ हिलक्रिस्ट आती है।]

आमी! तुमने सुना! मिस्टर और मिसेज़ जैकमन्स घरसे निकाल दिये गये, और मिसेज़ हार्वे और मिसेज़ ड्रीउस भी निकाल दी गईं? लेकिन हार्नब्लोवर के हाथ बेचते समय मैंने क़रार कर लिया था कि ऐसा नहीं होगा।

मिसेज़ जैकमन—और सरकार! हमारा सप्ताह भी सनीचर को ही हो जायगा, तब पता नहीं कहाँ जांयगे, क्योंकि 'जैक' को तो यहीं काम करना है, इसे यहीं कहीं समीप ही रहना चाहिये और मैं भी यदि यहां से कहीं दूर गई तो अपनी धुलाई से हाथ धो बैठूंगी।

हिलक्रिस्ट—

[दृढ़ता से]

अच्छा, हम देखेंगे। अच्छा, गुडमार्निङ्ग! क्या कहूं, गठिया के मारे तो मैं मरने भी नहीं पाता।

मिसेज़ जैकमन्—

[दोनों की ओर से]

बड़ा कष्ट है। सलाम, हुज़ूर—सलाम, मेम साहब। आपकी कृपा के लिये धन्यवाद।

हिलक्रिस्ट—

[दोनों जाते हैं]

जो वहां तीस साल से रह रहे हैं उनको निकाल देना! ऐसा नहीं हो सकता। यह तो सरासर विश्वासघात है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—जैक! तुम समझते हो कि भला हार्न-ब्लोवर इसकी तनिक भी पर्वाह करेगा?

हिलक्रिस्ट—क्यों नहीं? उसे करना पड़ेगा—यदि उसमें कुछ भी भलमनसाहत है तो।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—पर उसमें तो है ही नहीं।

हिलक्रिस्ट—

[एकाएक]

जैकमन कहते थे कि और चिमनियां बनवाने के लिये उसने सेन्ट्री भी ले ली है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[खिड़की से बाहर देखकर]

असम्भव है! इससे हम लोग ड्यूक से तो अलग हो ही जांयगे, पर यह जगह भी बिल्कुल

नष्ट हो जायगी। न! मिसेज़ मुलिन्स इसे कभी नहीं बेच सकतीं।

हिलक्रिस्ट—ख़ैर, इन बेचारों का तो निकाला जाना मुझे रोकना ही है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

(घृणा से मुस्कराकर)

यह तो पहले ही समझना चाहिये था। आप तो सभी को बस अपना सा समझते हो। डाकर के द्वारा पूरी लिखा पढ़ी करा लेनी चाहिये थी।

हिलक्रिस्ट—मैंने तो साफ़ कह दिया था कि देखो यहां घरों की बड़ी कमी है, तुम किरायेदारों से छेड़ छाड़ मत करना। उसने भी इसी तरह कहा था कि नहीं न करूंगा। अब इससे अधिक तुम और क्या चाहती हो?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—ऐसे आदमी सिवाय अपने मतलब के कुछ और भी जानते हैं?

[खिड़की से टेकरी की ओर देखकर]

यदि कहीं सेन्ट्री लेकर उसने वहां चिमनियां बनवा दीं तब तो हम यहां रह भी नहीं सकते।

हिलक्रिस्ट—पिताजी तो क़ब्र में भी करवटें बदलने लगेंगे।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—यदि वे रियासत को न डुबाते और सेन्ट्री को न बेच डालते तो यह दशा क्यों होती? हार्नब्लोवर को तो हम लोगों से बड़ी ही घृणा है। वह समझता है कि हम लोग उसी पर नाक भौं सिकोड़ा करते हैं।

हिलक्रिस्ट—और आमी! हम लोग करते भी तो यही हैं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—और यह कौन न करेगा? इनकी कुछ हैसियत भी है, रुपये और चालाकी के सिवा ये कुछ और भी जानते हैं?

हिलक्रिस्ट—यदि मान लो उसने न माना, तब जैकमन्स के लिये क्या होगा?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—गाड़ीख़ाने के ऊपरवाले दो कमरे हैं जिनमें बीवर रहता था।

[फ़ेलोज़ आता है]

फ़ेलोज़—सरकार, मिस्टर डाकर आ गये।

[डाकर ठिंगना तथा तगड़ा जवान है, उसका लाल चेहरा है। सवारों जैसी पोशाक तथा गेटिसें पहिने है।]

हिलक्रिस्ट—ओह ! डाकर, देखो फिर गठिया होगई है।

डाकर—बड़ा दुख है, सरकार! मेम साहव तो मज़े में हैं?

हिलक्रिस्ट—जैकमन्स से भेंट हुई ?

डाकर—ऊँह !

[वह कभी पूरे शब्द का उच्चारण नहीं करता वरन् उनकी दुम सी छांटता रहता है।]

हिलक्रिस्ट—तो तुम सुन चुके हो ?

डाकर—

[सर हिलाकर]

हार्नब्लोवर तेज़ आदमी है, घास तो जमने ही नहीं देना।

हिलक्रिस्ट—सेज़ ?

डाकर—

[खीसें काढ़कर]

पड़ोसी का निरादर करना अच्छा तो नहीं है ।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मैं तो उसे टुच्चा कहती हूं ।

डाकर—ठीक है, माँजी! इसके लिये लाभ ही सब कुछ है।

हिलक्रिस्ट—डाकर ! तुमने सेन्ट्री के विषय में भी कुछ सुना ?

डाकर—हार्नब्लोवर ख़रीदना चाहता है ।

हिलक्रिस्ट—मिस मुलिन्स उसे कभी नहीं बेचेंगी ।

डाकर—जी नहीं। वह तो बेचना चाहती हैं ।

हिलक्रिस्ट—अरे, बुरा हो उसका ! वह बेचना चाहती है ?

डाकर—और वह तो दामों पर भी नहीं अड़ेगा !

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—डाकर ! वह कितने की होगी ?

डाकर—यह तो इस पर निर्भर है कि आप उसमें क्या करेंगी ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—वह तो मारे द्वेष के ले रहा है, और हम मारे अपनी आन के।

डाकर—

[खीसें काढ़कर]

आप उसको क्या देंगी? वह तो बड़ा अमीर है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—ये तो नहीं सहा जायगा।

डाकर—

[हिलक्रिस्ट से]

आप अपनी रक़म बताइये, तो मैं पहले ही बुढ़िया से बात चीत कर लूं।

हिलक्रिस्ट—

[सोचकर]

जहां तक कोई और उपाय हो सके मैं तो उसे नहीं लेना चाहता, क्योंकि मुझे

तो रियासत पर कर्ज़ ही लेना पड़ेगा, और ये है ही कितनी ? मुझे तो विश्वास नहीं कि वह इतना जंगली है। घर के सामने ही तीन सौ गज़ पर चिमनियां—ओफ़! हृदय कांप उठता है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—जैक, डाकर को पक्का कर लेने दो, यही अच्छा होगा।

हिलक्रिस्ट—

[विचलित होकर]

जैकमन्स कहते थे कि हार्नब्लोवर अभी मुझसे मिलने आवेगा, मैं उससे पूछूंगा।

डाकर—इससे तो उसे और हुसका दोगे। पहले ले लो फिर—

हिलक्रिस्ट— उसी की चाल की नक़ल की जाय। उफ़! ये बाई तो और भी परेशान किये है।

[कुर्सी तक कठिनाई से पहुंचता है]

देखो, डाकर, मैं तुम से कहना चाहता था कि किवाड़—

फ़ेलोज़

[भीतर आकर]

मिस्टर हार्नब्लोवर !

[हार्नब्लोवर भीतर आता है—साधारण क़द का तगड़ा और फूला हुआ आदमी है—मानों सफलता के कारण फूल गया हो। बड़े घने काले बाल हैं, भौंहें भी बड़ी घनी हैं और चौड़ा चौड़ा मुंह है। साधारण कपड़े पहने हुये बटन होल में एक छोटा सा गुलाब का फूल है और हाथ में हम्बर्ग हैट जो कदाचित् बहुत छोटी मालूम पड़ती है।]

हार्नब्लोवर—सलाम ! सलाम ! कहो डाकर अच्छी तरह ? बड़ा सुहावना समय है। मौसम भी बड़ा अच्छा है।

[उसका स्वर कुछ लटपटाता सा है और बोली न बिल्कुल स्काच है और न बिल्कुल उत्तरी]

बहुत समय से, हिलक्रिस्ट, तुम से भेंट न हो सकी।

हिलक्रिस्ट—

[खड़ा हो गया था]

शायद तभी से नहीं हुई जब से लांगमीडो और घर बेचा था।

हार्नब्लोवर—अरे इसी लिये तो तुम्हारे पास आया हूं।

हिलक्रिस्ट—

[कुर्सी पर बैठ कर]

क्षमा कीजियेगा। आइये बैठिये न।

हार्नब्लोवर—

[न बैठ कर]

क्या गठिया है? ये बड़ा बुरा रोग होता है। मुझे कभी नहीं होता। मेरी प्रकृति ही वैसी नहीं है। न बाप दादों के थी। ये तो अपने ही पियक्कड़पन से होती है।

हिलक्रिस्ट—तुम बड़े भाग्यवान हो।

हार्नब्लोवर—यदि मिसेज़ हिलक्रिस्ट भी मुझे ऐसा

समझें तो मुझे आश्चर्य्य है । कहिये

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट से]

पुराना ख़ान्दानी रईस न होना भी कोई सौभाग्य की बात है? यहाँ तो जो कुछ है बस भविष्य है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मिस्टर हार्नब्लोवर! क्य इसका आप को विश्वास है कि आपका भविष्य अच्छा है?

हार्नब्लोवर—

[हंस कर]

ये रईसी हाथ मारा। तुम रईसों की मीठी मीठी बातों के भीतर बड़ी बड़ी कटारियां भरी रहती हैं। तुम लोगों को औरों के नाश करने में ही आनन्द आता है । पर मेरा भविष्य ठीक ही है।

हिलक्रिस्ट—

[तात्पर्य से]

अभी जैकमन्स को बुलवाया था।

हार्नब्लोवर—ये कौन—वही जिसकी आग उगलने वाली वो ज़रा सी औरत है।

हिलक्रिस्ट—ये लोग बड़े ही भले आदमी हैं और बेचारे इस घर में तीस साल से चुप चाप रहते हैं।

हार्नब्लोवर—

[बीच की उंगली उठाते हुये जो उसकी आदत है]

आवश्यकता है कि मैं तुम्हें कुछ उकसाऊं। इस समय डीपवाटर में कुछ थोड़ी सी जान डालने की आवश्यकता है और मैं जहाँ रहता हूं वहीं कुछ न कुछ चहल पहल रहती है। मैं कह सकता हूं कि मेरा यहां आना तुम्हे अच्छा नहीं लगा।

[हंसता है]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मिस्टर हार्नब्लोवर! हम तो चाहते हैं कि मनुष्य को अपने बचन का पूरा ध्यान रखना चाहिए।

हिलक्रिस्ट—आमी!

हार्नब्लोवर—कुछ हर्ज नहीं, हिलक्रिस्ट! मैं इससे घबड़ानेवाला नहीं।

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट डाकर की ओर देखती हैं ओर वो चुप-चाप खिसक जाता है]

हिलक्रिस्ट—तुम्हें याद होगा कि तुमने किरायेदारों को न छेड़ने का वचन दिया था।

हार्नब्लोवर—यही तो तुम से कहने आया हूं। जब मैं ने मोल लिया था तब मैं यह नहीं समझता था कि मुझे ऐसी आवश्यकता पड़ेगी। मैं समझता था कि उधर नीचे का टुकड़ा ड्यूक मुझे दे ही देगा, लेकिन भला वो कहां देता है ? और अब मुझे अपने कारीगरों के लिए घरों की आवश्यकता है, क्योंकि तुम तो जानते हो मुझे कई आवश्यक कार्यों में हाथ लगाना है।

हिलक्रिस्ट—

[बिगड़ कर]

और, जनाब, जैकमन्स की भी तो यहां उतनी ही आवश्यकता है और उनके तो प्राण ही उसमें अटके हैं।

हार्नब्लोवर—अरे कुछ समझा बूझा भी करो। मेरे कामों से हज़ारों का भला होता है और उन्हीं से मेरा सब कुछ है। यह मेरा सारा वैभव उन्हीं से है। मेरी आकांक्षायें बड़ी ऊंची हैं और मेरी प्रकृति भी गंभीर है। यदि मैं ऐसी छोटी मोटी बातों पर विचार करने लगूं तो कहीं का भी होऊंगा? कहीं का भी नहीं! समझे!

हिलक्रिस्ट—ख़ैर, कुछ भी हो, लेकिन ऐसा कभी हुआ नहीं।

हार्नब्लोवर—हाँ, तुम से न हुआ होगा, क्योंकि तुम्हें आवश्यकता ही नहीं। तुम तो अपने उसी में सन्तुष्ट हो जो तुम्हारे बाप दादे छोड़ गये हैं। न तुम्हारी आकांक्षायें हैं और न तुम चाहो कि औरों में हों। भला, तुमने भी कभी सोचा है कि तुम्हारे बाप दादों को यह पृथ्वी कैसे मिली थी?

हिलक्रिस्ट—

[खड़ा हो जाता है]

अपने वचन तोड़ कर नहीं मिली थी।

हार्नब्लोवर—

[उंगली उठाकर]

यह न कहो। उन्हों ने केवल वचन ही नहीं तोड़े होंगे वरन् यहां इस पृथ्वी पर जितने भी जैकमन्स रहे होंगे उन सभी को निकाल बाहर किया होगा।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मिस्टर हार्नब्लोवर ! तुम यह तिरस्कार नहीं कर सकते।

हार्नब्लोवर—नहीं तो। यह तो सवाल का जवाब है। यदि तुम्हें जैकमन्स का इतना ही सोच है तो उनके लिये एक घर बनवा क्यों नहीं देते ? तुम्हारे पास जगह तो है।

हिलक्रिस्ट—इससे क्या वास्ता ? तुमने बचन दिया था और उसी पर मैंने बेचा था।

हार्नब्लोवर—और मैंने इस पर लिया था कि मुझे ड्यूक से और जगह मिल ही जायगी।

हिलक्रूस्ट—इससे मुझे क्या प्रयोजन था ?

हार्नब्लोवर—अब प्रयोजन मालूम होगा क्योंकि मैं वो घर भी ले रहा हूं।

हिलक्रूस्ट—

मैं तो इसे सरासर—

[अपने आप को रोक कर]

हर्नब्लोवर—देखो जी हिलक्रिस्ट—अभी तुम्हें मुझ ऐसे आदमी से काम नहीं पड़ा है। मेरे पास धन भी है और मैं चुप चाप बैठनेवाला नहीं। मैं तो अभी इससे भी आगे बढ़ूंगा क्योंकि मुझे अपने ऊपर विश्वास है। मैं आनबान के फेर में नहीं पड़ता। तुम्हारे जैकमन जैसे चालीस मेरी छुगुनिया में बंधे फिरते हैं।

हिलक्रिस्ट—

[क्रोध से]

ऐसी रद्दी बकवाद मैं ने कभी सुनी ही—

हार्नब्लोवर—मैं तो साफ़ कहता हूं। मेरी समझ से तो तुम गांव भर को अपने पुराने ढर्रे पर चलाना चाहते हो और मैं अपने ढर्रे पर। लेकिन यहां हम दोनों के लिए जगह नहीं है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—तो आप कब जा रहे हैं ?

हार्नब्लोवर—घबराइये नहीँ, मैं कभी नहीँ जाऊंगा।

हिलक्रिस्ट—मिस्टर हार्नब्लोवर! मुझे है गठिया का रोग, इससे मैं खीझ उठता हूं। इससे हानि ही होती है। पर यदि तुम मुझे समझाने की कृपा करो तो अच्छा है।

हार्नब्लोवर—

[मुसकराते हुए]

ये चाल! मैं भी उत्तर से आया हूं।

हिलक्रिस्ट—सुना है तुम सेन्ट्री मोल लेना चाहते हो और इसमें भी चिमनियां बनवाओगे। इसका तुम को

[खड़की से दिखा कर]

कुछ भी विचार नहीं कि हमारा यह बाप दादों का घर और यह सुख बिल्कुल नष्ट हो जायगा।

हार्नब्लोवर—कैसी बातें करते हो? क्यों? कल को तुम सोचने लगोगे कि आसमान में भी तुम्हारा ही दख़ल है क्योंकि तुम्हारे पिता ने बड़े सुहावने दृश्य वाला घर बनवा दिया था जिसमें तुम्हें और तो कुछ करना नहीं बस केवल रहना है। तुम्हें कोई काम धन्धा तो है नहीं। इसीलिये तुम्हारी सब नोक झोंक है।

हिलक्रिस्ट—ख़ैर, कृपया मुझमें अकर्मण्यता का दोष तो न लगाओ। डाकर कहां है?

[मेज़ की ओर संकेत करके]

यदि तुम जुट कर परिश्रम करते हो तो मैं भी अपनी रियासत का काम वैसे ही करता हूं। अच्छा, कहो सेन्ट्रीवाली बात ठीक है?

हार्नब्लोवर—बिल्कुल सच है। बस समझ लो कि चार्ली उसे इसी क्षण ख़रीद ही रहा है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[घबड़ाहट से घूम कर]

क्या कहा ?

हार्नब्लोवर—वह उसी बुढ़िया के पास गया है। वह उसे बेचना चाहती है जो दाम चाहेगी ले लेगी।

हिलक्रिस्ट

[बड़े क्रोध से]

मिस्टर हार्नब्लोवर ! यदि इसे सरासर 'धोखाधड़ी' नहीं कहेंगे तो मैं नहीं समझता कि फिर किसे कहेंगे।

हार्नब्लोवर—वाह ! तुमने ख़ूब कहा 'धोखाधड़ी' ! ख़ैर, गालियों से हड्डियां तो टूटती नहीं, पर तौ भी दिल को पत्थर कर देने में वे एक ही होती

हैं। यहां यदि स्त्रियां न होतीं तो मैं तुम को दो एक उदाहरण बताता।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—वाह मिस्टर हार्नब्लोवर ! भला तुम क्यों रुकने लगे ?

हार्नब्लोवर—आँय ! कह नहीं सकता कि मुझे रुकना चाहिये कि नहीं। पर तुम और तुम्हारे जैसे सभी मेरे मार्ग के बाधक हैं। पर मेरे सामने कोई भी बहुत देर तक अड़ न सका और यदि अड़ सका तो मेरी शर्तें उसे माननी ही पड़ीं। शर्तें बस यही हैं कि सेन्ट्री में जहां आवश्यकता होगी चिमनियां बनवाऊंगा। इससे तुम्हारा भी भला होगा तुम जान तो जाओगे कि तुम्हीं सर्वशक्तिमान नहीं हो।

हिलक्रिस्ट—और यही तो पड़ोसी को उचित भी है। क्यों न ?

हार्नब्लोवर—और तुम ने पड़ोस में रह कर मेरे साथ

कौन सलूक किया है? यदि मेरी स्त्री नहीं है तो वह तो थी। कभी तुम ने भी उसपर कृपा की? मैं तो यहां नया आया हूं, पर तुम लोग तो पुराने हो। तुम मुझे नहीं चाहते। तुम समझते हो मैं एक चलता हुआ आदमी हूं। मैं गिर्जे में जाता हूं, यह तुम्हें अच्छा नहीं लगता। मैं अपनी चीज़ें बनाकर बेचता हूं, यह भी तुम्हें अच्छा नहीं लगता। मैं ज़मीन लेता हूं, यह भी तुम्हें पसन्द नहीं, क्यों कि इससे तुम्हारी खिड़कियों के दृश्य बिगड़ते हैं। तो मैं भी तुम्हें नहीं चाहता। समझे? और न तुम्हारा बर्ताव ही सह सकता हूं। बहुत दिनों तक तुम्हारी चलती रही, पर अब अधिक न चल सकेगी।

हिलक्रिस्ट—इन घरों के बारे में तो आप अपना वचन पूरा करेंगे?

हार्नब्लोवर—नहीं! इन्हें तो मैं लूंगा ही, पर इनके अलावा मुझे और घरों की भी आवश्यकता है,

क्योंकि मुझे और नये नये काम आरम्भ करने हैं।

हिलक्रिस्ट—यह तो खुल्लम खुल्ला लड़ाई की घोषणा है।

हार्नब्लोवर—तो तुम ही कौन बड़े सच्चे हो। बस या तो मैं रहूंगा या तुम, और बहुत करके मैं ही रहूंगा, क्योंकि किसी कवि ने कहा भी है कि मैं तो उगते हुये और तुम अस्त होते हुये सूर्य के समान हो।

हिलक्रिस्ट—

[घंटी बजाता है]

अच्छा देखेंगे तुम यहां कैसे अपनी मनमानी कर लोगे! यहां तो सब बातें भलमनसी की होती रही हैं। तुम वह सब बदलना चाहते हो। तुम्हें रोकने के लिये हम भी अपना भरसक उठा न रक्खेंगे।

[द्वार पर फ़ेलोज़ की ओर देख कर]

जैकमन्स अभी घर में हैं? उनसे कहो कि ज़रा चले आवें।

हार्नब्लोवर—

[कुछ बेचैनी से]

मैं उनसे मिल चुका हूं। उनसे अब और कुछ नहीं कहना है। मैं कह चुका हूं कि घर बदलने के लिये मैं तुम्हें पांच पाउंड दे दूंगा।

हिलक्रिस्ट—तुम्हें यह नहीं समझ पड़ता कि कोई चाहे कितना ही दीन क्यों न हो अपने विषय में कुछ न कुछ कहना अवश्य ही चाहता है।

हार्नब्लोवर—जब तक मेरे पल्ले टके नहीं हो गये तब तक मैं तो कभी कुछ नहीं कह सका, और न कोई कभी कह ही सकता है। यह सब ढोंग है, और जितने तुम लोग रईस हो सब बड़े पक्के ढोंगी हो, सदा इसके विषय में और उसके विषय में बातें अच्छी ही अच्छी बनाओगे। जब लोग आराम से बैठ जाते हैं तो उन्हें चिकनी चुपड़ी बातें सूझती ही हैं, पर

भीतर ही भीतर तुम लोग भी ऐसे ही कठोर हो जैसा मैं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[जो अब तक चुपचाप खड़ी थी]

ये तो आप बड़ी प्रशंसा कर रहे हैं।

हार्नब्लोवर—बिल्कुल नहीं। सब धर्मों का यही सार है कि ईश्वर उसी की सहायता करता है जो स्वयं अपनी सहायता करता है। मैं स्वयं अपनी सहायता करूंगा और ईश्वर भी मेरी सहायता करेगा।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—आपकी शान सराहनीय है।

हिलक्रिस्ट—हम तो सत्य की ओर हैं और ईश्वर सहायता—

हार्नब्लोवर—ऐसा न सोचो। तुम में वह शक्ति ही नहीं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—और न कदाचित् वह घमंड ही।

हार्नब्लोवर—ना, ना! सामर्थ्य होते हुये अपने ऊपर विश्वास करना घमंड नहीं है।

[जैकमन्स आ गये]

हिलक्रिस्ट—मुझे बड़ा खेद है, जैकमन्स! पर मैं चाहता था कि आप यह तो जान लें कि अपनी शक्ति भर मैंने इनसे सब कुछ कह लिया।

मिसेज़ जैकमन—

[अनिश्चित भाव से]

हाँ, सरकार! मैं समझती थी कि जब आप इनसे कहेंगे तो शायद इनका विचार बदल जाय।

हार्नब्लोवर—हाँ, पर जैसे एक घर वैसे दूसरा। और मैं समझता हूं कि घर बदलने के लिये पांच पाउंड देने को जो मैं ने कहा था वाजबी ही था।

जैकमन—

[धीरे से]

उस घर से निकलने के लिये यदि आप हमें पचास भी दें तो हमे नहीं चाहिये। वहाँ हमने

अपने तीन बच्चे पाले और वहीं से दो को गाड़ भी आये।

मिसेज़ जैकमन—

[मि० हिलक्रिस्ट से]

उससे कुछ ऐसा मोह हो गया है, मां जी।

हार्नब्लोवर—कुछ नहीं! छोटी छोटी बातों को बड़ी बड़ी बातों के लिये झुकना ही पड़ता है। अच्छा, अब दस पाउंड दे दूंगा और सामान ढोने के लिये अपनी एक गाड़ी भेज दूंगा। ये तो ठीक है न—! अब बस मान जाओ, नहीं तो यह भी हर समय थोड़े मिल सकेगा।

[जैकमन्स एक दूसरे की ओर देखते हैं। उनके चेहरे से बड़ा क्रोध टपकता है और मानो यह पूछते हैं कि कौन उत्तर दे ?]

मिसेज़ जैकमन— हम नहीं लेंगे। क्यों न, जार्ज?

जैकमन—एक कौड़ी नहीं। हम लोग वहाँ तब आये थे जब हमारा ब्याह हुआ था।

हार्नब्लोवर—

[उंगली उठाकर]

तुम लोग बड़े ही अदूरदर्शी हो।

हिलक्रिस्ट—अब आप उन्हें लेक्चर न पिलाइये । इन बातों में ये लोग आपसे कहीं ऊंचे हैं ।

हार्नब्लोवर—

[क्रोध से]

ख़ैर, मैं तुम्हें एक सप्ताह और देना चाहता था, पर अब तुम्हें इसी शनिवार को ही ख़ाली करना पड़ेगा । और देखो, देर न होने पावे, नहीं तो तुम्हारा सामान बाहर निकाल कर पानी में ही फिकवादिया जायगा ।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[मि० जैकमन से]

हम तुम्हारा सामान मंगवा लेंगे और अभी कुछ समय के लिये तुम हमारे पास चले आना ।

[मिसेज़ जैकमन अभिवादन करती है और हार्नब्लोवर की ओर ताक कर]

जैकमन—

[घूंसा दिखाते हुये]

तुम में भलमनसाहत तो छू नहीं गई है । बस रहने हीं दो, बहुत लालच मत दिखाओ ।

हिलक्रिस्ट—

[धीरे से]

जैकमन !

हार्नब्लोवर—

[जीत के आवेश में]

देखते हो ? ये तुम्हारा आदमी है। बस, मुझ से अलग ही रहना, नहीं जो धमकी धमकी दिखाई तो अभी पुलिस के हवाले कर दूंगा।

[जैकमन्स किवाड़ की ओर बढ़ते हैं ....

मिसेज़ जैकमन—

[मिसेज़ जैकमन घूमकर]

देखो एक दिन पछताओगे।

[वे लोग बाहर जाते हैं, मिसेज़ हिलक्रिस्ट इनके पीछे जाती हैं]

हार्नब्लोवर—देखो, मुझे तो उनकी नासमझी पर बड़ा दुख है। इनके से बुद्धिमान तो मुझे मिले ही नहीं जिन्हें यह भी नहीं मालूम कि रोटी में घी किस तरफ़ लगा है।

हिलक्रिस्ट—लेकिन मैंने भी कोई इतना बेमुरव्वत नहीं देखा।

हार्नब्लोवर—ईश्वर के लिये, साफ़ साफ़ कहो क्या कहते हो। अब तो तुम्हारी स्त्री चली ही गई, अब क्यों घुमा फिरा कर बातें करते हो ?

हिलक्रिस्ट—

[शान के साथ]

मैं तुमसे जद बद बकने नहीं बैठा हूं। तुम्हारा ऐसा बर्ताव मुझे तो बहुत बुरा मालूम होता है।

हार्नब्लोवर—देखो हिल ! तुम्हारी ओर से मुझे कोई द्वेष नहीं, क्योंकि तुम बिचारे अपनी गठिया और शान से ही नहीं छुट्टी पाओगे, पर अपने ऊपर अच्छी ख़ासी बुराई ले बैठोगे। मैं तो यहां की जीवन ज्योति होना चाहता हूं। मेरे पास काम भरे पड़े हैं। मेरा विचार पार्लियामेन्ट के लिये खड़े होने की भी है, और मैं तो इस स्थान को समृद्धिशाली बना दूंगा। यदि तुम मेरे साथ उचित व्यवहार करोगे तो मैं बहुत ही अच्छे स्वभाव का हूं। यदि तुम मेरे साथ पड़ोसियों की भांति मिलो

जुलो तो सेन्ट्री में चिमनियां बनवाने की भी मुझे कोई आवश्यकता नहीं। बस यही शर्त है, कहो।

[हाथ बढ़ाता है]

हिलक्रिस्ट—

[उपेक्षा से]

मैं तो समझता था कि तुम कहोगे कि यदि बात तोड़ने ही की आवश्यकता पड़ जाय तो तुम्हें उसकी भी चिन्ता नहीं।

हार्नब्लोवर—अच्छा अब बहुत न बढ़ो। हममें तुममें मित्रता भी ख़ूब हो सकती थी, लेकिन फिर मुझसे बुरा शत्रु भी कोई न होगा। इस खिड़की के सामने चिमनियां अच्छी नहीं मालूम होंगी यह समझ लेना।

हिलक्रिस्ट—

[बड़े आवेश से]

यदि तुम समझते हो कि जैकमन्स के मामले के बाद भी मैं तुम से मित्रता करूंगा तो यह तुम्हारी भूल है। तुम चाहते हो कि यहाँ पड़ोस

में तुम चाहे जितना उपद्रव मचाओ और मैं तुम्हारा साथ दूं। यह अच्छी तरह जान लो कि अपने वचन के अनुसार जब तक तुम इन किरायेदारों को ज्यों का त्यों न रहने दोगे तब तक हम लोगों में आपस में कोई वास्ता हो ही नहीं सकता।

हार्नब्लोवर—अच्छा, इसमें मेरी कोई हानि नहीं, तुम ज़रा सोच लो। तुम्हारे है गठिया। इसी से तुम खीझ उठते हो। मैं फिर कहे देता हूं, मुझसे बैर अच्छा नहीं। यदि मेल न हुआ तो जो तुम्हारे घर की दशा नष्ट न करा दूं तो नाम नहीं।

[मोटर का शब्द सुन पड़ता है]

ये मेरी मोटर है। अभी मैं ने चार्ली और उसकी स्त्री को सेन्ट्री लेने के लिये भेजा था, और अब तो वह उसके जेब में ही समझो। हिलक्रिस्ट! बस ये अन्तिम अवसर है। मैं व्यक्तिगत रूप से तुम्हारे विरुद्ध नहीं, मैं तो समझता हूं कि यहां के खुर्राटों में तुम्हीं सब

से अच्छे हो और सामाजिक हानि भी तुम्हीं मुझे पहुँचा भी सकते हो। अच्छा आओ।

[फिर हाथ आगे बढ़ाता है]

हिलक्रिस्ट—चाहे तुम हज़ार बार सेन्ट्री लेलो तो इससे क्या? तुम्हारा ढंग ही निराला है, हमारा तुम्हारा व्यवहार ही कैसा?

हार्नब्लोवर—

[बड़े क्रोध से]

सचमुच? हां!! अच्छा तो फिर अब तुम कुछ सीखोगे, और चाहिये भी। ये जानते हो कि तुम्हारे चारों तरफ़ अब मैं ही मैं हूं?

[धीरे से हवा में एक चक्र सा बनाता है]

मैं अपहिल पे हूं और यहां कारख़ाने हैं—ये लाँगमीडो है और यहां सेन्ट्री है जो अभी अभी मैं ने ले लिया है। बस अब केवल 'कामन'[1]

---

१. 'कामन' उस भूमि को कहते हैं जो प्रत्येक गांव में गांव भर के आमोद प्रमोद के लिये छोड़ दी जाती है।

के ही द्वारा तुम अपने को दुनिया से सम्बद्ध समझो। और उस मैदान और तुम्हारे घर के बीच में भी वह सड़क है। मैं उत्तर में भी, सड़क तक पहुँच जाऊंगा और पश्चिम में भी और जहाँ सेन्ट्री में मेरे नये कारख़ाने बन कर तय्यार हुये कि वैसे ही दोनों ओर सड़क तक 'ट्राली'[1] का मार्ग बनवा दूँगा और तुम्हारे चारों तरफ़ मेरा सामान ही सामान ढोया जायगा। कहो तब यह तुम्हारा घर कैसा अच्छा लगेगा ?

[हिलक्रिस्ट जो मारे क्रोध के बोल नहीं सकता फ्रेन्चविन्डो तक बिना लकड़ी टेके ही चल पड़ा। जिस समय वह हार्न-ब्लोवर की ओर पीठ किये खड़ा है वैसे ही द्वार खुलता है और जिल, चार्ल्स क्लिओ और राल्फ़ के आगे आगे भीतर आती है]

[चार्ल्स एक २८ वर्ष का सुन्दर मुछारा जवान है। उसकी वास्कट में सफ़ेद गोट टकी है। उसका एक हाथ क्लिओ की पीठ पर है कि कदाचित् वह लौट न जाय। वह भी बड़ी

१. ट्राली—सामान ढोने की छोटे २ पहिये की गाड़ी।

सुन्दरी है, उसके लाल लाल ओंठ हैं और आंखें काली हैं। पाउडर का भी भ्रम होता है। गांव के विचार से कुछ कम कपड़े पहने हुये है। राल्फ़ सबसे पीछे है, उसकी आयु भी लगभग २० वर्ष की होगी, खुला हुआ चेहरा है तथा कुछ कड़े मखनिया बाल हैं। जिल शीशी लिये हुये अपने बाप के पास दौड़ जाती है ।]

जिल—दादा, देखो मैं तो सभी को ले आई। अच्छा हुआ न? और ये लो दवा ।

[कुछ झगड़ा हो गया है इसी की आशँका से। हिलक्रिस्ट वहीं खड़े खड़े कुछ तीव्र भाव से। जिल उसी के समीप खड़ी हो जाती है और एक दूसरे की ओर देखती है। उसे रोक कर बातें करने लगती है। चार्ल्स भी अपने बाप के पास जो अपने अन्तिम वाक्यों के पश्चात् चुप खड़ा था, चला जाता है और क्लिओ और राल्फ़ चिमनी और दरवाज़े के बीच में खड़े रह जाते हैं।]

हार्नब्लोवर—क्यों, चार्ली ?

चार्ली—नहीं मिली।

हार्नब्लोवर—नहीं !

चार्ल्स—मैंने उससे हाँ कहलाही लिया था कि वह तीन

हज़ार पांच सौ में बेचेगी कि इतने ही में डाक्टर पहुँच गया।

हार्नब्लोवर—अरे! वह कुत्ते की सी सूरतवाला! वह तो अभी यहीं था। अच्छा यह बात!—हूं!

चार्ल्स—वह भागता हुआ सीधा बुढ़िया के पास आया और उसे अलग लिवा ले गया। और उसने क्या क्या कहा यह तो पता नहीं, पर जब वह लौटी तो उल्लू से भी अधिक चतुर जान पड़ती थी, और कहने लगी कि कुछ और बातें हैं इससे ज़रा विचार कर लेने के पश्चात् देखा जायगा।

हार्नब्लोवर—तुमने उससे यह कहा था कि जो चाहे दाम ले सकती है?

चार्ल्स—बहुत कुछ कहा।

हार्नब्लोवर—तो।

चार्ल्स—वह बोली कि और लोगों की भी मांग है इससे उसे नीलाम पर ही चढ़ाना अधिक अच्छा होगा। यह बुढ़िया बड़ी चंट है। इसे देख के

तो 'फ़ेट'[1] के चित्र का स्मरण हो आता है—याद है न ?

हार्नब्लोवर—नीलाम ! यदि निकल नहीं चुकी है तो अभी भी ले लेंगे। ये साला डाकर ! हिल-क्रिस्ट से अभी मुझ से झगड़ा हो गया ।

चार्ल्स—यही तो मालूम ही होता था।

[वे हिलक्रिस्ट की ओर देखने के लिये चतुराई से घूम रहे थे कि जिल आगे बढ़ी।]

जिल—

[झेंपती हुई, पर संकल्प से]

मि० हार्नब्लोवर, ऐसा आप के लिये उचित नहीं।

[उसके इतना कहते ही राल्फ़ भी आगे बढ़ आता है।]

हार्नब्लोवर—ये तो तुम्हें तब कहना चाहिये जब दोनों ओर की सुन लो।

---

१. पश्चात्य मत के अनुसार (भाग्य) की कल्पना एक बुढ़िया के समान की गई है जो रात दिन अपना चक्र चर्खे की भांति चलाया करती है और उसी के अनुसार अच्छे और बुरे दिन आया करते हैं।

जिल—जब आप बचन दे चुके थे तो जैकमन्स के निकालने में दूसरी ओर से कहा ही क्या जा सकता है ?

हार्नब्लोवर—ओहो ! मुझे यहां आसपास जो ठीक ठाक करना है उसके हिसाब से इन विचारों की बिसात ही कितनी है ?

जिल—अबतक तो मैं आप की ही ओर थी, पर अब नहीं हूं।

हार्नब्लोवर—हाय, हाय ! तब भला हम लोगों का कैसे निर्वाह होगा ?

जिल—मैं और बातों के विषय में तो कहूंगी भी नहीं, क्यों कि मैं उनपर विचार करना भी मर्यादा के विरुद्ध समझती हूं। पर ग़रीबों को उनके घर से निकालना भी बड़ी लज्जा की बात है।

हार्नब्लोवर—हाय रे !

राल्फ़—

[अचानक]

दादा, आप ऐसा तो नहीं करते हैं ?

चार्ल्स—तू चुप रह।

हार्नब्लोवर—

[राल्फ़ की ओर घूमकर]

अच्छा, ये 'नवयुवक संगठन' है। अबे लौंडे ! तू तो चुप रह। उचित अनुचित समझने का भार बड़ों पर ही रहने दे।

[ये फटकार सुनकर राल्फ़ चुपचाप अपने ओंठ चबाने लगता है फिर सर ऊपर को उठाता है।]

राल्फ़—मैं इससे घृणा करता हूं।

हार्नब्लोवर—

[क्रोध से]

अच्छा, तुझे इससे घृणा है तो फिर मेरे घर से निकल जा।

जिल—मि० हार्नब्लोवर ! बचन की स्वाधीनता तो सब को है। बिगड़िये नहीं।

हार्नब्लोवर—ठीक कहती हो! अच्छा राल्फ़! तुम घर में रह सकते हो, पर ज़रा तमीज़ सीखो। आओ चार्ली।

जिल—

[बड़ी नम्रता से]

मिस्टर हार्नब्लोवर !

हिलक्रिस्ट—

[खिड़की से]

जिल !

जिल—

[व्यग्र होकर]

अरे! इससे क्या लाभ ? लड़ाई झगड़े के लिये यह जीवन बहुत ही छोटा है और बड़े ही आनन्द का है।

राल्फ़—शाबाश !

हार्नब्लोवर—

[हीनता के चिह्न दिखाकर]

अच्छा देखो मैं अपने ही घर में विप्लव नहीं

मचने दूँगा। तुम को यह मानना पड़ेगा कि जिस आदमी ने मेरी तरह से मेहनत की है और जो मेरी भांति उठ सका है और जो संसार को भली भांति समझता है वह यह भी समझता है कि क्या उचित है और क्या अनुचित। अपने कर्मों का उत्तर तुम नव-युवकों को नहीं वरन् ईश्वर के सम्मुख दे लूंगा।

जिल—बेचारा ईश्वर!

हार्नब्लोवर—

[धक्का सा खाकर]

ईश्वर की ये निन्दा! छोकड़ी!

[राल्फ़ से]

अबे ओ स्वाधीन चिंतक! तू भी ऐसा ही निकम्मा है। ऐसा नहीं होने दूँगा।

हिलक्रिस्ट—

[बाईं ओर आ जाता है]

जिल, बस तुम चुप रहो।

जिल—रही नहीं सकती।

चार्ल्स—

[हार्नब्लोवर के हाथ में हाथ डाल कर]

आओ दादा ! काम होना चाहिये, बातों से क्या ?

हार्नब्लोवर—और क्या ? काम ही तो !

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट और डाकर फ्रेन्च विन्डो से भीतर आते हैं]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—बिल्कुल ठीक।

[सब उनकी ओर घूम कर देखने लगते हैं]

हार्नब्लोवर—अच्छा। तो तुमने अपना कुत्ता पीछे लगा ही दिया।

[डाकर की ओर उंगली दिखाकर]

बड़े चालाक हो—मैं तुम्हें शाबाशी देता हूं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[क्लियो जो अब तक बिचारी अकेली ही खड़ी थी उसकी ओर संकेत करके]

मैं यह जानना चाहती हूं कि ये औरत कौन है ?

चकरा कर घूमती है और उसका (Vanity bag) बटुआ खिसक कर फ़र्श पर गिर पड़ता है।]

हार्नब्लोवर—क्या करोगी जानकर? ख़ूब तो जानती हो।

जिल—अम्मा! मैं इन्हें लिवा लाई हूं।

[क्लिओ की ओर बढ़ती है]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—अच्छा, तो इन्हें बाहर ले जाओ।

हिलक्रिस्ट—अभी! ज़रा सोचो तो।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—औरतों के बारे में मैं घर की मालकिन हूं।

जिल—अम्मा!

[क्लिओ की ओर आश्चर्य से देखकर जो बोलना चाहती थी पर बोलती नहीं वरन् कुछ घबड़ाई और डरी सी मिसेज़ हिलक्रिस्ट और डाकर की ओर देखती है।]

[क्लिओ से]

मुझे बड़ा दुख है। खै़र आओ।

[बाईं ओर से बाहर जाती हैं। राल्फ भी शीघ्रता से उनके पीछे जाता है]

चार्ल्स—तुमने मेरी स्त्री का अपमान किया है। क्यों इस से तुम्हारा क्या मतलब है ?

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट केवल मुस्करा देती है]

हिलक्रिस्ट—मैं क्षमा चाहता हूं। मुझे बड़ा खेद है। मैं नहीं समझता कि हमारे घर की स्त्रियां हमारे झगड़े में क्यों पड़ें। ईश्वर के लिये हम लोगों को भलेमानसों की ही लड़ाई लड़नी चाहिये।

हार्नब्लोवर—ये लल्लो-चप्पो—ये उपहास ! अच्छा हिलक्रिस्ट। अब खुल्लमखुल्ला धोखाधड़ी ही सही। एक दूसरे से निपट लेंगे। अब अपना प्रबन्ध करलो। परमात्मा की क़सम ! सबेरे ही से अब मैं अपना धन्धा प्रारम्भ करता हूं। और तू डाकर ! कुत्ता कहीं का—तू अपने को बड़ा चतुर समझता है, पर देख मैं सेन्ट्री लेके बताता हूं। आओ चार्ली !

[जिल के पास से जो द्वार में से आ रही थी ये लोग निकल आते हैं]

हिलक्रिस्ट—क्यों डाकर ?

डाकर—

[खींसे काढ़कर]

अभी तो बची हुई है। बुढ़िया उसे नीलाम करायेगी। इससे वो हटी ही नहीं। कहती है कि दोनों ही पड़ोसी हैं, किसी से भी बुरी नहीं बनूंगी। पर जो मुझ से पूछो तो वो तो रुपया चाहती है।

जिल—

[आगे बढ़कर]

अब अम्मा !

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—क्यों ?

जिल—तुमने उसका निरादर क्यों किया ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मैंने तो तुझसे उसे बाहर ले जाने को कहा था।

जिल—क्यों ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—देख जिल ! किससे मुझे मेल जोल करना चाहिये और किससे नहीं, इसके निर्णय का भार मुझी पर रहने दे।

[डाकर की ओर देखती है]

जिल—वह बड़ी नेक है। आजकल जाने कितनी औरतें पाउडर लगाती हैं और ओंठ रंगती हैं। मैं तो समझती हूं कि ये बड़ी ही भली है। वह तो बिल्कुल घबड़ाई हुई थी।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—बिल्कुल घबड़ाई हुई थी !

जिल—अम्मा, इतनी भी गुपचुप काम की नहीं। अगर कुछ जानती हो तो उसे कह क्यों नहीं डालतीं?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—क्यों जैक ? क्या कहते हो ? कह डालूं ?

हिलक्रिस्ट—यदि कुछ हानि न समझो—

[डाकर सर हिलाकर फ्रेञ्च विन्डो से बाहर जाता है]

जिल ! कुछ शील रक्खो, गवारों की सी बातें मत करो।

जिल—दादा ! ये ठीक नहीं। उससे मैं बहुत लज्जित हुई हूं। और जो बेचारे न किसी के लेने में न देने में उनका अपने घर में निरादर करना यह भी तो टुच्चापन है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—तू जानती तो है नहीं और बक बक कर रही है।

हिलक्रिस्ट—मिसेज़ हार्नब्लोवर का क्या मामला है ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—क्षमा कीजिये, अभी मैं अपने विचार नहीं प्रगट करना चाहती।

[जिल की ओर देखकर फ्रेन्चविन्डो से बाहर जाती है।]

हिलक्रिस्ट—जिल ! तूने अपनी मां को बहुत घबड़वा दिया है।

जिल—डाकर ने उनसे कुछ कह दिया है, मैंने देखा था। दादा, मैं तो डाकर जैसे ऐरे ग़ैरे पचकल्यानियों को बिल्कुल नहीं चाहती।

हिलक्रिस्ट—पर बेटी, सब जने तो असाधारण नहीं हो सकते। वह बड़ा चलता पुर्ज़ा है। तुम को अपनी मां से क्षमा अवश्य मांगनी चाहिये।

जल—

[अपने गुथे हुये बाल हिलाकर]

दादा! ज़रा देखते रहना, नहीं तो ये लोग तुम से भी वही करायेंगे जो तुम्हें पसन्द नहीं। मां जब अपना दांव पाजाती है तो बड़ी बिकट हो जाती है। माना कि हार्नब्लोवर बुरा है तो हम क्यों बुरे बनें?

हिलक्रिस्ट—तो जिल, तुम समझती हो कि मैं भी ऐसा हूं—बहुत ठीक!

जिल—नहीं-नहीं-मैंने केवल आप को बता दिया कि मां और डाकर चाहे जो कुछ करें पर आप से कहेंगे कि आप ठीक ही कर रहे हैं।

हिलक्रिस्ट—

[मुसकरा कर]

मैंने तो तुम्हे इतना गंभीर कभी नहीं देखा।

जिल—न ! क्योंकि—

[घूंट लीलकर]

अभी अभी मैंने संसार के सुख की ओर पैर बढ़ाया ही था कि मां ने सारा खेल ख़राब कर दिया, पर वह बड़ा भयानक खुर्राँट है। लेकिन दादा ! तुम अपने को भयानक मत होने देना। तुम तो बड़े अच्छे लगते हो। अब तुम्हारा दर्द कैसा है ?

हिलक्रिस्ट—अच्छा है—बहुत अच्छा है।

जिल—ये देखो इससे पता चलता है। इसमें आप को तो कुछ मज़ा भी आता है, पर हम को तो कुछ भी नहीं।

हिलक्रिस्ट—क्यों भला जिल ! तुम मे और उस जवान छोकरे—राल्फ़—से कुछ—है ?

जिल—

[ओंठ चबाकर]

न—पर अब तो और सब नष्ट हो गया।

हिलक्रिस्ट—इसमें मुझे तो खेद है नहीं।

जिल—मेरा तात्पर्य यौवन के स्नेह-स्वप्न से बिल्कुल नहीं है। पर मैं मित्रता अवश्य रखना चाहती हूं। मैं तो दादा! प्रत्येक वस्तु का उपयोग करना चाहती हूं, पर जहां चारों ओर घृणा ही घृणा है तब यह कहां सम्भव है? तुम तो इन्हीं झंझटों में पड़े रहोगे और मुझे भी डाले रहोगे। और मैं तो जानती हूं कि हम आप सभी इसी में लोटा करेंगे और सिवाय अपना अपना दाव ताकने के और कुछ न सोचेंगे।

हिलक्रिस्ट—तुम्हें अपने घर से मोह नहीं?

जिल—है क्यों नहीं? अवश्य है।

हिलक्रिस्ट—पर तुम उसमें रह थोड़े सकोगी! जब तक वह लुच्चा रोका न जायगा सब पेड़ काट कूट डाले जायँगे। चिमनियां, धुआँ और बरतन के ढेर के ढेर ही चारों ओर रह जायँगे। वह उधर—

[दिखा कर]

ज़रा सोचो।

[फ्रेन्च विन्डो में से दिखाता है मानो वह उन चिमनियों को खेतों को नष्ट करते देख ही रहा है।]

मैं यहीं पैदा हुआ था और मेरे बाप के बाप के बाप भी यहीं हुये थे। वे लोग उन खेतों को और पेड़ों को बहुत चाहते थे और यह जंगली अपनी सुधार की स्कीम लिये बैठा है। सच मुच इसी सेन्ट्री में ही मैंने घोड़े पर चढ़ना सीखा था। ऐसी सुहावनी कुंजें शायद ही कहीं हों। इन में हर पेड़ पर मैं चढ़ चुका हूं। न जाने दादा ने क्यों इन्हें बेंच डाला—लेकिन ये कौन सोचता था और फिर ऐसी बुरी मुहूर्त्त में जब कि पास रुपे की भी कमी है।

जिल—

[उसके हाथ से चिपटकर]

दादा!

हिलिक्रस्ट—हाँ, पर जिल! तुम इस जगह को इतना नहीं

चाहलो जितना मैं कभी कभी सोचा करता हूं कि तुम छोकड़ी छोकड़े किसी भी वस्तु को इतना नहीं चाहते जितना हमलोग।

जिल—नहीं दद्दा! मैं तो चाहती हूं।

हिलक्रिस्ट—सब तो तुम्हारे सामने ही है। तुम जीवन भर चाहे यहीं रहो और फिर भी इस पुराने घर से अच्छा स्थान तम्हें और कहीं न मिल सकेगा। बिना लड़े तो मैं इसे नहीं बरबाद होने दूंगा।

गार प्रगट हुये समझ कर फ्रेन्च विन्डो से बाहर निकल कर दाहिनी ओर चला गया। जिल पीछे पीछे खिड़की तक जाकर देखती है। सर पीछे घुमा कर उसके पीछे हाथ बाँध लेता है।]

जिल—अहा—

पीछे एक शब्द होता है 'जिल'। वह घूमती है और सहम कर पीछे हट जाती है। दाहिनी खिड़की की ओर झुकती है। राल्फ़ बांई ओर से खिड़की के बाहर देख पड़ता है।]

कौन आता है?

राल्फ़—

[बाईं चौखट पर टिककर]

शत्रु— क्रिश्रो के बटुए के लिये।

जिल—शत्रु! बड़ा बुरा है।

[राल्फ़ खिड़की से निकलता है और फ़र्श पर से जहां क्रिश्रो का व्हैनिटी बैग गिर पड़ा था उसे पा जाता है, तब फिर फ्रेन्च विन्डो की बाईं चौखट पर टिक जाता है।]

राल्फ़—तो अब कुछ नहीं हो सकता? क्यों?

जिल—तुम तो जानते हो।

राल्फ़—पिता के पाप।

जिल—तीसरी और चौथी पीढ़ी में। भला मेरे पिता ने क्या पाप किया?

राल्फ़—एक तरह से कुछ भी नहीं। पर जैसा कई बार कह चुका हूं केवल यही कि तुम लोग हम

लोगों को बाहिरी क्यों समझते हो? यह तो हमे अच्छा नहीं लगता।

जिल—तो तुम को तो ऐसा न होना चाहिये। मेरा तात्पर्य है कि उनको भी ऐसा नहीं चाहिये।

राल्फ़—मेरे पिता वैसे ही मनुष्य हैं जैसे तुम्हारे। वे बस हमी लोगों में गुथे रहते हैं और उनका यह सब काम धंधा हमी लोगों के लिये है भी। जैसी तुम्हारी मां ने क्लिओ के साथ व्यवहार किया वैसा ही यदि तुम्हारे साथ किया जाय तो तुम्हें अच्छा लगेगा? तुम्हारी मां ने ही यहां के सब भले मानसों को ऐसा भर दिया है कि बेचारी क्लिओ के पास कोई आता भी तो नहीं। और क्यों? यह निन्दनीया नहीं है कि किसी को जात बाहर कर दिया जाय केवल इसी लिये कि वह तुम्हारे कथनानुसार 'नया' है? उस की हैसियत बनाने के बदले और नष्ट कर दी जाय?

जिल—न । ये सब इस लिये नहीं है कि ये "लोग नये हैं" वरन् यदि तुम्हारे पिता पहले ही से भले-मानसों की तरह रहते तो उनसे वैसाही व्यवहार किया जाता ।

राल्फ़—सचमुच ? मुझे तो विश्वास नहीं है । मेरे पिता बड़े योग्य हैं । वे समझते हैं कि उनका यहां पर दबदबा रहना चाहिये। सभी तो उन्हें दबाना चाहते हैं । हां, हां । ऐसा ही होता है । बस इसी से वे पागल हो जाते हैं और अपने मन की करने में फिर और उतारू हो जाते हैं । तुमको तो न्याय करना चाहिये, जिल !

जिल—मैं न्याय पर ही हूं ।

राल्फ़—न—नहीं हो । और फिर इससे चार्ली और क्लिओ से क्या मतलब ? और क्लिओ बेचारी तो बिल्कुल ही निर्दोष है । वह बड़ी व्यथित रहती है । जब तक चार्ली का विवाह नहीं हुआ था तब तक तो पिता जी किसी के आने जाने की पर्वाह ही नहीं करते थे पर तबसे—

जिल—मैं मानती हूं कि यह सब बड़ा सुन्दर है।

राल्फ़—ये तो 'घूरे पर का कुत्ता' वाली कहावत है। पर मैं तुम्हें तो सदा इससे ऊपर ही समझता था।

जिल—भला, तुम्हें तुम्हारा घर बिगड़ना कैसा लगेगा?

राल्फ़—मैं बहस नहीं करना चाहता। केवल यही कहूंगा कि यहां कोई वस्तु स्थिर नहीं है। अन्य वस्तुओं की भांति मकान कम परिवर्तन शील नहीं हैं।

जिल—अच्छा, तो फिर प्रयत्न करो और ले लो हमारा घर।

राल्फ़—हमे तुम्हारा घर नहीं चाहिये।

जिल—जैसे जैकमन्स का ले लिया?

राल्फ़—बहुत अच्छा। मैं देख रहा हूं कि तुम्हारा मिज़ाज भी बहुत ही बिगड़ गया है।

[जाने के लिये मुड़ता है]

जिल—

[जब वह ओझल होने लगा—धीरे से]

शत्रु ?

राल्फ़—

[घूम कर]

हां शत्रु ।

जिल—अच्छा युद्ध के पहले लाओ हाथ तो मिला लें ।

[वे लोग चौखट से हटते हैं और खिड़की के बीच में एक दूसरे से हाथ मिलाते हैं ।]

अंक दूसरा

दृश्य १

एक प्रान्तीय होटल का बिलियर्ड रूम जहां चीज़ें बेची और मोल ली जाती हैं। पर्दा काफ़ी आगे है पर अधिक चौड़ा नहीं। इस पर नीलाम करने वाले के कमरे का कोना अंकित है जिसमें मंच की बाईं ओर एक पतली मेज़ तथा नीलाम करने वाले के बैठने और खड़े होने के लिये दो कुर्सियां हैं। मेज़ 'फ़ुट लाइट्स' के समीप है। उसपर हरे रंग के कागज़ों में नीलामी वस्तुओं का विवरण दिया हुआ है। उस जमाव में साधारण जनता और बोली बोलने वाले दोनों ही हैं। मेज़ की ऊंचाई पर बाईं ओर एक द्वार। मेज़ के पीछे दीवार से लगी हुई दो बेन्चें हैं जिनके नीचे सीढ़ियाँ बनी हैं और दीवार के बीचों बीच एक बड़ा सा द्वार है जैसा कि प्रायः बिलियर्ड रूमों में हुआ करता है। उसकी झंझरियाँ ओक की लकड़ी की हैं। सितम्बर मास का अन्त है। प्रकाश ऊपर के रोशनदान से आता है। जब परदा उठता है उस

समय मंच ख़ाली है पर डाकर और मिसेज़ हिलक्रिस्ट पीछे के द्वार से आते हैं।]

डाकर—

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट से]

ज़रा मार्ग से इधर हट आइये। आपने हार्नब्लोवर और चार्ली को देखा ?

[जमाव की ओर दिखाता है]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—तीन बजे प्रारम्भ होगा? क्यों?

डाकर—ये समय के बहुत पाबन्द नहीं होंगे क्योंकि अकेली सेन्ट्री ही तो नीलाम करना है। द्वार पर देखिये युवती मिसेज़ हार्नब्लोवर उस दूसरे लड़के के साथ हैं।

[दिखाता है]

उस तराई वाले को जिसके विषय में मैंने आप से कहा था शहरसे ले आया हूं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—देखो डाकर उसके विषय में बिल्कुल निश्चय करलो, नहीं तो ज़रा सी ही ग़लती में मरण हो जायगा।

डाकर—

[सर हिलाकर]

ठीक है। जी हाँ ! बहुत से मनुष्य नीलाम देखने के लिये समय निकाल ही लेते हैं। ड्यूक का भी आदमी यहाँ है। आश्चर्य नहीं जो वह भी बाधा डाले।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—और तुम उन्हें (हिलक्रिस्ट को) कहां छोड़ आये ?

डाकर—मिस जिल के साथ आंगन में हैं। वे आप के पास आते ही हैं। यदि मैं उनसे न भी मिल सकूँ तो आप उनसे कह दीजियेगा कि उनकी हद तक पहुँचने के बाद भी यदि मुझे बोली बोलते ही जाना हो तो वे अपनी नाक छिड़कने लगेंगे। और जहां उन्होंने दुबारा छिड़का कि मैं बिल्कुल रुक जाऊंगा। पर ऐसी आशा है नहीं, क्योंकि हार्नब्लोवर अपना रुपया फेंकता नहीं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—तुम ने हद क्या तय की है ?

डाकर—छः हज़ार ।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—ये तो बड़े करारे दाम हैं । ख़ैर ईश्वर तुम्हें सफलता दे, डाकर !

डाकर—सफलता !! मैं ज़रा मिसेज़ क्रिश्रो के उस मामले को देखलूं । आप चिन्ता न कीजिये किसी न किसी प्रकार हम लोग करही लेंगे ।

[वह आंख दबाकर उंगली नाक पर रखता है और द्वार के बाहर जाता है ।]

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट दो सीढ़ियां चढ़ती हैं और द्वार के दाहिनी ओर बैठ जाती हैं । लम्बी कमानी वाला चश्मा पहने हैं । पीछे के द्वार में से क्रिश्रो और राल्फ़ आते हैं । वह उससे जाने का संकेत करती है और द्वार बन्द कर लेती है ।]

क्रिओ—

[सिढ़ियों के नीचे बेन्चों के बीच में होकर ज़रा साधारण तौर से पुकारती हैं ।]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट !

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[कुछ चौंक कर]

क्या कहा ?

क्लिओ—

[फिर]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—क्या है ?

क्लिओ—मैंने तो कभी तुम्हें हानि पहुँचाई नहीं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—क्या मैंने कभी कहा है कि तुमने पहुँचाई है ?

क्लिओ—नहीं ! पर तुम्हारा व्यवहारिक अभिनय (act) ऐसा ही है कि मानो मैंने कभी पहुँचाया हो।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मुझे तो मालूम नहीं कि आज तक मैंने कभी भी अभिनय (act)

किया है। सिवाय इसके कि तुम अपने घराने की एक हो मुझे तुमसे मतलब ही क्या?

क्लिओ—मैं तो तुम्हारा घर नहीं उजाड़ना चाहती हूं न!

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—तो उनको रोको। वह देखो, तुम्हारा पति अपने बाप के साथ वहां है।

क्लिओ—मैं—मैंने तो बहुत कोशिश की।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[उसकी ओर देखकर]

अच्छा! तो मैं समझती हूं कि ऐसे आदमी औरतें क्या कहती हैं इस पर ध्यान भी नहीं देते।

क्लिओ—

[कुछ तेज़ी से]

मैं अपने पति से बड़ा स्नेह करती हूं। मैं—

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[उसकी ओर दृढ़ता से देखकर]

मैं कुछ ठीक ठीक समझी नहीं कि तुम मुझ से बोलने क्यों लगीं।

क्लिओ—

[कुछ द्रवित रोष से]

केवल इसी विचार से कि तुम मुझसे शायद मनुष्यों का सा व्यवहार करने लगो।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—सचमुच ? क्षमा करो मैं इस समय ज़रा चुप रहना चाहती हूं।

क्लिओ—

[कुछ दुखित भाव से]

अवश्य, अवश्य। मैं जाकर दूसरे सिरे पर बैठूंगी !

[वह बाईं ओर हटती है, सीढ़ियों पर चढ़ कर बैठ जाती है। राल्फ द्वार से देख कर कि वह कहां बैठी है उसी के पास जाकर बैठ जाता है। मिसेज़ हिलक्रिस्ट थोड़ा और दाईं ओर खिसक कर बैठ जाती हैं।]

राल्फ़—

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट पर एक दृष्टि डाल कर और क्लिओ की ओर झुककर]

कहो तबियत तो ठीक है ?

क्लिओ—बड़ी गर्मी है ।

[वह विवरण के पर्चे से ही हवा करने लगती है]

राल्फ़—वह देखो डाकर खड़ा है । मैं इससे बड़ी घृणा करता हूं ।

क्लिओ—कहां ?

राल्फ़—वह वहां नीचे । देखा ?

[मंच के दाहिनी ओर देखता है]

क्लिओ—

[कुछ हांफ कर बैठ जाती है]

ओफ़ ओ !

राल्फ़—

[यह न देख कर]

उसके पास यह दूसरा कौन है जो इधर देख रहा है ?

क्रिओ—मैं नहीं जानती।

[विवरण पत्र को उठा कर इस प्रकार हवा करने लगी कि उसका चेहरा उसके पीछे छिप जाय]

राल्फ़—

[उसकी ओर देखकर]

तुम्हारा जी अच्छा नहीं है? थोड़ा पानी लाऊं?

[वह उसके सर हिलाते ही उठ बैठता है, द्वार तक ही पहुंचा था कि जिल और हिलक्रिस्ट आगये। हिलक्रिस्ट उसके पास से निकल कर अपनी स्त्री के पास बैठ गये।]

जिल—हम लोगों को निकलवाने आये हो?

राल्फ़—

[ज़ोर से]

नहीं तो, मैं तो क्रिओ की देख रेख में हूं क्योंकि उसका जी अच्छा नहीं।

जिल—

[उसकी ओर देख कर]

खेद है। वह यहां आई ही क्यों।

[राल्फ़ उत्तर न देकर चला जाता है। जिल क्लिओ की ओर देखती है और फिर अपने माता पिता की ओर जो चुप चाप बातें कर रहे हैं। पिता के पास बैठ जाती है]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—जैक ! तुम्हें वहां से डाकर देख सकता है ?

[हिलक्रिस्ट सर हिलाता है]

क्या समय है ?

हिलक्रिस्ट—तीन बजने में तीन मिनट ।

जिल—आपके पांव में तो झुँझुनी नहीं चढ़ी ?

हिलक्रिस्ट—चढ़ी तो है ।

जिल—और अम्मा ! तुम्हारे ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—न !

जिल—जब हम लोग आंगन में थे तब उस खब्बीस हार्न-ब्लोवर की बर्तनों की एक गाड़ी निकली थी। यह बड़ा अपशकुन है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—बेवक़ूफ़ी की बातें मत करो।

जिल—देखा उस बूढ़े बैल को ! दादा, लाओ हाथ पकड़ लो।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—जैक, देख लो जेब में रूमाल है ?

हिलक्रिस्ट—मैं छः हज़ार के ऊपर नहीं जा सकता। इतने ही में पाई पाई के लिये रियासत रहन रखनी पड़ेगी। और इससे अधिक में तो फिर रियासत टिक ही नहीं सकती।

[वास्कट की जेब में टटोलता है और रूमाल का कोना बाहर खींच लेता है।]

जिल—ओह ! पीछे देखो मिस मुलिन्स भी आ गई। है न बुढ़िया बड़ी चंट ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—आई हैं आंखों का सुख देखने। मुझे तो सचमुच बड़ा बुरा लगा जो इसने तुम्हारी मांग नहीं मानी। 'निष्पक्षता विश्पक्षता' सब बनावटी बातें हैं।

हिलक्रिस्ट—इसमें उसको दोष नहीं दे सकते। जो ही

कुछ मिलजाय लेना चाहिये। ये तो मनुष्य का स्वभाव है। उंह! वाइवा [1] के पहले कभी मैं भी ऐसा ही सोचा करता था। ये डाकर के पास दूसरा कौन है?

जिल—कैसी बेवकूफ़ है!

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[स्वगत]

हां! ठीक है।

[धीरे से उसने क्लिओ की ओर देखा वह अपनी कुर्सी पर चुप चाप धंसी हुई पड़ी थी और क्रमपत्र से धीरे धीरे हवा कर रही थी।]

जैक! उससे पूछो मेरा स्मेलिंगसाल्ट लेगी?

हिलक्रिस्ट—

[साल्ट लेकर]

इस सहृदयता के लिए ईश्वर को धन्यवाद है।

१ "वाइवा" मौखिक परीक्षा।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[घबड़ाकर]

अरे ! मैं—

जिल—

[माँ की ओर शीघ्रता से देखकर तथा साल्ट छीन कर]

मैं जाऊंगी ।

[साल्ट लेकर क्लिओ के पास जाती है]

तुम तो एकदम पीली पड़ गई हो । लो, ज़रा सूंघ लो ।

क्लिओ—

[घबड़ाहट से देखकर]

नहीं, क्या करूंगी ? धन्यवाद है ! मैं तो अच्छी हूँ ।

जिल— नहीं नहीं । सूंघो तो सही ।

[क्लिओ ले लेती है]

जिल—ज़रा क्रमपत्र देखूं तो ।

[वह क्रमपत्र ले लेती है और पढ़ने लगती है पर क्लिओ अपना चेहरा हाथ से और शीशी से ढक लेती है]

बड़ी गर्मी है। क्यों न ? अच्छा रक्खो इसे।

क्लिओ—

[उसकी सुन्दर काली आंखें बेचैनी से इधर उधर देखती हैं]

राल्फ़ मेरे लिए थोड़ा सा पानी लाने गया था।

जिल—तुम यहां बैठी क्यों हो ? तुम तो यहां आना भी नहीं चाहती थीं, फिर क्यों आई ?

[क्लिओ सर हिलाती है]

अच्छा, लो पानी भी आगया।

[क्रमपत्र वापस दे देती है और चौकियों के बीच से राल्फ़ के पास से निकलती हुई अपनी जगह पर जा बैठती है।]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट अबतक क्लिओ, जिल, डाकर और उसके मित्र को देख रही थीं और हाथ से कुछ पूछने का संकेत करती हैं पर उत्तर निराशाजनक मिलता है।]

जिल—क्या बजा होगा, दादा ?

हिलक्रिस्ट—

[घड़ी में देखकर]

तीन मिनट हो चुके।

जिल—

[आह भर के]

ओह ! बिल्कुल नरक की सी गर्मी है।

हिलक्रिस्ट—जिल !

जिल—भूल हो गई, दादा। मैं ज़रा सोच रही थी। ये देखिये आगया। उंह ! यही है न ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—हुश !

[नीलाम करने वाला बांईं ओर से आकर मेज़ पर चला जाता है। ये मोटा ताज़ा ठिगना लाल चेहरे वाला साधारण सा मनुष्य है; उसके कटे हुये भूरे बाल टोपी का काम देते हैं। और भूरी मूछें भी कटी हुई हैं। उसकी पलकें बड़ी शीघ्रता से झपक जाती हैं। वह तो देख लेता है पर जिसे देखता है वह नहीं जान पाता। बनावटी हंसी कभी कभी हंस लेता है। जब बोली कम बोली जाती है

तब उसकी आंखों से पता चलता है कि वह केवल नीलाम करने वाला ही नहीं है वरन उसमें कुछ मनुष्यता भी है। चाहे जिसे आँख मार देता है। एक खाकी सूट पहने है। वास्कट के बटन बिल्कुल खुले हैं। चौड़ा मुड़ा हुआ कालर पहने है और छोटी सी काली टाई बांधे है। जिस समय वह अपने काग़ज़ ठीक ठाक कर रहा था उस समय हिलक्रिस्ट चुप चाप बैठे थे। जिल्ओ पानी पीकर फिर पीछे झुक गई थी और स्मेलिंग साल्ट नाक में लगाये थी। उसी के पास राल्फ़ अपनी कुर्सी पर आगे की ओर झुका हुआ था और कनखियों से जिल की ओर देख रहा था और अब भूरी दाढ़ी वाला एक दलाल भी नीलाम करने वाले की मेज़ के पास आगया था।]

नीलाम करने वाला—

[मेज़ खट खटाकर]

आप लोगों को निराश करने में मुझे बड़ा खेद है। पर क्या करूं आज केवल एक ही वस्तु नीलाम पर है—डीपवाटर की सेन्ट्री नम्बर एक। क्रमपत्र पर जो दूसरी थी वह हटा ली

गई। और जो तीसरी यानी 'बिडकाट' 'केनबे' के' पेरिश' में सबसे बढ़िया माफ़ी की ज़मीन और घर है। उसको दूसरे सप्ताह में बेंचेगे। तब बिना किसी रोक टोक के बड़ी ख़ुशी से बेंच डालूंगा।

[फिर कार्य क्रम में देखने लगता है ताकि लोगों को भी समझ बूझ लेने का अवसर मिल जाय]

अच्छा देखिये जैसा कह चुका हूं केवल एक ही जायदाद बेंचना है माफ़ी नम्बर एक—बड़ी उपजाऊ है चाहे जो पैदा कर लीजिये—पार्क जैसी रहने के लिये भी ये सेन्ट्री अच्छी है—एक ही जायदाद है—अव्वल नम्बर के लोग हैं और अव्वल ही नम्बर का मौक़ा है

[मुस्करा कर]

अब ज़रा शर्तें सुनलीजिये मिस्टर ब्लिन्कार्ड पढ़े देते हैं। बहुत लम्बी चौड़ी नहीं है।

[बैठ जाता है और मेज़ पर दो बार खट खटाता है दलाल खड़ा होकर नीलाम की शर्तें पढ़ता है इतने ज़ोर से कि

कोई सुन ही नहीं सकता। जैसे ही वह पढ़ने लगता है पीछे से चार्ल्स हार्नब्लोवर प्रवेश करता है और एक क्षण-भर ठहर कर हिलक्रिस्ट की ओर देखता है और मुछे उमेठता है। फिर अपनी पत्नी की ओर जाता है और उसे छूता है]

चार्ल्स—क्लिओ ! जी अच्छा नहीं है क्या ?

[उसके चेहरे की घबड़ाहट सब पर प्रगट हो जाती है]

चार्ल्स—इन लोगों से अलग हट चलो।

[हिलक्रिस्ट की ओर सर हिला कर। क्लिओ जनता की दाहनी ओर मंच के नीचे शीघ्रता से देखती हैं]

क्लिओ—नहीं। मैं ठीक हूं। वहाँ तो और अधिक गर्मी होगी।

चार्ल्स—

[राल्फ से]

अच्छा इनकी देख भाल रखना मैं जाता हूं।

[राल्फ़ सर हिलाता है चार्ल्स हिलक्रिस्ट की ओर देखता हुआ द्वार की ओर बढ़ जाता है और मिसेज़ हिलक्रिस्ट उसकी

ओर बराबर बिज्जू की तरह देखती रहती है। दलाल ज्यों ही समाप्त करके बैठ जाता है त्यों ही वह बाहर चला जाता है।]

नीलाम करने वाला—

[खड़ा होकर खट खटाता है]

ऐसी अच्छी भूमि सर्वदा विकने नहीं आती क्या कहा

[सामने बैठे हुये एक मित्र से]

डीपवाटर में इससे अच्छी दूसरी भूमि नहीं- ठीक है मि० स्पाइसर ! मैं तो गांव को ख़ूब जानता हूं। बड़ी अच्छी ज़मीन है और कैसे मौक़े की है। अच्छा अब अधिक तारीफ़ करके आपको तंग नहीं करूंगा और क्या ख़ूब तो पानी है और लकड़ी भी बहुत है तिस पर भी लकड़ी पर किसी प्रकार की रोक टोक नहीं है।

उसमें कोई बाधा नहीं दे सकता जो चाहो सो करो। अजी उसका मौक़ा क्या है रतन है

रतन। और घर के लिए भी बस—ड्यूक और हिलक्रिस्ट के बीच में मानो पन्ने का टुकड़ा पड़ा है।

[मुस्कराकर]

न आयरलैंड का झगड़ा न झंझट बरन वह तो बड़ी शान्त जगह है। इस जवार में तो रईसों के लिए दूसरी ऐसी अच्छी जगह है नहीं। और ऐसी कहीं रोज़ रोज़ हाथ नहीं लगती

[मंच के बाईं ओर हार्नब्लोवर के ओर देखता है]

उसी के साथ खनिज पदार्थ का अधिकार भी तो है और आप तो जानते ही हैं कि डीप-वाटर भर में सब से अच्छी मिट्टी वहीं की है। अच्छा कितने से शुरू करूं? तीन हज़ार कहें? जो बताइये? मैं कुछ नहीं कहता। आप के पास तो मुझ से अधिक समय है। दो सौ एकड़ अव्वल नम्बर की खेती और चराऊ भूमि और उसमें भी घर के लिए भी सर्वोत्तम स्थान और

न जाने कितनी और सुविधाय साथ।
तो फिर क्या कहूं ?

[स्पाइसर की बोली]

दो हज़ार ?

[हँस कर]

इससे आप को हानि नहीं होगी मिसेज़ स्पाइसर। ड्यूक के ऊपर यह इतने को मंहगी नहीं है। दो हज़ार को ?

[मञ्च की बांई ओर से हार्नब्लोवर की बोली]

और पांच। धन्य है सरकार! बोली दो हज़ार पांच सौ।

[नीचे खड़े एक मित्र से]

कुछ कहिये मिस्टर सन्डे! सर क्या खुजलाते हैं।

[दाहिनी ओर से डाकर की बोली]

और पांच। इतनी अच्छी ज़ायदाद के लिए तीन हज़ार। क्यों आप क्या समझते हैं कि अच्छी नहीं है ? बढ़िये जनाब कुछ हिम्मत कीज़िये।

[कुछ रुक कर]

जिल—दादा ! मैं बोलियां क्यों नहीं देख सकती ?

हिलक्रिस्ट—अख़ीरी डाकर की ही थी।

नीलाम करने वाला—तीन हज़ार—

[हार्नब्लोवर]

तीन हज़ार पांच सौ ? चार कहूं ?

[बीच से एक बोली]

नहीं मैं कुछ नहीं कहता। सौ सौ भी मान लूंगा बोली तीन हज़ार छह सौ—

[हार्नब्लोवर]

और सात। तीन हज़ार सात सौ और—

[जनता को घूरता हुआ]

जिल—दादा ! ये कौन था ?

हिलक्रिस्ट—हार्नब्लोवर। ये बीच वाली ड्यूक की है।

नीलाम करने वाला—अब आइये मुझे दिन भर के लिये न बैठाइये। चार हज़ार कहूं ?

[डाकर]

धन्य है। आपने प्रारम्भ किया है। और एक ?

[बीच से एक बोली]

चार हज़ार एक सौ।

[हार्नब्लोवर]

चार हज़ार दो सौ।

आपकी कहूं सरकार ?

[डाकर से]

और तीन। बोली चार हज़ार तीन सौ। जवार में ऐसी ज़मीन नहीं है। बस जितने की है उतने ही में बेंच रहा हूं उसके लिये कुछ भी बहुत नहीं।

[मुस्कराता है]

[हार्नब्लोवर]

चार हज़ार पांच सौ।

[बीच से]

और छह।

[डाकर]

और सात।

[हार्नब्लोवर]

और आठ।

नौ कहूं ?

[बीच वाला चुप हो जाता है]

[डाकर]

और नौ।

[हार्नब्लोवर]

पांच हज़ार। बोली पांच हज़ार ! पांच हज़ार। ये ठीक हैं। कुछ ज़ोर मालुम होता है। पांच हज़ार !

[रुक जाता है और दलाल से बातें करने लगता है]

हिलक्रिस्ट—अब तो दो ही रह गये।

नीलाम करने वाला—ये जायदाद अभी नहीं मिल सकती। बोली पांच हज़ार।

[डाकर]

और एक।

[हार्नब्लोवर]

और दो।

[डाकर]

और तीन। पांच हज़ार तीन सौ।

और पांच सरकार?

[हार्नब्लोवर]

पांच हज़ार पांच सौ।

[क्रम की ओर देखता है]

जिल—

[खिन्न होकर]

दादा। शत्रु है।

नीलाम करने वाला—ऐसा अवसर कदाचित् फिर न आयेगा जैसा किसी कवि ने कहा है।

"कितना पछताओगे,
यदि इसे न पावोगे।"

सरकार पांच हज़ार छह सौ कहूं?

[डाकर]

बोली पांच हज़ार छह सौ?

[हार्नब्लोवर]

और सात।

[डाकर]

और आठ।

पांच हज़ार आठ सौ पांउउ अभी तो बढ़ रहे हैं। अभी तो दाम ही नहीं आते हैं।

[थोड़ा सा रुक कर। अपने प्रयास की सफलता पर मत्था पोंछते हुये]

जिल—अपनी है दादा ?

[हिलक्रिस्ट सर हिलाता है। जिल राल्फ़ की ओर देखती है। राल्फ़ का चेहरा बड़ा उदास है। क्लिओ तो हिली तक नहीं। मिसेज़ हिलक्रिस्ट के कान में कुछ कहती है।]

नीलाम करने वाला—बोली पाँच हज़ार आठ सो—

पांच हज़ार आठ सौ।

बढ़िये जनाब बढ़िये। अभी क्या है ? धन्य है सरकार।

[हान ब्लोवर]

पाँच हज़ार नौसौ। और—?

[डाकर]

छह हज़ार। बोली छह हज़ार—बोली छह

हज़ार—छह हज़ार। यह सेन्ट्री—जवार भर में सर्वोत्तम—जाती है कम दाम में—छह हज़ार में।

हिलक्रिस्ट—

[भुन भुनाकर]

कम ! हे ईश्वर !

नीलाम करने वाला—छह हज़ार के ऊपर कुछ ! बढ़िये जनाब ! अभी से चुप होगये । ज़रा दम भरिये । छह हज़ार में ? बस छही हज़ार पाऊँड में। ख़ैर ! तो बेचता हूं । छह हज़ार एक—

[खटकाता है]

छह हज़ार दो।

[खटकाता है]

जिल—

[धीरे से]

अब तो मिल गई।

नीलाम करने वाला—और एक सरकार ।

[हार्न ब्लोवर]

बोली छह हज़ार एक सौ ।

[दलाल उसका हाथ पकड़ कर कुछ कहता है और वह सर हिला देता है]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—जैक ! अब नाक छिड़को ।

[हिलक्रिस्ट छिरकता है]

नीलाम करने वाला—छह हज़ार एक सौ ।

[डाकर]

और दो । धन्य है ।

[हार्न ब्लोवर]

और तीन । छह हज़ार तीन सौ ।

[डाकर]

और चार । छह हज़ार चार सौ पाऊंड । अरे ये ज़िमींदारी छह हज़ार चार सौ पाऊंड में । मुफ़्त फेंकी जाती है ! मुफ़्त !

[रुकता है]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—देता है ?

नीलाम करने वाला—बोली छह हज़ार चार सौ।

[हान्र्स्लोवर]

और पाँच।

[डाकर]

और छह।

[हान्र्स्लोवर]

और सात।

[डाकर]

और आठ।

[रुक जाते हैं बांए द्वार से कोई दलाल को बुलाता है वह उठ के जाता है और उससे बातें करता है]

हिलक्रिस्ट—

[भुनभुनाते हुये]

बस हो चुका चाहे मिले और चाहे नहीं।

नीलाम करने वाला—छह हज़ार आठ सौ में—छह हज़ार आठ सौ—एक

[खटकाता है]

—दो—

[खटकाता है]

और अख़ीरी बार। ऐसी बढ़िया जगह

[हान ब्लोवर]

और नौ। धन्य है छह हज़ार नौ सौ।

[हिलक्रिस्ट रूमाल निकाल लेता है]

जिल—अ हो। दादा।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[कांपते हुये]

अभी ठहरो।

नीलाम करने वाला—सात हज़ार कहूं ?

[डाकर]

सात हज़ार।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[कान में]

नीचे करलो। अभी मत दिखाओ।

नीलाम करने वाला—सात हज़ार—देखो जाती है सात हज़ार में—एक—

[खटकाता है]

दो—

[खटकाता है]

[हान्डओवर]

और एक। धन्य है सरकार!

[हिलक्रिस्ट—नाक छिकरता है। जिल घबड़ा कर कुर्सी में पीछे टिक जाती है और छाती पर हाथ कस कर बांध लेती हैं। मिसेज़ हिलक्रिस्ट—ओठों पर रूमाल रखकर भी चुपचाप बैठ जाती है और हिलक्रिस्ट भी चुप है।]

[नीलाम करने वाला ठहर कर दलाल से जो अपनी जगह लौट आया था बातें करता है]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—अरे जैक!

जिल—दादा बढ़े चलो। बढ़े चलो!

नीलाम करने वाला—अच्छा अब देखिये सेन्ट्री पर बोली सात हज़ार एक सौ की है। और मुझे आज्ञा मिली है कि यदि अधिक दाम नहीं आते तो निकाल दूं। ये दाम ठीक हैं पर अधिक नहीं।

[अपने मित्र स्पाइसर से]

कोई भारी क़ीमत नहीं।

[मुसकरा कर]

भारी तो तुम स्वयं समझते हो सात हज़ार दो सौ कौन देता है? कोई नहीं? अब बताइये मैं क्या करूं? सात हज़ार एक सौ—एक

[खटका कर]

दो —

[खटका कर]

[जिल धीरे से भुनभुना कर]

हिलक्रिस्ट—

[अचानक विचित्र स्वर से]

और दो।

नीलाम करने वाला—

[आश्चर्य से घूम कर तथा हिलक्रिस्ट की ओर सर हिलाकर]

धन्य है सरकार। और दो! सात हज़ार दो सौ।

[हिलक्रिस्ट और हार्न दोनो पर जमाते हुये]

सरकार! आप भी कुछ कहेंगे?

[हार्नब्लोवर]

और तीन।

[हिलक्रिस्ट]

और चार। सात हज़ार चार सौ ।

[हार्नब्लोवर]

पांच ।

[हिलक्रिस्ट]

छः। सात हज़ार छः सौ ।

[हक्कर]

हां जनाब, ये कुछ ठीक है पर ऐसी अच्छी जायदाद के अच्छे ही दाम भी आने चाहिये। इसमें बड़ी गुंजाइश है।

[हार्नब्लोवर सं]

आठ हज़ार कहा सरकार ने ? आठ हज़ार। जाती है आठ हज़ार पाउंड में।

[हिलक्रिस्ट]

और एक।

[हार्नब्लोवर]

और दो।

[हिलक्रिस्ट]

और तीन।

[हार्नब्लोवर]

और चार।

[हिलक्रिस्ट]

और पांच। आठ हज़ार पांच सौ। आठ हज़ार पांच सौ में ऐसी अच्छी जायदाद।

[भौंहें पोंछ कर]

जिल—

[कान में]

ओ हो दादा!

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—बस हो चुका। अब रुक जाना चाहिए।

नीलाम करनेवाला—आठ हज़ार पांच सौ में—एक—

[खटकाता है

दो—

[खटकाता है]

[हार्नब्लोवर]

छः सौ

[हिलक्रिस्ट]

सात ।

[हार्नब्लोवर से]

सरकार बढ़ेंगे ?

[हार्नब्लोवर]

आठ ।

हिलक्रिस्ट—नौ हज़ार ।

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट ओंठ चबाती हुई उसकी ओर देखती है पर वह उसमें मस्त है]

नीलाम करनेवाला—इस ग़ज़ब की जायदाद के लिए और नौ हज़ार ! यदि ड्यूक की समझ में आजाय कि यह तो उसके सर पर ही है तो इतना तो वही दे देगा । तो सरकार ?

[हार्नब्लोवर की ओर देखता है पर वह उत्तर नहीं देता]

कुछ तो बढ़िये ।

[कोई उत्तर नहीं]

नौ हज़ार में । सेन्ट्री डीपवाटर नौ हज़ार में—एक—

[खटकाता है]

दो—

[खटकाता है]

जिल—

[सांस खींच कर]

अब तो अपनी है।

एक आवाज़—

[मध्य भाग के पीछे से]

और पांच सौ।

नीलाम करनेवाला—

[आश्चर्य से उस स्वर की ओर हाथ फैलाकर]

और पांच सौ। नौ हज़ार पांच सौ।

[हार्नब्लोवर की ओर]

सरकार कुछ कहेंगे ?

[कोई उत्तर नहीं]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[कान में]

ये शायद फिर ड्यूक है ? दलाल उससे कुछ कहता है।

हिलक्रिस्ट—

[भौं पर हाथ फेरते हुये]

ख़ैर किसी तरह रुका तो।

नीलाम करनेवाला—

[हिलक्रिस्ट की ओर देख कर]

नौ हज़ार पांच सौ में।

[हिलक्रिस्ट सर हिलाता है]

फिर एक बार—सेन्ट्री डीपवाटर नौ हज़ार पांच सौ में—एक—

[खटकाता है]

दो—

[खटकाता है—रुक कर हार्नब्लोवर और हिलक्रिस्ट की ओर देखता है]

अंतिम वार—

नौं हज़ार पांच सौ

[और खटखटाता है। बोली बोलने वाले की ओर देखता है]

मिस्टर स्माली अच्छा।

[बड़े संतोष से]

बस अब आज और कुछ नहीं है।

[नीलाम करने वाला और दलाल काम में लग जाते हैं और कमरा खाली होने लगता है]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

क्यों जैक यह स्माली ड्यूक का आदमी है ?

हिलक्रिस्ट—

[मानो उत्तेजना की मूर्च्छा से जाग कर]

क्या ? क्या ?

जिल—

दादा ! वाह आप भी कैसे अड़ गये !

हिलक्रिस्ट—

उफ़ ! कैसी झांय झांय थी। मैं तो बिलकुल अपनी हद के बाहर हो गया था। बड़ी ख़ैर हुई जो ड्यूक फिर आ कूदा।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[राल्फ़ और क्लिओ की ओर देखकर जो जाने के लिये खड़े थे]

सावधान ! वो तुम्हारी बातें सुन सकते हैं। जैक ज़रा डाकर को देख लो।

[नीचे नीलाम करने वाला और दलाल कागज़ पत्तर लेकर बाईं ओर जाते हैं ।]

हिलक्रिस्ट खड़ा हो कर ऐंड़ाता है मानो थकान दूर करता हो। पीछे का द्वार खुलता है और हार्नब्लोवर आता है ।]

हार्नब्लोवर—तुम ने बहुत दाम बढ़ा दिये। बड़े डट के बोली बोलते हो हिलक्रिस्ट ! लेकिन तब भी मुझ तक तो न पहुंच सके।

हिलक्रिस्ट—उँह ! नौ हज़ार मेरे थे, ड्यूक और बढ़ गया। ईश्वर को धन्यवाद है कि सेन्ट्री एक भलेमानस के पास तो गई।

हार्नब्लोवर—ड्यूक !

[हंसता है]

ना न सेन्ट्री भलेमानस के पास गई है और न बेवक़ूफ़ के पास। वह आई है मेरे पास।

हिलक्रिस्ट—क्या !

हार्नब्लोवर—तुम पर तो मुझे दया आती है। तुम इन बातों को नहीं सम्हाल सकते। ये बहुत ज़्यादा दाम है पर मुझे तुम्हारी हठ के मारे देना पड़ा। जब मैं इसे बनवाने लगूंगा तो इसे भूलूंगा थोड़े ही।

हिलक्रिस्ट—तो क्या वह तुम्हारी बोली थी?

हार्नब्लोवर—और क्या? मैं ने तो कह दिया था कि जो मेरे विरुद्ध खड़े होते हैं उनके लिये मैं बड़ाही बुरा आदमी हूं। अब कदाचित् तुम्हारा मेरे ऊपर विश्वास हो जायगा?

हिलक्रिस्ट—ये तो नीचता की चाल थी।

हार्नब्लोवर—

[कुढ़कर]

तुम ने उसे क्या कहा था? धोखा धड़ी?— अब याद रखना हिलक्रिस्ट कि हम लोगों को धोखाधड़ी ही करनी है।

हिलक्रिस्ट—

[मूठी बांध कर]

यदि हम लोग युवा होते—

हार्नब्लोवर—अह— घूंसे बाज़ी करना हम लोगों को शोभा न देगा। यह तो नवयुवकों के लिये ही छोड़ देना चाहिये।

[राल्फ़ और जिल की ओर देखता है और राल्फ़ की ओर एकाएक उंगली उठाकर]

इस युवती से अलग रहो। मैंने तुम्हें देख लिया है। और बाईजी तुम भी मेरे लड़के का पीछा छोड़दो।

जिल—

[क्रोध रोककर]

दादा! जी चाहता है इसकी आंख में थूक मारूँ।

हिलक्रिस्ट—बैठ जाओ।

[जिल बैठ जाती है और वह हार्नब्लोवर और उसके बीच खड़ा हो जाता है]

अब की तो तुम बेइमानी से जीत गये हो पर अब देखना है तुम उससे कहां तक लाभ उठाओगे। मैं समझता हूं क़ानून भी तुम्हें मेरी जायदाद नष्ट करने से रोक सकता है।

हार्नब्लोवर—दिमाग़ अपना सही करलो। ऐसा नहीं हो सकता। फांसी तो तुम्हारे गले में पड़ ही गई है बस अभी लटकवाये देता हूं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[अचानक]

जैसे तुम बेइमानी से लड़े वैसा ही हमे भी करना होगा।

हिलक्रिस्ट—आमी !

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[ध्यान न देकर]

तुम्हारे या तुम्हारे घरवालों के साथ यह

करना बेइमानी भी तो नहीं है। क्योंकि तुम लोग तो इस के बाहर हो।

हार्नब्लोवर—बहुत ठीक ! मैं बाहर तो हूं पर तुम्हारे चारों ओर हूं। बाई जी, अब तुम भी डीपवाटर में बहुत समय तक नहीं हो। अब अपने चलने का विचार करलो। मैं भविष्यवाणी करता हूं कि छः महीने में तुम यहां से बाहर हो जाओगे और पड़ोसवाले भी तुम से छुट्टी पा जायँगे।

[अब सब ठीक रास्ते पर आगये]

क्रिओ—

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट के समीप आकर]

यह आप का साल्ट है। धन्यवाद है। दादा क्या आप—

हार्नब्लोवर—

[आश्चर्य से]

क्या नहीं कर सकता ?

क्लिओ—आप कुछ प्रबन्ध नहीं कर सकते ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—हां यही तो। क्या आप समझौत ा कर ही नहीं सकते ?

हार्नब्लोवर—

[एक दूसरे की ओर देख कर]

मैं तो कह चुका कि मेरी बहू के प्रति—जिसे मैं तुम से कहीं अच्छी समझता हूँ—जो तुम्हारा व्यवहार था प्रायः उसी के कारण मुझे ये जायदाद लेनी पड़ी। तुम ने मेरा क्रोध बहुत भड़का दिया। अब बात चीत से क्या लाभ ? क्लिओ ! तुम्हारी यह सचमुच बड़ी क्षमाशीलता है। अच्छा आओ।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[गम्भीरता से]

मिस्टर हार्नब्लोवर ! अच्छा होगा यदि तुम कुछ समझौता करलो।

हार्नब्लोवर—मिसेज़ हिलक्रिस्ट ! स्त्रियों को अपने ही कार्य से वास्ता रखना चाहिये।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—बहुत अच्छा।

हिलक्रिस्ट—आमी ! यह हमी लोगों पर छोड़ दो। क्यों युवक !

[राल्फ़ से]

तुम्हारे पिता की आज की यह चाल तुम्हें पसन्द है ?

[जिल राल्फ़ की ओर देखती है। वह बोलना ही चाहता है कि हार्नब्लोवर कह उठता है]

हार्नब्लोवर—मेरी चाल ? और मेरे पुत्र को मेरे ही विरुद्ध उभाड़ने को तुम क्या कहते हो ?

जिल—

[राल्फ़ से]

क्यों ?

राल्फ़—मुझे तो नहीं पसन्द, पर—

हार्नब्लोवर—चाल ? अबे लौंडे ! चुप रह। मिस्टर हिलक्रिस्ट का आदमी बोली बोल रहा था और मेरा आदमी मेरे लिये बोल रहा था। केवल भेद इतना था कि उनका आदमी पहले बोलकर रहगया और मेरा पीछे बोला। इसमें चाल क्या है ?

[हँसता है]

हिलक्रिस्ट—व्यर्थ है। हम लोगों को दुनिया ही दूसरी है।

हार्नब्लोवर—मैं ईश्वर से यही चाहता था। आओ क्रिओ। तुमभी आओ राल्फ़ ! छः महीने में मेरी चिमनियां बन जाँयगी और तुम्हारे चारों ओर मेरी लारियां दौड़ने लगेंगी।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—अगर तुम बनवा लो हार्नब्लोवर ! तो—

हार्नब्लोवर—

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट की ओर देख कर]

मुझे तो हंसी आती है। तुम ने मुझसे नौ

हज़ार पांच सौ इस ज़रा सी ज़मीन के दिलवाये जो चार हज़ार की भी नहीं थी और तुम समझती हो कि तुम्हें छोड़ दूंगा। मुझे तो तुम्हारा इतना भी विचार नहीं जितना कि किसी को एक गुबरीले कीड़े का हुआ करता है। अच्छा नमस्ते।

राल्फ़—दादा !

जिल—दादा ! यह तो बड़ा नंगा है।

हिलक्रिस्ट—मिस्टर हार्नब्लोवर ! शाबाश !

[हार्नब्लोवर हिलक्रिस्ट की ओर घूर कर मुस्कराते हुये क्लिओ का हाथ पकड़कर बाँई ओर चलता है। पर द्वार पर ही डाकर और उसके साथ वह दूसरा मनुष्य खड़ा है। वे लोग क्लिओ की ओर देखते हुये मार्ग से हट जाते हैं और क्लिओ चक्कर खाकर गिरना चाहती है]

हार्नब्लोवर—क्लिओ ! क्यों ? क्या हुआ ?

क्लिओ—मालूम नहीं। आज जी अच्छा नहीं है।

[कठिनाई से अपने आप को संभालती है]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[डाकर और उस नये आदमी से संकेत कर लेती है]

कहे देती हूं मि० हार्नब्लोवर—कि अपनी हानि करके ही बनवाने पाओगे।

हार्नब्लोवर—

[कहने के लिये मुड़ता है]

तुम अपने को बड़ी शांत और बड़ी चतुर समझती हो पर शायद वास्तविक बातों के फेर में तुम अबकी हो पड़ी हो और यहां तो जीवन ही इसी में बीता है। हानि वानि के विषय में तो मुझ से कुछ कहो मत। मुझ पर कुछ भी प्रभाव नहीं पड़ता। तुम्हारे पति ने मुझे 'बेशर्म' कहा था मैं ग्रीक और लैटिन तो जानता नहीं पर मैं ने डिक्शनरी में देखा था तो उस में लिखा था मोटी 'खालवाला'। लेकिन जब तुम जैसों से पल्ला पड़ता है तब मैं उससे कम भी नहीं हूं। अच्छा नमस्ते।

[वह चिल्लो को आगे बढ़ाता है और राल्फ़ के आगे आगे शीघ्रता से जाता है।]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—धन्य है डाकर !

[डाकर और आगन्तुक के साथ वह बांई ओर घूमती है और बातें करती है ।]

जिल—दादा ! यह तो बड़ा बुरा हुआ ।

हिलक्रिस्ट—अब क्या हो सकता है ? सिवाय इसके कि हँसी ख़ुशी से भुगता जाय। ये अपना पुराना घर ! इस में अब उसके बर्तन धुलेंगे। सेन्ट्री पर अब वह पैर रक्खेगा। ईश्वर जानता है मेरा तो हृदय भरा आता है जिल !

जिल—

[दिखाकर]

देखो क्लिओ बैठ गई है । वह तो अभी मूर्च्छित हो गई थी । इस में डाकर और उस आदमी का कुछ मामला अवश्य है । अम्मा से पूछो ।

हिलक्रिस्ट—डाकर !

[डाकर मिसेज़ हिलक्रिस्ट के पीछे पीछे उसके पास आता है]

क्यों जी मिसेज़ हार्नब्लोवर का क्या गोलमाल है ?

डाकर—कुछ तो नहीं ।

हिलक्रिस्ट—आख़िर; ये है क्या ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—तुम न पूछो तो अच्छा है ।

हिलक्रिस्ट—मैं जानना चाहता हूं ।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—अच्छा जिल । बाहर जाओ और वहां हम लोगों के लिए रूको ।

जिल—उँह ! व्यर्थ की बातें !

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—ये लड़कियों के सुनने योग्य नहीं ।

जिल—व्यर्थ ! मैं अख़बार जो रोज़ पढ़ती हूँ ।

हिलक्रिस्ट—ख़ैर जो उनमें रहता है ये उससे बुरा नहीं है पर—

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—तुम क्या चाहते हो कि तुम्हारी कन्या—

जिल—ये तो ज़्यादा ! बिल्कुल हास्यास्पद है। इसी अवस्था में अब तक तो मैं कई बच्चों की माँ हो गई होती।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मेरी समझ में तो यह कोई शान की बात नहीं।

जिल—हां! पर आप जानती तो थीं ही ।

हिलक्रिस्ट—क्या हुआ—क्या हुआ ? डाकर! यहाँ आ जाओ।

[डाकर दाहिनी ओर से आकर उनके कान में धीरे से कहता है]

क्या।

[फिर धीरे से कहता है]

हे परमात्मा !

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—बिल्कुल ठीक है।

जिल—बेचारी—चाहे जो हो !

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—बड़ी बेचारी।

जिल—अम्मा ! क्या हुआ था पहले ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—पर उसके बाद जो कुछ हुआ वह और काम का है।

हिलक्रिस्ट—तुम्हें ये मालुम कैसे हुआ ?

डाकर—ये जो मेरे साथ हैं।

[आगन्तुक की ओर संकेत करके]

ये भी तो एजन्टों में से थे ।

हिलक्रिस्ट—बड़ा बुरा हुआ। मुझे तो सुनकर बड़ा दुख हुआ।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—पर मैंने तो मना किया था ।

हिलक्रिस्ट—ज़रा अपने मित्र को तो बुलाओ।

[डाकर बुलाता है और वह आ जाता है]

जो कुछ आप ने कहा है उसके विषय में आप बिल्कुल निश्चित हैं न ?

आगन्तुक—बिल्कुल ! मुझे तो उसकी अच्छी तरह याद है। पहले उसका नाम था—

हिलक्रिस्ट—.खैर रहने दीजिये मैं नहीं सुनना चाहता। मुझे सचमुच बड़ा दुख है। मैं तो अपने बड़े

से बड़े शत्रु की स्त्रियों के विषय में भी ऐसी बातें नहीं सुनना चाहता। देखो इसका चर्चा कदापि नहीं होना चाहिये।

[जिल अपने हाथ बाँध लेती है]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—हाँ, यदि हार्नब्लोवर बुद्धि से काम लेंगे तो नहीं होगा और नहीं तो होवे ही गा।

हिलक्रिस्ट—अभी देखो मैं कहता हूं कि "नहीं"! ऐसा नहीं होने दूँगा। ये कमीनापन है। जो ही कीच में हाथ डालेगा वही सन जायगा।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—और हमारे विरुद्ध वो कैसी चालें खेलता है? कोरे काल्पनिक न बनो। अरे बहुत से तो जानते ही हैं उनसे क्या कहें और जो नहीं जानते उन्हें जानना चाहिये। ख़ैर कुछ भी हो इसके जानने में ही हमारा कल्याण है और इससे लाभ उठाना ही चाहिये।

जिल—दादा! कीच है कीच!

डाकर—यहाँ से मेम्बरी के लिये खड़ा होना है उसे—
बस धमकी ही पर्याप्त हो जायगी ।

हिलक्रिस्ट—

[कुछ सन्देह से]

स्त्रियों की किसी बात को जानकर उससे लाभ उठाना बड़ी नीचता का काम है। मुझसे नहीं होगा ।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—यदि तुम्हारा लड़का होता और धोखे से उसकी किसी ऐसी से शादी हो जाती तो तुम भला उसके विषय में जानना चाहते कि नहीं ?

हिलक्रिस्ट—

[व्यथित होकर]

मैं नहीं जानता—मैं कुछ भी नहीं जानता ।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—पर यदि आवश्यकता हो तो तुम उसकी सहायता तो करना चाहोगे न ?

हिलक्रिस्ट—हां—ये—शायद ।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—तो ये तो मानते हो कि हार्नब्लोवर से कह दिया जाय। अब फिर वो क्या करेंगे ये वो जानें हम से क्या ?

हिलक्रिस्ट—

[आगन्तुक और डाकर की ओर देख कर]

ये भी जानते हो कि इन बातों में हतक इज़्ज़त का दावा चल सकता है ?

आगन्तुक—बिल्कुल। पर इस में किसी प्रकार का सन्देह तो है ही नहीं! अभी आप ने उसे देखा था ?

हिलक्रिस्ट—हां हां !

[फिर बदल कर]

पर नहीं, मैं नहीं चाहता।

[डाकर आगन्तुक को ज़रा अलग लेजाकर उससे बातें करता है]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[धीरे से]

घर का सत्यानाश करा दोगे? जैक! तुम अपने पुरखों के साथ दग़ा कर रहे हो।

हिलक्रिस्ट—मैं एक स्त्री को इस झगड़े में डालना नहीं गवारा कर सकता।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—हम भी तो नहीं चाहते। यदि कोई उसे इस झगड़े में डालता है तो हार्नब्लोवर स्वयं।

हिलक्रिस्ट—हम तो उसके रहस्य को शस्त्र बनाकर काम निकाल रहे हैं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मैं तो साफ़ कहे देती हूं कि मैं तो तभी चुप रहूंगी जो मुझे हार्नब्लोवर से कह लेने दोगे। ऐसी औरत को पड़ोस में रखना क्या कम बदनामी की बात है?

जिल—अम्माँ यही तो करेंगी।

हिलक्रिस्ट—जिल! बस चुप रहो। बड़ी नाज़ुक दशा है कह नहीं सकता क्या किया जाय।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—इसे तो काम में लाना ही होगा—
जब सोचोगे तो स्वयं मान जाओगे।

जिल—दादा! कीच है कीच।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[क्रोध से]

चुप रहो जिल।

हिलक्रिस्ट—मैं किसी औरत को दुखी करने के लिये पैदा ही नहीं हुआ हूं। ना आमी! मुझ से यह नहीं हो सकता। नहीं तो फिर भले मानसों में मेरा सर उठही नहीं सकेगा।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[विरसता से]

अच्छा! बहुत अच्छा।

हिलक्रिस्ट—इससे तुम्हारा क्या तात्पर्य है?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मैं देखो इसे अपने ही ढंग से काम में लाऊंगी।

हिलक्रिस्ट—

[उसकी ओर घूरकर]

ये तुम मेरी इच्छा के विरुद्ध करोगी ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मैं तो इसे अपना धर्म समझती हूं !

हिलक्रिस्ट—यदि मैं हार्नब्लोवर से कहलेने दुं ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—बस यही तो मैं चाहती हूं !

हिलक्रिस्ट—मैं बस अधिक से अधिक इसी पर तैय्यार हो सकता हूं। इस पट्टी पे न चढ़ो कि यह करना आवश्यक ही है। ये तो हम लोग अपनी जान बचाने के लिये कर रहे हैं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मैं नहीं समझती कि 'पट्टी' से तुम्हारा क्या मतलब है ?

जिल—अम्मा ! ये 'पट्टी' कहते हैं 'पट्टी'।

हिलक्रिस्ट—मैं चाहता हूं कि यह बस बूढ़े हार्नब्लोवर तक ही रहे। समझीं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—बिल्कुल।

जिल—वही तक रहेगा न ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—तुम अपनी बदतमीज़ी छोड़ोगी नहीं?

हिलक्रिस्ट—जिल। मेरे साथ आओ।

[वह पीछे की ओर द्वार पर जाता है]

जिल—मुझे खेद है मां! ये भी तो धोखा धड़ी ही है। क्यों न ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—तुम्हें साफ बातें करने का घमंड है जिल! और मुझे साफ साफ बातें सोच लेने का। अभी क्या! आगे चलकर जब सोचोगी सब बात मैं कैसे ताड़ लेती हूं तब मेरा गुन मानोगी। मुझे तो मालूम है कि हम लोग हार्नब्लोवर से अच्छे हैं! देखना वह थोड़े ही रहेगा, रहेंगे तो हमीं।

जिल—

[उसकी ओर देख कर तथा अनिश्चित भाव से प्रशंसा करके]

मां तुम भी बस, एक ही हो।

हिलक्रिस्ट—जिल !

जिल—आती हूं दादा !

[घूम कर द्वार की ओर भागती है। दोनों बाहर जाते हैं मिसेज़ हिलक्रिस्ट गर्व से लम्बी सांस खींचकर खड़ी होती हैं]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—डाकर !

[वह समीप आता है]

आज मैं उसके पास लिख भेजूंगी और ऐसा लिखूंगी कि कल सबेरे उसे हम लोगों से मिलना ही पड़े ! क्या तुम ग्यारा बजे के पहले इनके साथ स्टडी में आजाओगे ?

डाकर—

[सर हिलाकर]

मैं अभी इनके साथी को तार करने जा रहा हूं उनको भी साथ लेता आऊंगा। पर बिल्कुल निश्चित नहीं है।

[वह सीढ़ियों पर चढ़कर बाहर चली जाती है]

डाकर—

[आगन्तुक से आंख दबा कर]

ये रईस तो बड़ा ही नेक और सीधा आदमी है। पर उसे पूछता कौन है? बस ये बुढ़िया ही सब कुछ है। हेनरी को तार दे दो और मैं ज़रा दलाल के पास हो आऊं उसे बूढ़े गैंडे से सेंट्री हम लोग अच्छे ही दामों में ले लेंगे। ये हार्नब्लोवरर्स—

[नाक पर उंगली रखकर]

अब कहां जा सकते हैं?

[यवनिका पतन।]

दृश्य दूसरा।

[क्लिओ का कमरा उसी सन्धया को लगभग साढ़े सात बजे सजा हुआ सुन्दर कमरा। दीवारों पर तस्वीरें नहीं हैं पर दो शीशे लटक रहे हैं। पर्दा पड़ा हुआ है और अंगीठी के पास एक बढ़िया कोच बिछा है। पीछे दाहिनी ओर भीतर खुलनेवाला द्वार है और सामने दाहिनी ओर एक फ्रेंच विन्डो है। पीछे दाहिनी ओर एक मेज़ है बिजली जल रही है]

[क्लिओ टी गाउन पहने हुये सोफ़ा के अगले किनारे घबड़ाई हुई सी चुपचाप खड़ी है। ओठ खुले हुये हैं और आंखें फाड़े हुये मानो भूत देख रही हो। द्वार चुपचाप खुलता है और एक स्त्री का चेहरा देख पड़ता है। वह क्लिओ को झांक कर देख लेती है और लुप्त हो जाता है द्वार भी बन्द हो जाता है। क्लिओ हाथ ऊपर उठाकर आंखे बन्दकर लेती है और जल्दी से हाथ छोड़कर चारों ओर देखने लगती है। द्वार पर जल्दी से धक्का लगता है वह सोफ़ा पर खिसककर बैठ जाती है और आँखें बन्द कर के लेट रहती है]

क्लिओ—

[धीरे से]

भीतर जाओ।

[उसकी दासी आती है। वह साफ सुथरी है काठी भी अच्छी है। अवस्था का पता नहीं चलता काले वस्त्र पहने हुये।

हां, आना।

आना—मालकिन आप भोजन करने नहीं जांयगी ?

क्लिओ—

[आंखें बन्द किये हुये]

ना।

आना—यहां कुछ खाइयेगा ?

क्लिओ—एक ग्लास शेम्पैन और एक आध बिस्कुट चाहे ले आना।

[वह दासी सोफ़ा और द्वार के बीच खड़े २ मुस्करा रही थी। क्लिओ उसका मुस्कराना देख लेती है]

मुस्कराती क्यों हो ?

आना—मैं मुस्करा रही थी।

क्लिओ—हां और क्या।

[क्रोध से]

तुम्हें मेरे ऊपर मुस्कराने का वेतन मिलता है ? क्यों ?

आना—

[अविचलित भाव से]

नहीं मल्किन ! मत्थे में 'यूडी कलोन' मल दूं ?

क्लिओ—अच्छा—नहीं—क्या लाभ ?

[मत्था पकड़कर]

ये सर की पीड़ा जायगी थोड़े ही ?

आना—चुप चाप लेटा रहना इसमें सब से अच्छा होता है।

क्लिओ—घंटों से पड़ी ही तो हूँ।

आना—

[मुस्करा कर]

हां बहूजी !

क्लिओ—

[सोफ़ा पर उठ के बैठ जाती है]

आना ! ये कर क्यों रही हो ?

आना—क्या ? बहूजी।

क्लिओ—मेरे ऊपर मे ताक झांक।

आना—मैं—कभी नहीं—मैं—।

क्लिओ—ताकना झांकना! तुम भी बिल्कुल गधी हो। इसमें झांकना ही क्या है?

आना—कुछ भी नहीं बहूजी! पर हां यदि आप सन्तुष्ट नहीं हैं तो मेरा जवाब है! यदि मैं ऐसा करती होती तो आप भी मुझे जवाब दे सकती हैं। मैं तो ऐसियों के साथ रह चुकी हूं जो एक क्षण के लिये भी ऐसी बातें गवारा नहीं कर सकतीं।

क्लिओ—

[सोचकर]

अच्छा कल तुम एक महीने का वेतन लेकर बस चली जाओ। बस हो चुका।

[आना सर झुका लेती है बाहर चली जाती है]

[क्लिओ कुछ भुनभुनाती हुई करवट बदलती हैं और तकिया में मुँह छिपा लेती है]

क्लिओ—

[उठ बैठती है]

यदि ज़रा मैं उस मनुष्य से मिल लेती—यदि केवल—या डाकर—

[कूद कर द्वार के पास जाती है पर झिझकती है और सोफ़ा के पास फिर लौट आती है राल्फ भीतर आजाता है इसी समय द्वार फिर पूर्ववत् धीरे से इंच आधी इंच खुलता है]

राल्फ़—अब सर कैसा है ?

क्लिओ—बहुत अधिक धन्यवाद ! मैं भोजन नहीं करूंगी।

राल्फ़—जो बताओ सो करूं।

क्लिओ —नहीं मेरे प्यारे !

[अचानक उसकी ओर देखकर]

राल्फ़ तुम तो चाहते नहीं कि ये हिलक्रिस्ट से झगड़ा चलता रहे।

राल्फ़—न। मैं तो उससे घृणा करता हूं।

क्लिओ—मैं समझती हूं कि शायद बन्द कर सकूं। तुम चुपके से डाकर के पास चले जाओ—पांच मिनट तो लगें ही गे और उससे कहदो कि ज़रा मुझ से मिल जाय।

राल्फ़—दादा और चार्ली इसे नहीं———

क्लिओ—ये मैं जानती हूं। लेकिन जब तुम लोग भोजन करने जाओगे उस समय यदि वह खिड़की के पास आजाय तो मैं उसे चुप चाप अन्दर बुला लूंगी और निकाल भी दूंगी कोई जानेगा भी नहीं।

राल्फ़—

[आश्चर्य से]

हां। लेकिन क्या? यानी कैसे?

क्लिओ—ये न पूछो। पर उद्योग करने लायक है बस।

[हाथ पर बंधी घड़ी की ओर देखकर]

बस इसी खिड़की पर ठीक आठ बजे उस से

कह देना की छज्जे पर की पहली लम्बी खिड़की पर

राल्फ़—चार्लो को कोई और विचार तो न होगा ?

क्लिओ—न। मैं केवल उनसे कह नहीं सकती क्योंकि वह और दादा तो इस मामले में कुछ ऐसे पागल हो रहे हैं।

राल्फ़—यदि सच मुच कुछ हो सके——

क्लिओ—

[खिड़की के पास जाकर और उसे खोलकर]

इधर ही से राल्फ़। यदि तुम न लौटोगे तो मैं समझ जाऊंगी कि वह आ रहा है। अपनी घड़ी मेरी से मिला लो

[उसकी घड़ी की ओर देखकर]

देखो एक मिनट आगे है।

राल्फ़—देखो क्लिओ !

[वह उसे क़रीब बाहर निकाल देती है और खिड़की बन्द करके पर्दे ज्यों के त्यों खींच देती है। विचार करती हुई एक

मिनट खड़ी रहती है। घंटी के पास जाकर उसे बजाती है तब दाहिनी ओर पीछे मेज़ पर जाकर एक नुस्ख़ा निकालती है]

[आना भीतर आती है]

विलओ—अब वह शैम्पेन नहीं चाहिये। देखो इसे दवाखाने में लेजाकर कुछ ख़ुराकें बनवाकर तुम स्वयं ले आओ।

आना—अच्छा बहूजी। पर आप के पास कुछ हैं तो।

विलओ—वह बहुत पुरानी हो गई हैं। मैं दो खा चुकीं हूं पर उनमें असर ही नहीं है। ज़रा जल्दी जाना। मुझ से यह पीड़ा अब नहीं सही जाती।

आना—

[नुस्ख़ा लेकर मुस्कराती है]

अच्छा बहूजी। पर कुछ देर तो लगे ही गी इस बीच आप को मेरी आवश्यकता तो नहीं ?

विलओ—न। मुझे तो दवा चाहिये।

[आना बाहर जाती है]

क्लिओ—

[घड़ी की ओर देखती है। मेज़ के पास जाती है वह पुराने ढंग की है उसमें चोरखाना भी बना है। चारों तरफ देखकर चोरखाना खींचती है और उसमें से एक नोटों की गड्डी और एक कागज़ का पुलिंदा निकालती है। नोटों को गिनती है "तीन सौ" उनको ऊपर की जेब में घुसेड़ कर पार्सल खोलती है। उसमें कुछ मोती हैं। उनको भी कपड़ों मे रख लेती है। डरी हुई सी चारों ओर देखती हैं और उस खाने को चुप चाप रख देती है। अपने को संभाल कर सोफ़ा पर लेट जाती है और द्वार खुलता है और हार्नब्लोवर भीतर आता है। वह आंखें नहीं खोलती बोलने से पहले वह खड़ा खड़ा उसकी ओर देखता रहता है]

हार्नब्लोवर—

[धीरे से]

क्लिओ। कैसा जी है?

क्लिओ—सर बहुत दुखता है।

हार्नब्लोवर—ज़रा सुनोगी ? उस औरत की एक चिट्ठी आई थी।

[क्लिओ उठ बैठती है]

हार्नब्लोवर—

[पढ़ता है]

"तुम्हारी बहू के विषय में मुझे तुमसे कुछ बहुत ही आवश्यक बातें कहना है। कल सबेरे ग्यारा बजे मैं तुम्हारी बाट जोहूंगी। तुम्हारे तथा तुम्हारे कुटुम्ब के सुख के लिये यह बात इतनी आवश्यक है कि मुझे विश्वास है कि तुम अवश्य आओगे।" इसका क्या मतलब है ? ये सरासर बेहूदगी है या पागलपन है या क्या है ?

क्लिओ—मैं तो नहीं जानती।

हार्नब्लोवर—

[कठोरता से नहीं]

देखो क्लिओ ! यदि कोई ऐसी बात हो तो

बता देना पहले से जानकर आदमी तैय्यार हो जाता है।

क्लिओ—कुछ भी नहीं है; सिवाय इसके—

[शीघ्रता से उसकी ओर देखकर]

सिवाय इसके कि मेरा बाप दिवालिया था।

हार्नब्लोवर—अंह ! बहुत से ऐसे हुआ करते हैं। और अपने घर द्वार के विषय में तुमने कभी हम से बताया भी तो नहीं।

क्लिओ—उनपे मुझे कभी गर्व तो था नहीं।

हार्नब्लोवर—तुम्हारे पिता का उत्तरदायित्व तुम पर नहीं है। यदि केवल इतनी ही सी बात थी तो चलो छुट्टी मिली। ये कमीने कहीं के ! अभी तो इन से बहुत कुछ लेना देना है याद रखूंगा।

क्लिओ—देखो दादा चार्ली से कुछ न कहना नहीं तो व्यर्थ में ही दुखी होगा।

हार्नब्लोवर—नहीं नहीं मैं नहीं कहूंगा। कल को मैं

दिवाला निकाल दूं तो चार्ल्स तंग हो ही जायगा इसमें मुझे सन्देह ही नहीं।

[उसकी ओर देखकर हंसता है]

तो और तो कुछ नहीं है; उसे उत्तर लिख दूं।

[क्लिओ सर हिलाती है]

तुम्हें निश्चय है न ?

क्लिओ—

[प्रयास के साथ]

अब बातें भले बना लें।

हार्नब्लोवर—

[लड़ाई के भावों में मस्त होकर]

हां पर हतक इज़्ज़त का क़ानून भी तो है। यदि उन्होंने चालबाज़ी की तो फिर गढ़ूंगा भी तो।

क्लिओ—

[भयभीत होकर]

दादा ! क्या ये लड़ाई आप रोक नहीं सकते ? आप कहते थे कि ये मेरे ही कारण है। पर

मेरी तो उनसे मिलने को इच्छा ही नहीं है। और उन्हें अपने पुराने घर का मोह है ही। मुझे वह लड़की अच्छी लगती है। और वहीं बनवाने की आप को सचमुच कोई आवश्यकता भी तो नहीं है क्यों न ? क्या आप रोक नहीं सकते ? रोक भी दीजिये।

हार्नब्लोवर—रोक दूं ? अबतो ले चुका हूं ? ना ना। इन कमीनों ने तेहा दिखाया था अब मैं बताऊंगा। मैं तो इन सभी से घृणा करता हूं और सब से अधिक उस डाकर से।

क्लिओ—वह तो केवल उनका दास है।

हार्नब्लोवर—वह भी तो उन्हीं ढेर पर के कुत्तों में का है जो मेरे मार्ग में बाधा डालते हैं। तुम स्त्रियां इन बातों को क्या समझो ? इस द्रव्य के कमाने और इस प्रतिष्ठा के बनाने में मैंने जो जो कष्ट उठाये हैं उसका तो तुम्हें विश्वास भी न होगा। ये गांव के लोग मीठी बातें बनाना

खूब जानते हैं पर इन से किसी बात की आशा करना मानो कुत्ते के मुंह से घी निकालना है। यदि ये लोग मुझे यहां से किसी प्रकार भी भगा सकते क्या चूक जाते? ये तो कभी न चूकते। देखो न इन्हीं ने कितना अधिक मुझ से दिलवा दिया और इस पत्र को देखो ज़रा बड़े स्वार्थी, कमीने और बने हुये लोग हैं।

क्लिओ—पर उन्हों ने तो झगड़ा प्रारम्भ नहीं किया।

हार्नब्लोवर—खुल्लम खुल्ला नहीं पर छिपे छिपे करते रहे यही तो इन लोगों का ढंग है। इन लोगों ने यहां वहां और सभी जगह मेरी बुराई करना प्रारम्भ कर दिया केवल इसी लिये कि मैं यहां इनसे ज़रा बाद में आया। मैंने उन्हें एक अवसर भी दिया पर वो कब मानने लगे। अबकी उन्हें बता दूंगा कि मेरा जैसा आदमी जब एक बार सो घोर लेता है तो क्या कर सकता है। उनकी चमड़ी भी नहीं रहने दूंगा।

[अपनी भावना के प्रवाह में वह उसके चेहरे की ओर देखना भूल गया क्योंकि उसके चेहरे पर एक प्रकार की पीड़ा सी लिखी थी और उसे संशय था कि उस से बहस करे अथवा नहीं तब अचानक घड़ी पर दृष्टि पड़ते ही वह सोफ़ा पर लेट जाती है और आंखें बन्द कर लेती है]

उनकी खिड़कियों के सामने अपनी चिमनियों को उठते देखकर मुझे तो बड़ा आनन्द होगा। मेरी वह अन्तिम बोली बड़ी मज़ेदार थी। वह तो उस समय उत्तेजित हो उठा था और शायद ही रुकता।

[उसकी ओर देखकर]

अरे मैं तुम्हारी पीड़ा तो भूल ही गया। चुपचाप पड़ा रहना बड़ा अच्छा रहता है।

[घंटी बजती है]

थोड़ा सा खाना भेज दें ?

विलओ—न। मैं ज़रा सोने का प्रयत्न करुंगी कृपया कह दीजियेगा कि मुझे—कोई जगाये नहीं।

हार्नब्लोवर—बहुत अच्छा। मैं अभी इस चिट्ठी का उत्तर लिखता हूं।

[वह उसकी मेज़ पर बैठ जाता है। अपनी घड़ी की ओर देखकर क्लिओ अचानक उठ बैठती है कभी खिड़की की ओर और कभी घड़ी की ओर देखती है फिर धीरे से खिड़की के पास जाकर उसे खोल देती है]

हार्नब्लोवर—

[समाप्त करके]

सुनो ?

[सोफ़ा की ओर झुकता है]

अरे! तुम कहां गईं ?

क्लिओ—

[खिड़की पर से]

बड़ी गर्मी है।

हार्नब्लोवर—मैं ने ये लिखा है।

श्री मतो—तुम मेरी बहू के विषय में मुझे कोई बात भी ऐसी नहीं बता सकतो जिससे मेरे कुटुम्ब के सुख में बाधा पड़ सके। मैं तुम्हारी चिट्ठी को अशिष्टता का नमूना समझता हूं

और कल प्रातः ग्यारा बजे मैं तुम्हारे यहां न आऊंगा।

भवदीय

विलओ—

[पीड़ा से सर हिलाते हुये]

ऊंह। अच्छा !

[दुबारा फिर घंटी बजती है]

हार्नब्लोवर—

[द्वार के पास जाकर]

तुम लेट जाओ और सो रहो। मैं सब से कह दूंगा कि तुम्हें कोई जगावे नहीं। और मुझे विश्वास है कि कल तुम चंगी हो जाओगी। अच्छा। गुडनाइट।

विलओ—गुड नाइट।

[बाहर जाता है]

[एक दो बेचैनी की करवटों के पश्चात् विलओ उठकर खुली हुई खिड़की के पास आकर खड़ी हो जाती है। पर्दे हसे

आधा ढक लेते हैं। द्वार ज़रा ज़रासा खुलता है और 'आना' का सर देख पड़ता है। क्लिओ कहां है यह देख कर वह सरक जाती है और पर्दे की आड़ में हो जाती है]

[मंच की बांई ओर]

[अचानक क्लिओ खिड़की के पीछे हट जाती है]

क्लिओ—

[धीरे से]

भीतर आओ।

[वह उछलकर द्वार बन्द कर लेती है]

[डाकर खिड़की सेभीतर आजाता है और मुस्कराता हुआ उसकी ओर देखने लगता है]

डाकर—कहो बाईजी ! मुझसे क्या काम है ?

[अपनी ही तरह के इस मनुष्य के सामने क्लिओ के स्वर में तथा उसके व्यवहार में एक प्रत्यक्ष भेद देख पड़ता है एक प्रकार से मूफट पन की झलक देख पड़ती है पर उसका स्वर धीमा रहता है]

क्लिओ—देखो तुम भूल कर रहे हो।

डाकर—

[खींसे काढ़ता हुआ]

न ! मुझे चेहरा याद रह जाता है।

क्लिओ—मैं कहती हूं कि तुम भूल कर रहे हो।

डाकर—

[जाना चाहता है]

यदि इतनी ही सी बात थी तो तुम ने व्यर्थ में मुझे यहां बुलाया।

क्लिओ—अच्छा जाओ मत !

[कुछ मुस्कराकर]

तुम मेरे साथ चाल चल रहे हो तुम्हे लज्जा नहीं आती ? भला मैंने तुम्हारी क्या हानि की है ? ये भी कोई खेल है ?

डाकर—

ना बाई जी ! ये तो धंधा है।

क्लिओ—

[दुख से]

इस लड़ाई झगड़े से भला मुझ से क्या मतलब ? मैं इसे रोक ही नहीं सकी।

डाकर—यह तुम्हारा दुर्भाग्य है।

क्लिओ—

[अपने हाथ बांध कर]

जिस स्त्री ने कभी तुम्हें रत्ती भर भी हानि नहीं पहुँचाई है उसके जीवन को यदि तुम नष्ट कर सकते हो तो सचमुच तुम बड़े ही निर्दयी हो।

डाकर—तो इन लोगों को तुम्हारा हाल मालूम नहीं है। यह अच्छा है ! भाई मैं तो अपने स्वामी की नौकरी बजाता हूं पर मैं भी तो हाड़ मांस का पुतला हूं मेरे साथ जो जैसा करता है मैं भी उसके साथ वैसा ही करता हूं। मुझे तो तुम्हारे कुटुम्ब से घृणा है। गए महीने में ऐसी कोई गाली नहीं जो इन लोगों ने मुझे न दी हो और ऐसी ख़राब दृष्टि से मेरी ओर देखते थे।

मैं तो साफ़ कहता हूं कि मैं इन लोगों से घृणा करता हूं।

क्लिओ—उन लोगों में भी भलाई वैसी ही है जैसी तुम में।

डाकर—

[खींसे काढ़कर]

हार्नब्लोवर अच्छे तो क्या पर मरे हुये अवश्य हैं।

क्लिओ—पर मैं तो उनमें नहीं हूं।

डाकर—पर तुम कोई न कोई पैदा तो करोगी ही इस में तो कोई सन्देह नहीं है।

क्लिओ—

[करुणा से हाथ फैलाकर]

देखो मुझे छोड़ दो मैं यहां बड़ी सुखी हूं। दया करो।

डाकर—

[कुछ विचलित होकर]

इस से मुझ पर प्रभाव नहीं डाल सकती व्यर्थ ही चेष्टा करती हो।

क्लिओ—उन दिनों मेरे बड़े दुर्दिन थे।

[डाकर सर हिलाता है अब उसकी मुस्कराहट तो जाती रही और मुंह काठ का सा हो गया]

क्लिओ—

[हांफती हुई]

देखो छोड़ दो ! तुम छोड़ सकते हो ! तुम भी कभी किसी स्त्री को चाहते रहे होओगे। ज़रा उसका ध्यान कर लो।

डाकर—

[निश्चय के साथ]

ये नहीं हो सकता ! मिसेज़ क्लिओ। इस खेल का दांव तुम्हीं तो हो और मैं तुम्हारा ही उपयोग करूंगा।

क्लिओ—

[निराशा से]

इससे तुम्हें कुछ मिल जायगा ?

[अचानक बाघिन की तरह तड़प कर]

देखो मुझसे शत्रुता न करो। मैं इस पलीत में वैसे ही नहीं लोटी हूं। मुझ सी औरतें काटना भी जानती हैं यह कहे देती हूं।

डाकर—ये ठीक है। औरतों के रोने की अपेक्षा उनकी धमकी मुझे अच्छी लगती है। हां ख़ूब धमका लो। हां ये भी तो उन से बताओगी कि एक रात में हम लोग मार्ग में मिल गये थे। ये तो हां बता ही दोगी क्यों न ? या कि—

क्लिओ —चुप रहो भाई चुप रहो।

[नोट और मोती निकाल कर]

ये देखो मेरी सारी जमा जथा है जो कुछ मेरे पास था बस यही है ! इन मोतियों के भी तुम्हें लगभग एक हज़ार और मिल जायंगे।

[उसको देती है]

इन्हें लेलो और मुझे छोड़ दो। क्यों छोड़ दोगे न?

डाकर—

[ओठों को चाटकर कठोरता से मुस्कराता है]

तुम बाई! आदमी पहचानने में भूलती हो। तुम चाहे मुझे तुच्छ कुत्ता ही समझो पर मैं स्वामीभक्त हूं और दृढ़ हूं मुझ से ये चाल न चलो।

क्लिओ—

[आपे से बाहर होकर]

तुम जानवर हो—जानवर! निर्दयी डरपोक जानवर हो! मुझ पे ताक झांक रखने को तुम ने उस औरत को क्यों घूस दी है। तुम तो जानते हो जो जो तुमने किया है। चाहे मैं पागल ही हो जाऊं तुम्हें क्या पर्वाह। जानवर कहीं के!

डाकर—अच्छा अब बहुत मत बढ़ो। इससे तुम्हें कुछ लाभ न होगा।

क्लिओ—जिसे क्या कहते हैं—कि मर्दों से झगड़ा हो और औरत के इस तरह से पीछे पड़े।

डाकर—झगड़ा किसने किया? मैं ने तो नहीं न बाई! और ये तो जानती ही हो कि झगड़े में—खैर मैं निरपराध तो नहीं कहूंगा—पर हाँ कमज़ोर की ही गर्दन हमेशा फंसती है। इसका तो कोई उपाय नहीं।

क्लिओ—

[उसकी ओर ध्यान से देखकर]

जब से तुम मेरे पीछे पड़े हो तब से मुझे जो भुगतना पड़ रहा है ईश्वर करे यही तुम्हारी मां बहनों को भी यदि तुम्हारे कोई हो भुगतना पड़े। वो जानेंगी कि डर किसे कहते हैं, वो भी किसी से प्रेम करें तो पता चलेगा कि कैसे कच्चे धागे में टंगना होता है—और—और आह डरपोक कहीं का! अपने को मर्द कहता है।

डाकर—

[खीसें काढ़कर]

ऐसे तो तुम बड़ी अच्छी लगती हो। ईश्वर की कसम क्रोध में तो तुम बड़ी सुन्दरी देख पड़ने लगती हो।

[क्लिओ का गुस्सा जैसे ही उठा था वैसे ही शान्त हो गया। वह सोफे में बैठ जाती है कांपने लगती है इधर उधर देखती है और फिर उसकी ओर देखने लगती है]

क्लिओ—तुम कुछ भी लेकर मेरा पीछा छोड़ सकते हो ?

[छाती पर हाथ बांधकर तथा सांस लेकर]

हां मुझे ?

डाकर—

[भौंहे पोंछकर]

ईश्वर की कसम यह तो बड़ा भारी उपहार है।

[खिड़की की ओर मुड़ता है]

यही तो मुझे लग गई। मुझे तो तुम्हारा दांव खेलना है और खेलूंगा।

पर जितनी सख्ती छूट सकोगी छोड़ दूंगा। तुम्हारे पास ऐसी कोई वस्तु नहीं जो तुम मुझे दे सको, बस वही है—

[फिर भौंहें पोंछता है]

जो मुझे पसन्द भी है पर मैं नहीं लूंगा।

[क्लिओ हाथ से मुंह छिपा लेती है]

देखो हिम्मत बांधो, रोओ मत। अच्छा गुड नाइट।

[खिड़की से जाता है]

क्लिओ—

[उछल कर]

उफ़! पिंजरे में चूहा! चूहा!

[खड़ी खड़ी सुनती है दौड़कर द्वार खोल देती है और आकर सोफ़ा पर आँखें बन्द कर के लेट जाता है। चार्ल्स चुपचाप भीतर आकर पास खड़ा हो जाता है। देखना चाहता है कि सोती है कि जागती है। वह आँखें खोल देती है।]

चार्ल्स—कहो क्लिओ ! नींद पड़ी थी ?

क्लिओ—अ-हां ।

चार्ल्स —

[सोफ़ा के हत्थे पर टिक कर तथा उस पर लेट कर]

कुछ अच्छा मालूम होता है प्यारी ?

क्लिओ—हां कुछ ऐसा ही ।

चार्ल्स—लोच अच्छा है । थोड़ा सा शोरबा पिओगी ?

क्लिओ—

[कांप कर]

न ।

चार्ल्स—ये बात क्या है जो तुम्हारा सर दुखा करता है । गये महीने भर तुम बहुत तंग रहीं ।

क्लिओ—मुझे तो पता नहीं । सिवाय इसके—सिवाय इसके कि गर्म है ।

चार्ल्स—आख़िर ! अरे गज़ब ! सचमुच ?

क्लिओ—

[सर हिलाकर]

तुम्हें प्रसन्नता है ?

चार्ल्स—क्यों—मैं तो समझता हूं कि है। खैर बूढ़े को तो बहुत ही अधिक होगी।

क्लिओ—उन से अभी मत कहना।

चार्ल्स—अच्छा।

[झुके हुये तथा उसे अपनी ओर खींचकर]

प्रिये ! तुम अच्छी नहीं रहती हो मुझे बड़ा दुख है। अच्छा एक चूमी तो दो !

[क्लिओ मुंह उठाकर बड़े ज़ोर से चूमी लेती है]

तुम तो जैसे जल रही हो। तुम्हें ज्वर तो है नहीं ?

क्लिओ—

[हस कर]

यदि न हो तो आश्चर्य है। चार्लो ! भला तुम मेरे साथ सुखी हो ?

चार्ल्स—तुम क्या समझती हो ?

क्लिओ—

[उसकी ओर झुककर]

मेरे विरुद्ध यदि कहा जाय तो उनपे विश्वास तो नहीं करलोगे कि करलोगे ?

चार्ल्स—क्या ? तुम उन हिलक्रिस्ट के बारे में सोच रही हो ? तुम्हारी ओर ऐसा व्यवहार रख के वह औरत सोचती क्या है ? जब आज मैंने उसे वहां देखा तो मैंने अपना वहां का काम ही छोड़ दिया कि मैं उसका ध्यान भी न कर सकूं।

क्लिओ—

[चुपके से उसकी ओर देखकर]

अब मेरी ऐसी दशा में यह ठीक नहीं। मैं तो घबड़ा जाती हूं। चार्ली !

चार्ल्स—हां और हम भूलेंगे थोड़े ही ! इस का फल उन्हें भुगतना पड़ेगा।

क्लिओ—ऐसी छोटी सी जगह में यह बड़ा बुरा है। क्या तुम को उनका घर बरबाद ही कर देना चाहिये।

चार्ल्स—वह जो तुमपे बोलियां बोलती है और तुम्हारा निरादर करती है मेरे लिये तो यही बहुत है।

क्लिओ—

[डर कर]

करने दो। मैं नहीं पर्वाह करती। मुझे तो अपने चारों ओर शत्रुता करना अच्छा नहीं लगता। चार्ली मैं तो घबड़ा जाती हूं। मैं—

चार्ल्स—ये क्या है ?

[उसकी ओर ध्यान से देखता है]

क्लिओ—मैं समझती हूं कि ये ऐसा—

[अचानक]

पर चार्ली मेरी ख़ातिर इसे रोक लो। देखो रोक लो।

चार्ल्स—

[उसके हाथ सोहरा कर]

अच्छा—अच्छा—क्लिओ। तुम तो तिल का ताड़ बनाती हो। बातों को ज़रा समझा करो। देखो दादा ने साढ़े नौ हज़ार इसी लिये तो दिये कि ये लोग जिससे दबे रहें और तुम चाहती हो कि ये ऐसे ही छोड़ दिया जाय और उस औरत के लिये जो तुम्हारा निरादर करती रहती है। ये बुद्धिमानी की बात नहीं है और न धन्धे की। कुछ तो आत्मसम्मान का विचार रक्खो।

क्लिओ—

[थक कर]

मुझ में आत्मगौरव बिल्कुल नहीं है चार्ली। मैं तो शान्त रहना चाहती हूं बस।

चार्ल्स—यदि तुम इस झगड़े से तंग आगई हो तो आओ तुम्हें समुद्र के किनारे ले चलूं। पर ऐसे लोगों के झगड़े में तो तुम्हें मज़ा आना चाहिये।

क्लिओ—

[खिन्न हो कर]

जो मैं चाहती हूं वह कुछ भी नहीं होता।

चार्ल्स—अरे अरे तुम तो गिरना ही चाहती हो।

क्लिओ—यदि मुझे अच्छी तरह रखना चाहो तो दादा से इसे बन्द करादो।

चार्ल्स—

[खड़ा होकर]

अच्छा क्लिओ। इसके पीछे क्या बात छिपी है ?

क्लिओ—

[मूर्च्छित सी]

इसके पीछे ?

चार्ल्स—तुम तो ऐसा कर रही हो जैसे बिल्कुल डर गई हो ओ। इन लोगों को तो अब हमने फांस लिया है। डीपवाटर से तो इन्हें छः महीने में

निकाल देंगे। उनका ये पुराना घोंसला तो अब बिल्कुल सत्यानाश हुआ। हमारी चिमनियां बिल्कुल किनारे ही तो बनेगी उनके घर से ३०० गज़ भी तो नहीं और उनका धुंआ हर समय उनकी खोपड़ी पर मड़राया करेगा। ये बेसहूर सी घमंड़ी औरत अब बहुत दिन थोड़े यहां रह सकती है। तब फिर हम लोग सच मुच आगे बढ़कर अपना स्थान प्राप्त कर सकेंगे। और जब तक ये यहां है तब तक ये नहीं हो सकता। जितनी जल्दी हो सके इनको यहां से निकालना चाहिये।

क्लिओ—

[संकेत कर के]

अच्छा।

चार्ल्स—

[फिर उसकी ओर देखकर]

देखो ऐसा करोगी तो मैं समझूंगा कि कुछ है जो तुम—

किलओ—

[धीरे से]

चार्लो !

[वह उसके समीप सिमट आता है]

देखो मुझ से प्रेम करना !

चार्ल्स—

[आलिंगन करके]

यही तो। मैं तो जानता हूं कि ऐसे समय में औरतें बड़ी रसिक होती हैं। तुम तो रात भर अच्छी तरह सोओ बस।

किलओ—तुम भोजन कर चुके कि नहीं ? अच्छा जाओ। मैं भी जल्दी सो जाऊंगी। देखो चार्ली मुझ से प्रेम करना छोड़ मत देना।

चार्ल्स—छोड़ना ? बहुत नहीं।

[जब वह उसे आलिंगन कर रहा था आना पर्दे के पीछे से निकल कर द्वार से बाहर चुप चाप चली गई पर जब बन्द करने लगी तो द्वार चर्राया।]

क्लिओ—

[भयभीत होकर]

अरे। आंय!

चार्ल्स—क्यों क्यों ? प्रिये! तुम घबड़ा क्यों गईं ?

क्लिओ—

[हंसकर चारों ओर देखती है]

मैं तो जानती नहीं। अच्छा जाओ चार्ली! सर अच्छा होजाने पर मैं भी अच्छी हो जाऊंगी।

चार्ल्स—

[उसका सर थप थपाते हुये तथा उसकी ओर शंकित भाव से देखते हुये]

तुम सो जाओ अब रात में मैं नहीं आऊंगा।

[घूमकर वह चला जाता है--द्वार पर से चुम्बन का अभिनय करता है। उसके चले जाने पर क्लिओ ठीक वैसे ही खड़ी हो जाती है जैसे दृश्य के आरम्भ में थी। बराबर सोच रही है द्वार खुलता है और नोकरानी झांक कर देखती है।]

पटाक्षेप

अंक तीसरा

दृश्य पहला

[दूसरे दिन प्रातः काल हिक्किस्ट की 'स्टडी' में बांई ओर से जिल आती है और खुली हुई फ्रेंच विंडो की ओर देखती है।]

जिल—

[राल्फ से जो अदृश्य है]

भीतर आजाओ। यहाँ कोई है नहीं।

[वह भीतर जाती है राल्फ बाटिका से उसके पास आजाता है]

राल्फ—जिल ! मैं केवल यही कहना चाहता था कि न कहूं ?

[जिल सर हिलाती है]

कल तुम्हें देख के बड़ा बुरा लगता था।

जिल—हमने तो प्रारम्भ किया नहीं।

राल्फ—नहीं ! पर तुम समझतीं नहीं कि जो तुम भी दादा की तरह हो जाओगी तो—

जिल—मैं तो समझती हूं कि मुझे दुख होगा।

राल्फ—

[डांट कर]

ये तुम्हारे योग्य नहीं। वे तो ऐसा सोच भी नहीं सकते क्यों कि ये ठहरे लोक सुधारक।

जिल—क्षमा करना हम तो उन्हें पक्का सूश्रर समझते हैं।

राल्फ—और यदि जिसकी लाठी उसकी भस वाला कहावत ठीक है ?

जिल—वे अधिक योग्य चाहे भले हों पर टिक नहीं सकते।

राल्फ—

[बिगड़ कर]

पर जान तो कुछ ऐसा ही पड़ता है।

जिल—बस यही कहने आये थे ?

राल्फ—नहीं ! मान लो हम तुम एक हो जांय तो क्या इसे रोक नहीं सकते ?

जिल—मैं एक होना सोच ही नहीं सकती।

राल्फ—पर हम लोगों ने हाथ तो मिलाया था।

जिल—ये नहीं हो सकता कि लड़ाई भी लड़ें और बुरा न माने।

राल्फ—मैं तो बुरा नहीं मानता।

जिल—ज़रा ठहर जाओ शीघ्र ही मानने लगोगे।

राल्फ—क्यों ?

[ध्यान से]

क्लिओ के विषय में मेरी समझ से उसके प्रति तुम्हारी मां का व्यवहार ?

जिल—अच्छा ?

राल्फ—नीचता का है।

[जिल हंसती है]

सम्भव है वह तुम्हारी श्रेणी की न हो और इसी लिये नीचता का व्यवहार।

जिल—तुम तो चुप रहो।

राल्फ़—दादा ठीक ही कहते थे। जब वह यहां आयी थी उस दिन के तुम्हारी मां के व्यवहार ने दादा और चार्ली को और भी अधिक क्रुद्ध कर दिया।

[जिल सीटी में कारमन का हैवेनेरा गुनगुनाने लगती है]

[उसकी ओर क्रोध से घूर कर]

ये सीटी बजाने की बात है ?

जिल—न।

राल्फ़—तुम चाहती हो कि मैं चला जाऊं।

जिल—हां।

राल्फ़—अच्छा। तो हम लोगों में फिर कभी मेल नहीं हो सकता ?

जिल—

[गम्भीरता से उसकी ओर देखकर]

मैं तो नहीं समझती।

राल्फ—यह अच्छा नहीं।

जिल—संसार में बहुत सी वस्तुयें अच्छी नहीं हैं।

राल्फ—जिल ! पर जितना हो सके हम लोगों को उतना कम करना चाहिये।

जिल—

[क्रोध से]

अच्छा ज्ञान न छांटो।

राल्फ—

[व्यथित होकर]

मैं वह तो कभी चाहता ही नहीं। मैं तो केवल मित्रता रखना चाहता हूं।

जिल—पहले सचाई तो सीखो।

राल्फ—वैसे मोटे तौर से—

जिल—ऐसा कुछ नहीं है। अपनी अपनी सभी को पड़ी रहती है। और क्यों न हों ?

राल्फ़—ओ हो। तुम तो—

जिल—बेवकूफी ? यह तो तुम्हारे पिता का ही सिद्धान्त है कि प्रत्येक मनुष्य अपने लिये है। हाथ नीचे कीजिये। गुड बाई।

राल्फ़— जिल ! जिल !

जिल—

[अपनी पीठ के पीछे हाथ समेट कर गुनगुनाती है]

" यदि प्राचीन मित्र विस्मृत हों
और दिवस विस्मृत प्राचीन "—

राल्फ़—नहीं !

[मर्माहत होकर वह बांई ओर फ्रेंचविन्डो से निकल जाता है। जिल जिसने गाना बन्द कर दिया था हाथ बांधे खड़ी हो जाती है और उसके ओंठ कापने लगते हैं]

[बांई ओर से फेलोज़ आता है]

फ़ेलोज़—बाई ! मिस्टर डाकर और दो सज्जन और आये हैं।

जिल—तीनों सज्जनों को भीतर आने दो मैं बाहर जाती हूं।

[उसके पास से होकर बांई ओर से बाहर जाती है और तुरत डाकर और दोनों आगन्तुक भीतर चले आते हैं]

फेलोज़—मैं मिसेज़ हिल्क्रिस्ट से कह आऊँ। सरकार तो घूमने गये हैं।

[बांई ओर से बाहर जाता है]

[दोनों द्वारों तथा खुली हुई फ्रेंचविन्डो की ओर देखकर ये तीनों बड़ी मेज़ के पास जम कर बैठ गये]

डाकर—समझ लो कि यदि ये मामला अदालत में पेश हो तो यदि कहीं भी कुछ ढील पोल हो तो भाई बता देना।

[दूसरे आगन्तुक से]

[तुम तो स्वयं उसे जानते थे]

दूसरा आगन्तुक—तुम क्या समझते हो ? ऐसे काम में कहीं मैं लड़कियों को केवल उन्हींके भरोसे मिला सकता था? और वह तो हमारे पास बड़ी सिफारिश से आई थी और उसने काम भी अच्छा किया। वह ज़रा ठिगनी सी थी क्यों न जार्ज।

पहला आगन्तुक—हमने तो उसे दो दफे के लिये दिया था।

दूसरा आगन्तुक—मैं तो एक मिनट में पहिचान जाऊं—ज़रा देखने में अच्छी थी। उसके चेहरे पर कुछ था भी। यह तो मैं कह सकता हूं कि वह मुसीबत में थी।

पहला आगन्तुक—हम इसे प्रकाशित नहीं होने देना चाहते।

डाकर—ऐसा जान नहीं पड़ता। धमकी से ही काम चल जायगा। पर पांच भारी है। वह है भी तो बड़ा बेढब उसे समझा ही देना चाहिये। यदि तुम दोनों क़सम खा लोगे तो चाल चल जायगी।

दूसरा आगन्तुक—और—मेरा मतलब यही था कि यहां आने जाने में हम लोगों का समय लगता है।

डाकर—

[पहले की ओर सर हिलाकर]

[जार्ज तो मुझे जानता है। वह सब ठीक हो जायगा। ये मैं विश्वास दिलाता हूं कि सब सफल हो जायगा]

दूसरा आगन्तुक—यदि उस लड़की का विवाह हो गया है तो मैं उसे हानि नहीं पहुँचाना चाहता।

डाकर—अरे नहीं—उसे तो हानि कोई भी नहीं पहुँचाना चाहता हम तो बस इन बच्चा को ठीक करना चाहते हैं। कि ये भी याद करें।

[जैसे ही दाहिनी ओर से मिसेज़ हिल्क्रिस्ट भीतर आती है ये लोग ज़रा हट जाते हैं।

डाकर—गुड मार्निंग मां जी। ये मेरे मित्र के साझेदार हैं हार्नब्लोवर आ रहे हैं?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—हां ग्यारा बजे। मुझे उन्हें दुबारा फिर लिखना पड़ा था डाकर।

डाकर—सरकार घर में नहीं हैं?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मैं ने उनसे नहीं कहा?

डाकर—

[सर हिलाकर]

ये हमारे मित्र लोग चाहे इसके अन्दर चले जाँय

[दाहिनी ओर संकेत करके]

और फिर आवश्यकतानुसार काम ले लिया जायगा।

मिसेज़ हिल्क्रिस्ट—

[आगन्तुकों से]

आप लोग यहां आराम से बैठिये।

[वह द्वार खोलती है और ये लोग भीतर चले जाते हैं]

डाकर—

[कागज़ दिखा कर]

मैं ने पहले ही से सब लिखा पढ़ा रक्खा है। बड़ा कड़ा कार्य है सेन्ट्री और लांगमीडो दोनों ही सरकार को साढ़े चार हज़ार में मिल जायँगे।

मां जी यदि हार्नब्लोवर इस पर हस्ताक्षर कर ही दे तो सब मिलाकर छः हज़ार रुपये तो उसकी गांठ से निकल ही जाते हैं। पर यहां बुरा पड़ोसी भले रहा जाता है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—पर हम तो इस भेद को चाहे जब खोल सकते हैं।

डाकर –और क्या? पर बहुत सी ऐसी बातें हैं जिनका उसे मनाना बड़ा कठिन है। ऐसे आदमी का क्या भरोसा? कम से कम वह मुझे तो क्षमा कभी नहीं करेगा मैं जानता हूं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[ध्यान से सुनकर]

लेकिन यदि उसने हस्ताक्षर कर दिये तब तो हमलोग—

डाकर—नहीं मां जी! आप ऐसा कैसे कर सकती हैं और मैं भी तो उस लड़की को हानि नहीं पहुँचाना चाहता। मैं ने तो खाली कहा कि आप इसका पूर्ण विश्वास कैसे दिला सकती हैं कि यह बात खुल ही नहीं सकती।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मैं समझती हूं बिल्कुल तो नहीं हो सकता।

[दोनों एक दूसरे की ओर देखते हैं पर दोनों में से एक भी मानता नहीं]

ये उसकी मोटर है। वह सदा ही बहुत भड़भड़ाती है इतना शब्द और किसी में नहीं होता।

डाकर—वह उछले कूदेगी तो बहुत पर मां जी ! आप उसी को पूछने दीजियेगा कि आप क्या चाहती हैं। यह उससे न बताइयेगा।

[कागज़ पत्तर अपनी जेब में रख लेता है]

यदि वह सेन्ट्री में कुछ बनवा न सका तो वह उसके किसी काम ही की नहीं है तब तो वह जो ही कुछ बचा सके उसी में प्रसन्न होगा।

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट सर हिला देती है। फेलोज़ बांई ओर से आता है]

फेलोज़—

[अधीनता से]

मां जी। मिस्टर हार्नब्लोवर आये हैं कहते हैं आपने बुलाया था।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—हां ठीक है। फेलोज़!

[हार्नब्लोवर भीतर आता है और फ़ेलोज़ चला जाता है]

हार्नब्लोवर—

[बिना ही अभिवादन किये]

मैं तो साफ साफ यह पूछने आया हूँ कि इन चिट्ठीयों के लिखने से तुम्हारा क्या मतलब है?

[दो पत्र निकाल लेता है]

और मैं इस पर बात चीत किसी के सामने नहीं किया चाहता।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—जो मैं जानती हूं वह मिस्टर डाकर भी जानते हैं और मुझ से भी अधिक।

हार्नब्लोवर—ये भी जानते हैं? अच्छा। तुम्हारे दूसरे पत्र में लिखा है कि मेरी बहू ने मुझसे झूठ कहा है। मैं उसे भी ले आया हूं और यदि यह सब चाल मेरे बुलाने ही के लिये नहीं थी तो फिर तुम्हें उसके मूं पे कहना पड़ेगा।

[खिड़की की ओर बढ़ता है]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मिसेज़ हार्नब्लोवर ! पहले आप सुन कर तै कर लीजिये तब फिर हम लोग उसके सामने भी कहने के लिये तैय्यार रहेंगे। पर हम जितनी कम हो सके हानि पहुँचाना चाहते हैं।

हार्नब्लोवर—

[रुक कर]

हां ! तुम अवश्य चाहती हो ! अच्छा तुमने कौनसी झूठ बात सुन रक्खी है ? या क्या क्या बना लिया है ! तुमने और डाकर ने ? ये समझे रहना कि हतक इज्जत का क़ानून भी है और मैं यहीं तक रहजाने वाला आदमी नही हूं।

मिसेज़ हार्नब्लोवर—

[शान्ति पूर्वक]

आप मिस्टर हार्नब्लोवर तलाक़ का क़ानून जानते हैं ?

हार्नब्लोवर—

[घबड़ा कर]

न ! मैं तो नहीं जानता। यानी वह—'

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—यह तो आप जानते हैं कि इसमें बुरी चाल चलन की आवश्यकता पड़ती है ? और मैं समझती हूं आप यह तो जानते ही होंगे कि मुक़दमे बनाये भी जाते हैं।

हार्नब्लोवर—मुझे मालूम है कि ये सब बड़े भयानक होते हैं—तब इसके विषय में क्या है ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—तो जब मुक़दमा बनाया जाता है उस समय वह आदमी होटलों में एक नई औरत के साथ घूमा करता है। मुझे तो यह कहते बड़ा दुख होता है कि विवाह के पहले

आप की बहू इन कामों के लिये रख ली जाया करती थी।

हार्नब्लोवर—अरे बड़ी भयानक जन्तु है।

डाकर—

[शीघ्रता से]

सोलहो आना साबित है।

हार्नब्लोवर—मुझे तो इसके एक शब्द पर भी विश्वास नहीं। तुम लोग तो अपनी चमड़ी बचाने के मारे झूठी बातें गढ़ रहे हो। कैसे तुमने मुझसे यह भयंकर बात कह डाली? डाकर तुझ पे तो फ़ौजदारी का मामला चलाऊँगा।

डाकर—रैट्स! तुमने कल मेरे साथ एक सज्जन देखा था न? उन्होंने ही उसे रक्खा था।

हार्नब्लोवर—ये सब बनावटी धंधा है। षड़्यंत्र है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—अच्छा, जाकर अपनी बहू को तो लिवा लाओ।

हार्नब्लोवर—

[जाल में फंसा जानकर]

घृणित लज्जा की बात है। सरासर झूठी निन्दा है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—इसका पता तो अभी ही सरलता से लग जायगा। जाके उसे ले तो आओ।

हार्नब्लोवर—

[उन्हें अविचलित देखकर]

अभी लाता हूं। मुझे तो इसके एक शब्द पर भी विश्वास नहीं होता।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—हां आप ठीक कहते हैं।

[हार्नब्लोवर फ्रेन्चविन्डो से बाहर जाता है। डाकर दाहिनी ओर से खिसक जाता है और द्वार खोलकर भीतर वालों से बातें करता है। मिसेज़ हिलक्रिस्ट ओंठ चाटती हुई तथा उन्हें रूमाल से पोंछती हुई खड़ी रहती है। हार्नब्लोवर लौटता है उसके पीछे पीछे दृढ़ता और ललकार के साथ क्लिओ भी आती है]

हार्नब्लोवर—अच्छा आओ इस निर्लज्जता की कहानी की धज्जियां उड़ादें।

क्लिओ—कौन सी कहानी ?

हार्नब्लोवर—कि तुम मेरी प्यारी!—एक वैसी औरत—अरे यह तो बड़ा ही भयानक है तुम से कैसे कहूं ?

क्लिओ—कहिये ।

हार्नब्लोवर—कि तुम मर्दों के साथ इधर उधर घूम कर उन्हें तलाक़ दिलवाया करती थीं।

क्लिओ—ये कौन कहता है ?

हार्नब्लोवर—वो औरत ।

[घूरकर]

और उसका वो कुत्ता।

क्लिओ—

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट की ओर घूरकर]

ऐसा कहना तो बड़ा अच्छा है न ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—ये सच है ?

क्लिओ—न।

हार्नब्लोवर—

[बिगड़कर]

यह बात ! उसके सामने अभी तुम दोनों से घुटने टिकवाता हूं।

डाकर—

[दाहिनी ओर का द्वार खोलकर]

आ जाइये भीतर।

[पहला आगन्तुक भीतर आता है क्लिओ प्रत्यक्ष प्रयास करके उसकी ओर मुड़ती है।]

प्रथम आगन्तुक—कहिये मिसेज़ वेन ! अच्छी तरह तो हैं ?

क्लिओ—मैं तो तुम्हें जानती भी नहीं।

प्रथम आगन्तुक—स्मरणशक्ति अच्छी नहीं है बहू जी !

कल तक तो आप मुझे अच्छी तरह पहचानती थीं। एक दिन तो कुछ बहुत न हुआ और न तीन साल ही कुछ बहुत हैं।

क्लिओ—तुम हो कौन ?

प्रथम आगन्तुक—वही बहूजी ! कस्टर वाला मामला।

क्लिओ—मैं कहती हूं कि मैं तुम्हें जानती ही नहीं।

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट से]

तुम इतनी नीच हो।

प्रथम आगन्तुक—लाइये बहूजी ! मैं याद दिला दूँ।

[एक नोटबुक निकालकर]

ठीक तीन साल पहले तीसरी अक्टूबर को ब्यूलो होटल में मिस्टर सी——के साथ मिसेज़ वेन को फ़ीस और ख़र्चे के लिये २० पौंड। अक्टूबर १० को—२० पौंड।

[हार्नब्लोलर से]

आप इस किताब में देखना चाहते हैं ? आप देखलीजिये कि ये ठीक लिखी हुई हैं।

[हार्नब्लोवर देखना चाहता है पर अपने आप को रोककर क्लिओ की ओर देखता है]

क्लिओ—

[बनते हुये]

ये सब झूठ है—बिल्कुल झूठ ।

प्रथम आगन्तुक—बहूजी ! हम आपको हानि नहीं पहुँचाना चाहते ।

क्लिओ—मुझे ले चलिये—मैं ऐसा व्यवहार नहीं सहन कर सकती ।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[धीमे स्वर में]

मान लो ।

क्लिओ—झूठ है ।

हार्नब्लोवर—कभी तुम्हारा नाम वेन था ?

क्लिओ—न कभी नहीं ।

[वह खिड़की की ओर बढ़ती है पर रास्ते में डाकर है इससे रुक जाती है]

प्रथम आगन्तुक—

[दाहिनी ओर का द्वार खोलकर]

हेनरी।

[दूसरा आगन्तुक भी शीघ्रता से प्रवेश करता है उसे देखते ही त्रिलथो हाथ ऊपर उठाकर हाँफती है और मंच के बाँई ओर घबड़ाकर खड़ी हो जाती है और हाथों से मुंह छिपा लेती है। इतनी पूरी स्वीकृति हो जाती है कि हार्नब्लोवर विमूढ़ सा खड़ा रह जाता है। एक रंगीन रूमाल निकाल कर भौंहें पोंछता है]

डाकर—आप मान गये।

हार्नब्लोवर—इन लोगों को हटा दो।

डाकर—यदि आप अभी न संतुष्ट हुये हों तो और गवाही पेश करें, बहुत सी हैं।

हार्नब्लोवर—

[क्लिओ की ओर देखकर]

बस हो चुका, इनको बाहर ले जाओ। ज़रा इसके पास मुझे अकेले रहने दो !

[डाकर उन्हें दाहिनी ओर से बाहर ले जाता है मिसेज़ हिलक्रिस्ट हार्नब्लोवर के पास से होकर खिड़की के बाहर चली जाती हैं। हार्नब्लोवर एक आध सीढ़ी उतरकर क्लिओ के पास आता है]

हार्नब्लोवर—हे परमेश्वर !

क्लिओ—

[चिल्लाकर]

चार्ली से न कहियेगा—चार्ली से न कहियेगा।

हार्नब्लोवर—चार्ली ? तो तुम्हारा जीवन ऐसा था।

[क्लिओ कांखती है]

तो मेरे कुल में विवाह करके तुझे ये मिला ? धिक्कार है तुझे। अभागी कहीं की !

क्लिओ—चार्ली से न कहियेगा।

हार्नब्लोवर—सारा सत्यानाश करके बस यही कह सकती है। मेरा घर द्वार, कुल और भविष्य सभी नाश कर दिया। तेरा साहस कैसे हुआ?

क्लिओ—यदि आप मेरे स्थान पर होते—

हार्नब्लोवर—और ये हिलक्रिस्टस और उनकी ये धोखेबाज़ी!

क्लिओ—

[हांफकर]

दादा!

हार्नब्लोवर—ख़बरदार मुझे ये मत कहो।

क्लिओ—

[कटिबद्ध होकर]

मैं गर्भवती हूं।

हार्नब्लोवर—हे ईश्वर ! तुम गर्भवती हो ?

क्लिओ—आपका पोता है। ईश्वर के लिये जो कुछ ये लोग कहते हैं कर दीजिये और किसी से कहिये नहीं—चार्ली से न कहियेगा।

हार्नब्लोवर—

[फिर से मत्था पोंछकर]

आपस में भेद ! कह नहीं सकता कि मैं इस भेद को रख सकूंगा। ये बड़ा भयानक है। बेचारा चार्ली !

क्लिओ—

[अचानक बिगड़कर]

इसको गुप्त आप अवश्य रखिये, और आप रक्खेंगे। मैं उनसे नहीं कहने दूँगी। मुझे साहसिक न बनाइये ! मैं बन सकती हूं—मैंने ऐसा जीवन व्यर्थ ही नहीं बिताया था।

हार्नब्लोवर—

[उसकी ओर घूरता है और उस पर एक नई ज्योति देखता है]

ओ हो ! तू तो एक विचित्र जंगली स्त्री जान पड़ती है और हम लोगों ने तो तेरे विषय में दुनिया भर की बातें सोच डाली थीं।

क्लिओ—मैं चार्ली से प्रेम करती हूं और उनमें मेरी भक्ति है। मैं उसके बिना रह ही नहीं सकती। मैं जानती हूं कि तुम मुझे कभी भी क्षमा नहीं करोगे; पर चार्ली—

[हाथ फैलाकर]

[हार्नब्लोवर अपने बड़े बड़े हाथों से उन्माद का सा संकेत करता है]

हार्नब्लोवर—मैं तो यहां समुद्र में ग़ोते से खा रहा हूं। जाओ मोटर में बैठकर मेरी प्रतीक्षा करो।

[क्लिओ उसके पास से निकलकर बाईं ओर से बाहर आ जाती है]

[अपने आप घुनघुनाकर]

आख़िर मैंने नीचा देखा। शत्रुओं ने मेरे सर पर लात रख ही दी। आह ! ख़ैर अभी देखूंगा।

[वह दाहिनी ओर खिड़की के पास जाकर बुलाता है]

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट भीतर आती है]

इस भेद के लिये तुम क्या चाहती हो ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—कुछ भी नहीं।

हार्नब्लोवर—वाह ! आश्चर्य है ! ये कष्ट तुम ने व्यर्थ ही उठाया।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—यदि तुम हमें हानि पहुंचाओगे तो हम तुम्हें पहुंचायेंगे। सेन्ट्री का किसी प्रकार का उपयोग—

हार्नब्लोवर—जिसके लिये तुम ने मुझसे साढ़े नौ हज़ार दिलवाये।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—हम उसे मोल ले लेंगे।

हार्नब्लोवर—कितने में ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—सेन्ट्री के मिस मुलिन्स जितने पहले लेती थीं और लांगमीडो का जो कुछ तुमने हमें दिया है अर्थात् सब मिलाकर साढ़े चार हज़ार।

हार्नब्लोवर—बड़े अच्छे, दाम हैं! और छः हज़ार मेरी जेब से मुफ्त में निकल गये। ना ना! मैं उसे अवश्य रक्खूंगा और जब तक वह मेरे पास है तुम्हारी हिम्मत नहीं कि इस भेद को तुम किसी से कह सको।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—न मिस्टर हार्नब्लोवर फिर विचार करने पर तुम्हें उसे बेचना ही पड़ेगा। जैक-मन्स के मामले में तुमने अपना वचन पालन नहीं किया। इससे विश्वास तो हम कर नहीं सकते। अपना घर चाहे हम आज ही बर्बाद क्यों न करालें पर आपके हाथ में कभी न छोड़ेंगे कि जब और जैसे चाहिये नष्ट कर

दीजिये। या तो अभी सेन्ट्री और लांगमीडो हमारे हाथ बेच डालो नहीं तो जो कुछ होगा समझ लो।

हार्नब्लोवर—

[दांत पीसकर]

मैं नहीं बेचूंगा। ये कलंक लगाना है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—बहुत अच्छा जैसा समझ पड़े वैसा आप कीजिये और जैसा हमें जान पड़ेगा वैसा हम करेंगे। इस बात चीत का कोई साक्षी तो है ही नहीं।

हार्नब्लोवर—

[बिगड़कर]

ईश्वर जाने तुम बड़ी चतुर हो। क्या तुम परमात्मा की शपथ खा कर कहोगी कि तुम, या तुम्हारे ये भले आदमी कभी किसी से इस भयानक बात का चर्चा भी नहीं करेंगे।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—हां अगर तुम बेच दो !

हार्नब्लोवर—डाकर कहां है ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[दाहिनो द्वार तक जाकर]

मिस्टर डाकर !

[डाकर भीतर आता है]

हार्नब्लोवर—तुम्हारी बेइमानी तो फलगई ।

[डाकर खींसें काढ़कर कागज़ पेश करता है]

ये तो बिल्कुल षड्यंत्र है । यहां तुम्हारे पास बाइबिल है ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मेरा शब्द ही पर्याप्त है मिस्टर हार्नब्लोवर !

हार्नब्लोवर—क्षमा करना—मैं इसे इतना पवित्र नहीं समझता ।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—बहुत अच्छा ! ये लो बाइबिल ।

[बुकशेल्फ़ में से छोटी सी बाइबिल निकालती है]

डाकर—

[मेज़ पर कागज़ फैलाते हुये]

"इसी बैनामे के ज़रीये सेन्ट्री मिस मुलिन्स ने और लांगमीडो जान हिलक्रिस्ट ने आपके हाथ बय किया और चूंकि ये दोनों आप जान हिलक्रिस्ट के हाथ साढ़े चार हज़ार में बेचने को राज़ी हैं इस लिये मूल्य पाकर आप यहां स्वीकार करते हैं कि आपने इन्हें बय कर डाला" इत्यादि; यहां हस्ताक्षर कीजिये। मैं गवाही लिखूंगा।

हार्नब्लोवर—

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट से]

पहले इस किताब को हाथ में लेकर क़सम खाओ कि मैं ईश्वर की क़सम खाती हूं कि मैं क्लिओ हार्नब्लोवर के विषय में जो कुछ भी जानती हूं कभी किसी से भी उसका एक शब्द भी न कहूंगी।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—न मिस्टर हार्नब्लोवर पहले आप हस्ताक्षर कर दीजिये। हम लोग अपना बचन कभी नहीं तोड़ते।

[हार्नब्लोवर उनकी ओर तीव्र दृष्टि से देखकर कलम लेकर कागज़ पर एक बार देख लेता है और हस्ताक्षर कर देता है। डाकर गवाही कर देता है]

मिस्टर हार्नब्लोवर! इस शपथ में इतना हम और जोड़ेंगे कि "जब तक हार्नब्लोवर कुटुम्ब का कोई हमें हानि न पहुँचावेगा"।

हार्नब्लोवर—

[बिगड़कर]

दोनों उसे अपने हाथ में लेलो और साथ साथ शपथ लेलो।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[पुस्तक लेकर]

मैं शपथ लेती हूं कि क्लिओ हार्नब्लोवर के विषय में मैं जो कुछ भी जानती हूं उसे कभी

किसी से भी न कहूंगी जब तक कि हार्नब्लोवर कुटुम्ब का कोई भी हमें किसी प्रकार की हानि न पहुँचायेगा।

डाकर—मैं भी यही शपथ लेता हूं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मैं अपने पति के लिये भी कहती हूं।

हार्नब्लोवर—और वे दोनों जने कहां हैं ?

डाकर—वो लोग ये। उनसे इससे क्या मतलब ?

हार्नब्लोवर—किसी स्त्री का पहले कभी क्या हाल था इससे तुम्ही से क्या मतलत ? तुम तो जानते हो। अच्छा नमस्ते।

[उनकी ओर देखता है और बांई ओर से चला जाता है उसके पीछे डाकर भी जाता है]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[कागज़ पर हाथ रखकर]

तिजोरी में।

[जिल के साथ हिलक्रिस्ट फ्रेंच विन्डो से आता है]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[कागज़ ऊपर उठाकर]

ये देखो ! वो अभी ही गया है । मैंने तो कहा था कि ख़ाली धमकाने की ही आवश्यकता है । बस घबड़ाकर उसने हस्ताक्षर कर दिये । हमने भी किसी से न कहने की क़सम खा ली है । उसे देखो हम लोगों ने हरा दिया ।

[हिलक्रिस्ट कागज़ पर विचार करता है]

जिल—हमने क्लिओ को तो मोटर पर देखा था । मां ! उसको कैसा लगा ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—पहले तो झुकर गई पर जैसे ही हमारे गवाहों को देखा कि कबूल पड़ी । मुझे तो प्रसन्नता है कि तुम यहां नहीं थे जैक ।

जिल—

[एकदम]

मैं उससे मिलने जाती हूं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—नहीं तुम नहीं जाओगी। तुमको मालूमी नहीं उसने क्या किया था।

जिल—नहीं मैं जाऊँगी। वह बिचारी बड़ी कठिनाई में होगी।

हिलक्रिस्ट—बेटी ! तुम उसका कुछ भी उपकार नहीं कर सकतीं।

जिल—दादा मैं कर सकती हूं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—अभी तुम मानव स्वभाव को नहीं जानती। उन लोगों से तो अब जलमभर को झगड़ा हो गया। और यदि तुम कुछ और समझो तो तुम गदही हो।

जिल—ख़ैर कुछ भी हो मैं जाऊँगी।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—जैक देखो इसे मना करलो।

हिलक्रिस्ट—

[पलक उठाकर]

जिल ! ज़रा समझो !

जिल—मान लो दादा ! मुझसे ही ऐसा हो जाता तो। मुझसे यदि कोई दो मीठी बातें करता तो मुझे तो अच्छा ही लगता।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—तुमसे ऐसा हो ही नहीं सकता था।

जिल—जब तक कर न देखो तब तक क्या पता चलता है अम्मा।

हिलक्रिस्ट—अच्छा आमी ! इसे जाने भी दो। मुझे तो उस युवती का बड़ा दुख है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मैं समझती हूं जो तुम्हारी जेब कतर लेगा तुम शायद उसके लिये भी दुखी होओगे।

हिलक्रिस्ट—बेशक मुझे होना तो चाहिये ! जब सेन्ट्री के दाम दे दूँगा तो बेचारे गरीब को यहां से भी निकलना पड़ेगा।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[खिन्न होकर]

तुम्हें मेरा आभारी होना चाहिये कि मैंने तुम्हें और तुम्हारे घर दोनों को बचा लिया।

जिल—

[चुपके से]

हां अम्मा ! हम लोग बहुत आभारी हैं। दादा तुम धन्यवाद दे दो।

हिलक्रिस्ट—हां प्यारी ! ये तो बड़ा भारी संकट कट गया। तुम तो जानती हो कि मैं अपने जी की बात अच्छी तरह कह नहीं पाता। तुम क्या चाहती हो कि एक पैर से खड़े हो के चिल्लाऊँ ?

जिल—हां हां दादा ! अच्छा अम्मा इन्हें पकड़ लो जब तक मैं—

[अचानक वह रुक जाती है और सारा कौतूहल जाता रहता है]

न, ऐसा नहीं हो सकता इसके विषय में बिना सोचे मैं रह ही नहीं सकती।

[एक क्षण के लिये पर्दा गिरता है]

दृश्य दूसरा।

संध्या

[जब पर्दा उठता है तब कमरा ख़ाली पड़ा है कुछ अन्धेरा सा है क्यों कि केवल फ्रेंच विन्डो से जो खुली थी चांदनी का थोड़ा सा प्रकाश भीतर आता है] बाहर चाँदनी में काला कपड़ा ओढ़े हुये क्लिओ देख पड़ती है। वह भीतर झांकती है। हट जाती है, और डरते डरते फिर भीतर आती है। काला चादर हटते ही देखाई पड़ जाता है कि वह स्वच्छ ईवनिंग ड्रेस पहने हुये थी। इस क्षीण प्रकाश में ही वह आधी काली और आधी सफ़ेद मूर्ति चुपचाप खड़ी रह जाती है। पर तुरत ही दायें और बायें बेचैनी से मुड़ने लगती है मानों चुपचाप रह ही नहीं सकती। अचानक कुछ सुनने सी लगती है]

राल्फ़ का स्वर—

[बाहर]

क्लिओ! क्लिओ!

[वह आजाता है]

क्लिओ—

[खिड़की के पास जाकर]

यहां क्या कर रहे हो ?

राल्फ़—और तुम क्या कर रही हो ? मैं तो तुम्हारे ही पीछे पीछे आ गया था।

क्लिओ—अच्छा तो तुम चले जाओ।

राल्फ़—क्या मामला है ? मुझे तो बताओ।

क्लिओ—बस चले जाओ कुछ कहो मत। आह कैसे अच्छे गुलाब हैं।

[खिड़की के पास बड़े गमले में जो गुलाब लगे हैं उनमें अपनी नाक लगाती है]

अच्छी सुगन्ध नहीं आती ?

राल्फ़—आज दोपहर को जिल क्या कहती थी ?

क्लिओ—मैं कुछ भी नहीं बताऊँगी तुम चले जाओ।

राल्फ़—मैं तुम्हें यहां ऐसी दशा में छोड़ना नहीं चाहता।

क्लिओ—कैसी दशा में ? मैं तो अच्छी हूँ। अच्छा यदि तुम यही चाहते हो तो नीचे सड़क पर मेरे लिये ठहरो।

[राल्फ़ चल पड़ता है, रुक जाता है, उसकी ओर देखके फिर रुक जाता है]

क्लिओ—कुछ गुन गुनाती हुई शीराज़ी की तरह ऊपर नीचे कुछ टहलती है फिर खिड़की के पास खड़ी होकर सुनने लगती है। बांई ओर स्वर सुन पड़ता है। जैसे ही हिलक्रिस्ट और जिल भीतर आते हैं वह खिड़की से उछल कर तुरत दाहिनी ओर आजाती है।

[इन लोगों ने बिजली की बत्ती जलाई और अंगीठी के सामने आगये वहां हिलक्रिस्ट तो आराम कुर्सी पर बैठ गया और जिल उसके हत्थे पर। ये लोग उतारने वाली इबनिंग ड्रेस पहने हुये हैं]

हिलक्रिस्ट—अच्छा अब बताओ।

जिल—दादा बताने योग्य कुछ है नहीं। मैं तो बड़ी डर रही थी कि कहीं कोई और न मिल जाय और राल्फ़ मिल ही गया उससे इधर उधर की बातें बना दीं तब वह मुझे उसके कमरे में जिसे वो लोग 'बोडेयर' (boudoir) कहते हैं ले गया। ये बोडेयर खोह को कहते हैं न?

हिलक्रिस्ट—

[सोचकर]

रोदनग्रह! हां तो फिर?

जिल—वह ऐसे बैठी थी।

[घुटने पर कोहनी रखकर और दाढ़ी हाथ पर टेककर]

और कुछ चिल्ला कर बोली "तुम क्यों आई हो"? मैंने कहा "कि मुझे बड़ा दुख हुआ पर मैं समझती थी कि कदाचित् मेरा आना तुम्हें अच्छा लगेगा।"

हिलक्रिस्ट—तब फिर?

जिल—मेरी ओर ध्यान से देखकर बोली "मैं समझती हूं कि तुम तो सब जानती हो" मैं जानती तो थी नहीं इससे मैं ने कहा कि "यों ही; केवल अनिश्चित रूप से।" तब वह बोली "कि तुम ने अच्छा किया जो चली आई।" दादा! वह तो बड़ी आत्महीन सी जान पड़ती थी। उसने किया क्या है?

हिलक्रिस्ट—उस युवक हार्नब्लोवर से बिना साफ साफ बताये जो उसने विवाह कर लिया बस यही उसका मुख्य अपराध था क्यों कि वह एक ऐसी ही दुनिया से आई थी।

जिल—ओह!

[सामने घूरकर]

वह दुनिया क्या बड़ी ही भयंकर है? दादा!

हिलक्रिस्ट—

[बेचैनी से]

मैं तो जानता नहीं बेटी! मैं समझता हूं कि

कुछ तो उसे सहन .कर सकते और कुछ नहीं कर सकते मुझे पता नहीं कि वह कैसी है ?

जिल—मुझे एक बात का विश्वास है कि वह चार्ली से प्रेम बहुत अधिक करती है।

हिलक्रिस्ट—यह बुरा है। बहुत ही बुरा है।

जिल—और वह बहुत डर सी गई है। और मैं तो समझती हूं कि वह साहसिक हो गई है।

हिलक्रिस्ट—ऐसी स्त्रियां दृढ़ होती हैं। उसे बहुत अपने स्वभाव से मत परखो।

जिल—न—केवल उफ ! ये तो अमानुषिक था और मैं तो दादा सूख गई।

हिलक्रिस्ट—

[अनुभव से]

हूं ! यही तो होता है। और यह भी अच्छा है नहीं तो अनजान में तुम से भी कोई अपराध हो जाता।

जिल—वही तो कहती हूं। पर मुझे तो बड़ा दुख है दादा ! हम लोग कुछ कर नहीं सकते—?

हिलक्रिस्ट—यह बड़े धोखे का है।

जिल—

[असंतोष से]

मैं तो कहूंगी कि कुछ भी हो मैं हो आई मुझे प्रसन्नता है। मुझे कुछ अधिक करुणा का अनुभव हो रहा है।

हिलक्रिस्ट—क्या करें अपने घर के लिये लड़ना ही पड़ा। यदि ऐसा न करता तो मैं तो अपने के विश्वासघाती समझता।

जिल—दादा ! आज तो मुझे घर अच्छा नहीं लगता।

हिलक्रिस्ट—मैं तो कभी घृणा भी नहीं कर सका। ये एक बड़ी बला है।

जिल—मां तो बुरी तरह उत्तेजित हो रही है और डाकर के भीतर से भी विजय मानो निकली

सी पड़ती है। दादा मैं तो इसका बहुत विश्वास करती नहीं क्यों कि ये बड़ा वहसी— नहीं बल्कि लड़ाका है।

हिलक्रिस्ट—हैं कुछ है तो।

जिल—मैं तो जानती हूं कि क्रिओ चाहे आत्महत्या भी करले तौ भी इसे चिन्ता न होगी।

हिलक्रिस्ट—

[बेचैनी से उठकर]

वायहात ! वायहात।

जिल—अम्मा भी यदि चिन्ता करें तो भी मुझे आश्चर्य होगा।

हिक्रिस्टल—

[खिड़की की ओर मुंह घुमाकर]

यह क्या है ? कुछ सुन पड़ता है शायद—

[ज़ोर से]

बाहर कौन है ?

[कोई उत्तर नहीं । जिल उछलकर खिड़की की ओर दौड़ती है]

जिल—तुम हो ।

[दाहिनी ओर घुस जाती है और क्लिओ का हाथ पकड़े हुये उसे साथ लिये लौटती है]

आओ भीतर आओ । हमी लोग तो हैं ।

[हिलक्रिस्ट से]

दादा !

हिलक्रिस्ट—

[घबड़ा कर पर आदर सूचित करते हुये]

गुड इवनिंग ! आओ बैठो ।

जिल—बैठ जाओ ! तुम तो कांप रही हो ।

[वह क्लिओ को उसी हत्थेदार कुर्सी में जिसमें से ये लोग अभी उठे थे बैठाती है, फिर ताला बन्द कर देती है और खिड़कियां भी बन्द करके पर्दे जल्दी से खींच देती है]

हिलक्रिस्ट—

[घबड़ाया हुआ था और प्रतीक्षा से]

बताओ मैं तुम्हारे लिये क्या कर सकता हूं ?

क्लिओ—मैं तो सह नहीं सकती—वह आप से अभी पूछने आरहे हैं।

हिलक्रिस्ट—कौन ?

क्लिओ—मेरे पति !

[कांप कर लम्बी साँस खींचती है और फिर मानो साहस को हाथों में पकड़ लेती है]

मुझे शीघ्रता करनी है। वह बराबर पूछा करते हैं और जानते हैं कि कुछ न कुछ बात है अवश्य।

हिलक्रिस्ट—ज़रा शान्त हो जाओ। हम उनसे कुछ भी नहीं कहेंगे।

क्लिओ—

[मिन्नत के साथ]

अरे यही केवल पर्याप्त नहीं। क्या आप उनसे कुछ ऐसा नहीं कह सकते कि जिससे वे समझें कि सब ठीक है? मैं ने उन के साथ बड़ा अन्याय किया है। मैं इसे तब तक समझती ही नहीं थी—क्यों कि जिस बिपत्ति के पश्चात् इनसे मुझ से भेंट हुई थी मैं तो उसे एक मेरा सौभाग्य समझती थी। मैं इतनी बुरी नहीं हूं—सच कहती हूं ऐसी नहीं हूँ मैं।

[आंठो के कांपने के कारण वह चुप हो जाती है जिल उसकी कुर्सी के पास खड़े खड़े उसके कंधे थपथपाती है। हिलक्रिस्ट चुपचाप खड़ा रहता है और उंगली चबाता रहता है]

देखिये मेरे बाप का दिवाला निकल गया था और मैं तब एक एक दूकान में थी—

हिलक्रिस्ट—

[समझाते हुये तथा गुप्त रखते हुये]

हां हां! हां हां!

क्लिओ—मैं ने किसी के साथ ऐसी कोई लज्जाजनक बात नहीं की थी। हां कम से कम जब तक चार्ली से भेंट नहीं हुई थी तब तक जैसे तैसे मुझे अपना निर्वाह करना पड़ता था।

[फिर ओंठ कांपने के कारण वह रुक जाती है]

जिल—हां ठीक है।

क्लिओ—वह समझता था कि मैं बड़ी प्रतिष्ठित हूं और इससे मुझे कितनी शांति मिली थी इसे आप सोच भी नहीं सकते मैं ने भी उसे स्वीकार कर लिया।

जिल—ये बुरा हुआ दादा!

हिलक्रिस्ट—है तो।

क्लिओ—और जब हमारा विवाह हो गया तब तो मैं उस पर आसक्त होगई। यदि पहले ही हो जाता तो कदाचित् मेरी हिम्मत भी न पड़ती। कह नहीं सकती—कोई जान नहीं सकता क्यों न?

जब एक तिनका भी बहा जाता है तो उसे भी पकड़ लेते हैं।

जिल—और क्या ? यह तो करते ही हैं।

क्लिओ—और अब मैं गर्भवती हूं।

जिल—

[घबड़ाकर]

हां ! तुम गर्भवती हो ?

हिलक्रिस्ट—हे ईश्वर !

क्लिओ—

[मुर्झाकर]

उस दिन जब यहां—तभी से महीना भर हो गया मैं बड़ी बेचैन हूं। मैं जानती थी कि ये बात उड़ रही है। जो बात उड़ी कि फिर वह जा नहीं सकती।

[वह उठती है और अपने हाथ फैलाती है]

न कभी नहीं ! यहां वहां उड़ा करती है।

[विक्षिप्तता से]

और फिर उड़ती उड़ती पहुँच ही जाती है ।

[उपेक्षा से उसका स्वर बदल जाता है]

और मैं तो कह सकती हूं कि वैसा जीवन खेल-वाड़ नहीं है मैं ने तो अपनी बेवकूफी का फल पाया मुझे लाज या खेद वेद कुछ नहीं है । जो कुछ थोड़ा बहुत है बस उसी के लिये है । उसकी ऐसी बेइज़्ज़ती हुई है कि मुझे वह कदाचित् कभी भी क्षमा नहीं करेगा और फिर अब बच्चा होने वाला है ! उनके प्रेम के ही कारण मुझे ऐसा बुरा लग रहा है कि ऐसा कभी लगा ही नहीं । बस यही है ।

जिल—

[संभलकर]

देखो ! बस उन्हें पता न चलने पावे ।

क्लिओ—यही तो । पर प्रारम्भ तो हो ही चुका है और उन्हें पता तो है ही कि कुछ न कुछ बात

अवश्य है वो लगे अवश्य रहेंगे। जहां किसी पुरुष को अपनी स्त्री की ओर से शंका हो गई कि फिर उसे संतोष होना बड़ा कठिन हो जाता है। चार्ली को तो कभी भी न होगा। वे बड़े चालाक हैं और उन्हें ईर्षा भी बहुत है। यहां आना ही चाहते हैं।

[वह रुकजाती है और घबड़ाकर सुनने सी लगती है]

जिल—उस से भला क्या कहोगे कि वह पता भी न पावे ?

हिलक्रिस्ट—कोई भी वाजबी बात।

क्लिओ—

[इसी पर ज़ोर देकर]

देखिये यही कीजियेगा। जान नहीं पड़ता क्या करूँ। यह जानकर कि वह मुझ से प्रेम करता है मैं बड़ी मृदुल—। और यदि वह मुझे त्याग देगा तो बस मैं—

हिलक्रिस्ट—तुम भी कुछ बताओगी ?

क्लिओ—

[उत्सुकता से]

बस यही हो सकता है कि उस से कोई ऐसी बात कही जाय जो ठीक जचे और जिस पर वह विश्वास करले पर वह बात बहुत बुरी न हो। जैसे वो लोग जो यहां आये थे मैं उनके यहां काम करती थी और उन लोगों ने इस शंका से मुझे निकाल दिया था कि मैं ने शायद् कुछ रुपै उड़ा दिये थे। और मैं उसे विश्वास दिला दूँ कि यह असत्य है।

जिल—हां—और यह है भी नहीं यह बड़ा अच्छा है! तुम उनको इसका विश्वास भी दिला दोगी क्यों न दादा!

हिलक्रिस्ट—जो कुछ भी मैं कह सकूं! मुझे बड़ा दुख है।

क्लिओ—धन्य है! और देखिये यह न कहियेगा कि मैं यहां आयी थी। वे बड़े ही शक्की हैं। उनको

यह तो मालूम है कि उनके पिता ने ये सब ज़मीन आप के हाथ फिर बेंच ली यह उनकी समझ और मेरा सबेरे यहां आना यह उनकी समझ में नहीं आता। यह समझते हैं वो कि उनसे कुछ छिपाया जा रहा है। डाकर के साथ उस आदमी को भी उन्हों ने कल देखा था। मेरी चकरानी मेरे ऊपर ताक झाँक लगाये है। यह सब उड़ रहा है। बस वो इन्हीं सब को मिलाते हैं। पर मैं उन से कह चुकी हूं कि कुछ भी तो नहीं है जिस के लिये वो इतना व्यग्र हों। और सचमुच कुछ है भी नहीं।

हिलक्रिस्ट—कैसा फंदा है!

क्लिओ—रुपै पैसे के मामले में मैं बड़ी सावधान और ईमानदार हूं। सो इसका तो उन्हें विश्वास हो वे ही गा नहीं और बुढ़ऊ चार्ली से कहेंगे नहीं मैं जानती हूं।

हिलक्रिस्ट—बस यही सब से अच्छा उपाय जान पड़ता है।

क्लिओ—

[एक ललकार के साथ]

इनकी तो मैं पतिव्रता स्त्री हूं।

जिल—और क्या यह तो हमें मालूम है।

हिलक्रिस्ट—ऐसा बुरा है कि कह नहीं सकते। धोखा देना तो बिल्कुल ही प्रतिकूल है पर—

क्लिओ—

[उत्सुकता से]

जिस समय मैं ने इन्हें धोखा दिया उस समय मैं ऐसी साहसिक थी कि ईश्वर को भी धोखा दे सकती थी। आप कभी दलदल में नहीं फंसे हैं। आप समझ ही नहीं सकते कि मैं ने क्या क्या सहा है।

हिलक्रिस्ट—हां हां मैं कह सकता हूं कि कदाचित् मैं भी यही करता—मैं कभी नहीं परख—

[क्लिओ हाथों से आंखें बन्द कर लेती है]

अरे अरे! हिम्मत रक्खो।

जिल—

[स्वयं]

मेरे दादा !

[वह उसके हाथ पर अपना हाथ रखता है]

क्लिओ—

[उछल कर]

मैं जाती हूं ! मैं जाती हूं ! द्वार पर कोई है ।

[वह खिड़की की ओर दौड़कर पर्दे के पीछे हो जाती है दर्वाज़े का हैन्डल फिर घूमाता है]

जिल —

[चकपका कर]

अरे मैं तो भूल गई उस में तो ताला लगा है ।

[वह द्वार के पास जाकर ताला खोलकर द्वार खोल देती है और हिलक्रिस्ट उठकर मेज़ के पास जा बैठता है]

हां ठीक है फेलोज़ ! मैं ज़रा कुछ आवश्यक बातें कर रही थी ।

फ़ेलोज़—

[द्वार बन्द करके एक दो क़दम आगे बढ़ आता है]

हां बाई चार्ल्स हार्नब्लोवर कमरे में आये हैं। वो सरकार से या मां जी से मिलना चाहते हैं ?

जिल—क्या मुसीबत है। दादा ! आप उनसे मिलि-येगा ?

हिलक्रिस्ट—अ—हां ! हां ! मिलूंगा। फ़ेलोज़ उन्हें यहाँ ले आओ।

[जैसे ही फेलोज़ बाहर जाता है वैसे ही जिल खिड़की की ओर दौड़ती है पर सिवाय पर्दे ठीक कर देने के और फिर पिता के पास आकर खड़े होजाने के सिवाय उसे और अधिक समय ही नहीं मिलता क्योंकि चार्ल्स भीतर आजाता है। वह इवनिङ्ग ड्रेस पहने हुये है पर साफ सुथरा होने पर भी उसके बाल बिखरे हुये हैं]

चार्ल्स—मेरी स्त्री यहां है ?

हिलक्रिस्ट—जी नहीं।

चार्ल्स—थी यहां ?

हिलक्रिस्ट—मैं समझता हूं सबेरे थी शायद। क्यों जिल ?

जिल—हां सबेरे तो आई थी।

चार्ल्स—

[उसकी ओर घूरकर]

वो मुझे मालूम है—अभी के लिये मैं पूछता हूं।

जिल—नहीं तो।

हिलक्रिस्ट सर हिलाता है]

चार्ल्स—अच्छा बताओ सबेरे क्या बातचीत हुई थी ?

हिलक्रिस्ट—मैं यहां सबेरे था नहीं।

चार्ल्स—मुझे बहकाओ मत मैं सब कुछ जानता हूं।

[जिल से]

अच्छा तुम बताओ।

जिल—मैं बताऊं दादा ?

हिलक्रिस्ट—नहीं मैं तो बताऊंगा। आओ बैठ जाओ।

चार्ल्स—नहीं—कह चलो।

हिलक्रिस्ट—

[ओंठ गीले कर के]

कुछ ऐसा मालूम होता है मिसेज़ हार्नब्लोवर कि डाकर जो मेरा एजन्ट है—

[चार्ल्स जो ज़ोर से साँस ले रहा था क्रोध के स्वर में]

वह किसी दूकान को जानता है। वहां पहले तुम्हारी स्त्री काम करती थी। अब आगे मैं नहीं कहना चाहता क्यों कि उस बात पर मैं स्वयं विश्वास नहीं करता।

जिल—न हमें विश्वास नहीं है।

चार्ल्स—कहिये।

हिलक्रिस्ट—

[उठकर]

यदि मैं तुम्हारी जगह पर होता तो अपनी स्त्री के विरुद्ध मैं कुछ सुन नहीं सकता था।

चार्ल्स—मैं कहता हूं आप कह चलिये।

हिलक्रिस्ट—तो तुम आग्रह करते हो? कहा जाता है कि हिसाब में कुछ गड़बड़ थी बस इसी पर तुम्हारी स्त्री वहां से छोड़ कर चली आई पर बदनामी हुई। मैं तो कह चुका कि मुझे विश्वास नहीं होता।

चार्ल्स—

[क्रोध से]

झूठे!

[वह द्वार की ओर बढ़ता है]

हिलक्रिस्ट—

[झपट कर]

क्या कहा?

जिल—

[उसका हाथ पकड़कर]

दादा!

[सुनो तो]

आप तो जानते हैं कि हम लोग—

चार्ल्स—

[उनकी ओर घूमकर]

तो तुम मुझ से यह झूठ क्यों कहते हो मैं तो उस बदमाश से सब सच बात सुन चुका हूं। मेरी स्त्री यहां है और उसी ने तुम को यह सब सिखाया है।

[अपने ही हाथ से उसने जो पर्दे सरकाये थे उसके बीच में क्लिओ का चेहरा जमा हुआ सा देख पड़ता है]

वह—उसी ने तुम्हें सिखाया है। वह झूठी है झूठी। मेरे साथ तीन वर्ष तक वह झूठ की प्रतिमूर्ति रही है।

[केवल हिलक्रिस्ट का ही चेहरा पर्दे की ओर मुड़ा था। वह उसे सुनते हुये देख रहा था। बिना रुके ही उसका हाथ ऊपर को उठ जाता है]

और अब साहस नहीं है कि मुझ से कहे। बस.

हो चुका। ऐसी औरत से जो बच्चा होगा मैं लूंगा ही नहीं।

[एक आह के साथ विलओ पर्दा छोड़ देती है और लुप्त जाती है]

हिलक्रिस्ट—ईश्वर के लिये भाई ज़रा सोच तो लो कह रहे हो। वह बड़ी आपत्ति में है।

चार्ल्स—और मैं काहे में हूं ?

जिल—यह जानते हो कि वह तुम से प्रेम करती है।

चार्ल्स—बड़ा अच्छा प्यार है। उस बदमाश डाकर मुझ से कह दिया है—सब कह दिया है भयंकर—महा भयंकर।

हिलक्रिस्ट—मुझे बड़ा दुख है कि हमारी लड़ाई में आ खड़ा हुआ।

चार्ल्स—

[बड़े क्रोध से]

तुमने मेरा जोवन चूर चूर दिया है।

[उनकी दृष्टि बचाकर मिसेज़ हिलक्रिस्ट बाईं ओर द्वार से आकर चुपचाप खड़ी हो जाती हैं]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—ऐसे अनजान में भी तुम्हें रहना रुचिकर होता ?

[उसकी ओर सब घूमकर देखते हैं]

चार्ल्स —

[दांत पीसकर]

मैं कह नहीं सकता—पर तुम—तुम्हीं ने यह सब कुछ किया ।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—तुम्हें हम पर वार ही न करना था ।

चार्ल्स—इसका सा हमने तुम्हारे साथ क्या किया था ?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—जो कुछ तुम कर सकते थे ।

हिलक्रिस्ट—बस ! बस ! अब कहो किस प्रकार हम तुम्हारी सहायता करें ?

चार्ल्स—ये बताओ मेरी स्त्री कहां है ?

[जिल पर्दा खोल देती है—खिड़की खुली हुई है—जिल बाहर देखती है—सब चुपचाप खड़े हैं]

जिल—हमें नहीं मालूम ।

चार्ल्स—तो वो यहीं थीं ?

हिलक्रिस्ट—जी हां और तुम्हारी बातें भी सुनती रही ।

चार्ल्स—तो और भी अच्छा है । तो वह जान गई कि मैं क्या सोचता हूं

हिलक्रिस्ट—ज़रा संभल जाओ । उसके साथ नम्रता का व्यवहार करो ।

चार्ल्स—नम्रता । वह स्त्री जिसने—जिसने !

हिलक्रिस्ट—बड़ी दीन दशा है । सुना !

चार्ल्स—रहने दीजिये अपनी दया ।

[बाईं ओर से होकर चांदनी में चला जाता है]

जिल—दादा आओ ज़रा उसे देखें तो; मुझे बड़ा भय मालूम होता है ।

हिलक्रिस्ट—मैं ने उसे वहां बातें सुनते देखा था। गर्भवती है । कोई भी बात जहां एक बार आरम्भ हो गई फिर कौन जाने उसका अन्त कहां होता है ? तुम तो पथरीली खांई में जाओ और मैं ताल की ओर जाता हूं । नहीं आओ साथ चलेंगे ।

[दोनों बाहर जाते हैं]

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट चिमनी के पास आती हैं वहीं खड़ी रह कर घंटी बजाती हैं कुछ सोचती हैं । फेलोज़ का प्रवेश]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मैं किसी को मिस्टर डाकर के पास भेजना चाहती हूं ।

फेलोज़—मिस्टर डाकर तो स्वयं ही आप से भेंट करने के लिये रुके हुये हैं ।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—उनको यहां भेज दो और देखो

जैकमन्स से कह दो कि वे अपने घर में अब जाकर रह सकते हैं।

फेलोज़—अच्छा मां.जी !

[वह बाहर जाता है]

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट मेज़ पर बयनामा ढूंढ़ती है और पा जाती है डाकर भीतर आता है। उसका चेहरा इस समय ऐसा है मानो उसका मिजाज़ बुरी तरह बिगड़ गया हो]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—चार्ल्स हार्नब्लोवर—यह कैसे हुआ ?

डाकर—वह मेरे पास आया और मैं ने कह दिया कि मैं कुछ नहीं जानता। वह कब मानने लगा। लगा मुझे उल्टी सीधी गालियां देने। और बोला कि मैं सब कुछ जानता हूं और मुझे धमकाने भी लगा बस मेरा मिजाज़ बिगड़ गया और मैं ने सब कुछ कह डाला।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—जब हम लोग बचन दे चुके थे तब

उसके बाद यह बहुत ही बुरा हुआ। वे तो बड़े घबड़ाये हुये हैं।

डाकर—

[बिगड़ कर]

इस में मेरा तो कोई दोष है नहीं मां जी ! उसने मुझे धमकाया और तंक क्यों किया ? और फिर ये तो सभी जानते हैं कि कुछ दाल में काला है। गांव भर में यही चर्चा है—साफ़ बात तो कोई नहीं जानता पर अपनी अपनी खिचड़ी सभी पकाते हैं। इनको तो अब यहां से जाना ही पड़ेगा। अच्छा है चले जांय, द्वार पर का बैरी अच्छा नहीं होता।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—कदाचित्—पर डाकर इसको संभाल कर रक्खो।

[उसको दस्तावेज़ देती है]

ये लोग तो हैं साहसिक और जब उन्हें क्रोध आ जाता है तब मुझे उनका कुछ भी भरोसा नहीं रहता।

[मोटर खड़ी होने का शब्द]

डाकर—

[खिड़की से बाईं ओर देखकर]

मैं समझता हूं शायद हार्नब्लोवर है। हां वही निकला है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—

[संभल कर]

तो ज़रा ठहर जाओ।

डाकर—अब कहीं यह और मुझ से भिड़ पड़े। बहुत हो चुका है।

[द्वार खुलता है हार्नब्लोवर प्रवेश करता है। वह फेलोज़ के पीछे ही लगा हुआ था]

हार्नब्लोवर—वह दस्तावेज़ मुझे लौटा दो। बेईमानी और झूठी प्रतिज्ञा करके तुम ने उसे मुझसे ले लिया। तुम ने कसम खाई थी कि कोई भी उसके विषय में न जानेगा फिर मेरे नौकर तक कैसे जान गये?

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—हम से इससे क्या मतलब। तुम्हारा बेटा आया और डाकर को डांट धमका कर उन से उसने सारा भेद जान लिया। बस! यहां मेहरबानी करके ठिकाने से बातें करना नहीं तो बाहर निकलवाना पड़ेगा।

हार्नब्लोवर—

[डाकर की ओर अचानक मुड़कर]

अबे ओ बदमाश। ला मुझे वो दस्तावेज़ दे जो तेरी जेब में रक्खा है।

[डाकर की ऊपर की जेब से उस का एक कोना सचमुच देख पड़ता है]

डाकर—

[लाल होकर]

देखो हार्नब्लोवर तुम्हारे लड़के की तो बहुत मैं ने सही थी पर अब अधिक नहीं सहूंगा।

हार्नब्लोवर

[मिसेज़ हिलक्रिस्ट से]

अब भी तुम्हारी जगह को सत्यानाश कर दूँगा ठहरो ।

[डाकर से]

तू मुझे वो कागज़ दे दे नहीं तो तेरा गला घोंट दूँगा ।

वह डाकर से लिपट पड़ता है और कागज़ छीनना चाहता है । डाकर भी उसपर टूट पड़ता है और दोनों ही एक दूसरे की धर पकड़ करते हैं और एक दूसरे का गला पकड़ना चाहते हैं । मिसेज़ हिलक्रिस्ट घंटी के पास जाकर उसे बजाना चाहती है पर वह उन दोनों के युद्ध में अलग पड़ी रह जाती है । अचानक राल्फ़ खिड़की पर आ जाता है घबड़ाकर लड़ाई को देखता है और डाकर के हाथ पकड़ लेता है जो कि हार्नब्लोवर के गले तक पहुंच ही चुके थे जिल उसके पास दौड़ कर उसका हाथ पकड़ लेती है]

जिल—राल्फ़ ! अरे सब जने ! रुको ! यह क्या करते हो । देखो ! डाकर का हाथ छूट जाता है और वह अलग जा गिरता है । हार्नब्लोवर गिन-

गिना जाता है और फिर संभल जाता है और सांस लेता है। सब खिड़की की ओर मुड़ते हैं जहां बाहर—

हलक्रिस्ट और चार्ल्स चांदनी रात में विलओ का चेष्टाहीन शरीर लिये है]

पथरीली खाईं में। अभी बस सांस चल रही है।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—अरे उसे भीतर ले आओ। जिल ब्रान्डी ला।

हार्नब्लोवर—न ! उसे मोटर पर ले चलो। अलग रह औरत ! मैं तुम लोगों से किसी प्रकार की सहायता नहीं चाहता। राल्फ़—चार्ली उसे उठा लाओ।

[बाईं ओर से वे लोग उसे उठाकर ले जाते हैं जिल पीछे पीछे जाती है]

हिलक्रिस्ट ! तुमने मुझे यहाँ पिटवाया और मेरा निरादर करवाया। तुम ने मेरे पुत्र का

वैवाहिक जीवन नष्ट कर दिया और मेरे पोते को तुम्हीं ने मार डाला। मैं इस अभागी जगह अब नहीं रहूंगा पर हां यदि कभी भी तुम्हें या तुम्हारे किसी को भी हानि पहुँचा सकूंगा तो अवश्य पहुंचाऊंगा।

डाकर—

[गुनगुना कर]

अच्छा! अच्छा! यह व्यर्थ का रोना चिल्लाना है। तुम्हीं ने शुरू किया था।

हिलक्रिस्ट—डाकर! ज़रा सीधे होओ! हार्नब्लोवर मुझे इस समय बड़ा दुख है।

हार्नब्लोवर—चल ढोंगी कहीं का।

[वह शान के साथ उन लोगों के पास से निकल जाता है खिड़की से बाहर निकल कर अपनी मोटर पर आ जाता है। हिलक्रिस्ट जो अब तक चुपचाप खड़ा था धीरे से आगे बढ़कर अपनी चक्करदार कुर्सी पर बैठ जाता है]

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—डाकर! ज़रा टेलीफोन से डाक्टर

राबिन्सन से कह दो कि तुरत हार्नब्लोवर्स के यहां चले जांय।

[डाकर दस्तावेज़ को लिये हुये 'कर' सा कुछ शब्द करता हुआ बाईं ओर से बाहर शीघ्र निकल गया]

[अंगीठी के पास]

जैक ! तुम मुझी को दोष दोगे ?

हिलक्रिस्ट

[चुप चाप]

नहीं।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—तो डाकर को। उस ने तो अपना भरसक प्रयत्न किया।

हिलक्रिस्ट—न।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—फिर क्या है ?

हिलक्रिस्ट—"ढोंगी"।

[जिल दौड़ती हुई खिड़की के पास आती है]

जिल—दादा ! वह ज़रा कनमनाई और कुछ बोली । सम्भव है बहुत खराब न हो।

हिलक्रिस्ट—ईश्वर को धन्यवाद है ।

[फेलोज़ बाईं ओर से आता है]

फेलोज़—मां जी ! जैकमन्स आते हैं ।

हिलक्रिस्ट—कौन ? क्या है ?

[जैकमन्स प्रवेश करके द्वार के पास खड़े हो गये]

मिसेज़ जैक—अपने घर जा सकते हैं इस से इतने प्रसन्न हैं हम लोग हुजूर कि हम ने कहा चल कर ज़रा मां जी को धन्यवाद दे आवें।

[सब जने चुप हैं। वे जान जाते हैं कि इस समय इनकी किसी को रुचि नहीं]

धन्य है सरकार ! गुड नाइट मां जी।

[वो बाहर चले जाते हैं]

हिलक्रिस्ट—मैं तो इन की स्थिति ही भूल गया था ।

[उठ बैठता है]

ऐसी कौन सी बात है जो लड़ाई के समय ढीली हो जाती है और तुम्हें कुछ और ही बना देती है। कैसी बुरी अंधी करने वाली वस्तु है। चाहे जैसे प्रारम्भ करो पर अन्त बस यही है—धोखाधड़ी ! धोखाधड़ी !

जिल—

[उसके पास दौड़ कर]

पर दादा तुम ने नहीं किया था। न दादा! तुम ने तो नहीं किया था।

हिलक्रिस्ट—मैं ही तो था क्यों कि मुझे यह था कि मैं इस घर का स्वामी हूँ और मुझे ही स्वामी होना भी चाहिये।

मिसेज़ हिलक्रिस्ट—मैं तो नहीं समझती।

हिलक्रिस्ट—जब युद्ध प्रारम्भ हुआ था तब हमारे हाथ साफ थे अब भी साफ है उस सौजन्य का मूल्य ही क्या यदि वह अग्नि में न टिका।

दिनांक Date	उधारकर्ता की संख्या Borrower's No.	दिनांक Date	उधारकर्ता की संख्या Borrower's No.